किसी महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता - 12

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा - 12

अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की दी चेतावनी - 13

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का सबसे प्रबल दावेदार - 14

आज का मौसम 21.0° अधिकतम तापमान 9.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.57 सूर्यास्त 05.55

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:54 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 7 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 348, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

नेपाल के बैतड़ी में बरातियों से भरी बस खाई में गिरी, 13 की मौत, 34 लोग घायल

- बस अनियंत्रित होकर 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई, नेपाल के गांव में शादी के बाद दुल्हन संग लौट रहे थे बाराती

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बैतड़ी में दर्दनाक हादसा हुआ है। बीते गुरुवार की रात बजांग जा रही बरात की अनियंत्रित बस 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में 13 बरातियों की मौत हो गई जबकि 34 घायल हो गए।

मृतकों में सभी नेपाल के रहने वाले हैं। दूल्हे के चचेरे भाई समेत अन्य रिश्तेदारों की मौत से विवाह की खुशियां मातम में बदल गईं। जिला प्रहरी कार्यालय बैतडी के प्रहरी प्रवक्ता प्रहरी निरिक्षक बलदेव बडू ने बताया कि घटना में बजांग बित्थड़ चीर गांव पालिका-7 निवासी 40 वर्षीय केशव राज जोशी, 13 वर्षीय अशोक राज जोशी, 35 वर्षीय बसंत राज जोशी, 41 वर्षीय बिष्णु दत्त जोशी, 42 वर्षीय नरेश राज जोशी, 17 वर्षीय बिशन दत्त जोशी, 28 वर्षीय दीपक जोशी, 46 वर्षीय किशन जोशी, बजांग के दारस्यु गांव पालिका निवासी 60 वर्षीय मोहन देव भट्ट, 27 वर्षीय केशव भट्ट, जय पृथ्वी नगरपालिका-7 निवासी 40 वर्षीय बसंत राज रतला, बैतडी पुरचूणीं नगरपालिका-7 निवासी 40 वर्षीय पुष्पा अवस्थी और सुशील जोशी की वहीं पर मौत हो गई। घायलों अस्पताल भेजा गया। इससे पहले रात्रि में नेपाल एपीएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया था। 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, 5 की डडेलधुरा अस्पताल और 2 की कोटिला अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हुई।

इंग्लैंड को रिकॉर्ड छठी बार फाइनल में हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी।

भारत ने इंग्लैंड को हराकर छठवीं बार अंडर-19 विश्व कप जीता

- वैभव सूर्यवंशी ने खेली तूफानी पारी

हरारे। युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के 175 रन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता। भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में ट्रॉफी जीती थी। यह टूर्नामेंट के इतिहास में भारत के दबदबे को दिखाता है। चौदह वर्षीय सूर्यवंशी ने सिर्फ 80 गेंद में शानदार 175 रन बनाए। उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और यह मुकाम 71 गेंदों में हासिल किया। इससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 411 रन का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कालेब फाल्कनर के 115 रन की शतकीय पारी के बावजूद आखिरकार 40.2 ओवर में 311 रन पर ऑल आउट हो गया। (विस्तृत खेल पेर पर)

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली हवाई अड्डे पर 13 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क भाग के अधिकारियों ने बैंकॉक से आई एक भारतीय महिला यात्री से करीब 12.93 करोड़ रुपये मूल्य का कथित मादक पदार्थ जब्त किया। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो ट्रॉली बैग की जांच करने पर उनमें कुल 13 पॉलीथीन के पैकेट मिले, जिनमें गांजा है। जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 12.92 किलोग्राम है और शुरुआती जांच के मुताबिक यह गांजा है।

कोयला खदान विस्फोट के बाद 7 और शव मिले मृतकों की संख्या 25 हुई

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट की घटना में शुक्रवार को सात और शवों की बरामदगी के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। यह विस्फोट गुरुवार को थांगस्कू इलाके में स्थित अवैध कोयला खदान में हुआ था, जिसके बाद प्रशासन ने व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया। गुरुवार को 18 शव बरामद किए गए थे। नोंगरंग ने बताया, शुक्रवार को सात और शव बरामद किए गए हैं जिससे मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई है। इनमें से 12 शवों की पहचान हो चुकी है।

क्रिकेटरों के नाम पर धोखाधड़ी, आयोजक पर एफआईआर

हल्द्वानी। अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में बहुचर्चित ईवीसीएल क्रिकेट लीग में क्रिकेट प्रेमियों के अलावा निवेशकों के भी बड़ी धोखाधड़ी की गई। आयोजक पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और सभी एंगल से जांच की जा रही है। तहरीर के अनुसार ईवीसीएल (एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग) के मालिक विकास ढाका ने गौलापार इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट लीग आयोजन का झांसा दोनों को दिया। पुलिस ने मामले की जांच की तो सच सामने आया। (विस्तृत खबर पेज -3)

रेपो रेट 5.25% पर बरकरार, डिजिटल फ्रॉड पर मिलेगा 25,000 का मुआवजा

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिया फैसला, वृद्धि अनुमान 7.4% किया

- महंगाई में नरमी और अमेरिका से व्यापार समझौते पर बनी सहमति के कारण नहीं बदला रेपो रेट

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। महंगाई में नरमी, वृद्धि को लेकर चिंता दूर होने के साथ बजट में सरकारी खर्च में वृद्धि तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बनी सहमति के बाद शुल्क को लेकर दबाव कम होने के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की उम्मीद की जा रही थी। वहीं, छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा की घोषणा की।

केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने का निर्णय लिया। इसके साथ आरबीआई ने अपने तटस्थ रुख को बरकरार रखा, जिसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि बाहरी चुनौतियां बढ़ गई हैं, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का सफल समापन अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से रेपो दर में अब तक कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे आक्रामक कटौती है। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो केंद्रीय बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

गवर्नर मल्होत्रा ने छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा लाने की घोषणा की। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए अंतिम द्विमासिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, हम डिजिटल भुगतान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए संभावित उपायों पर एक परिचर्चा पत्र भी प्रकाशित करेंगे। इन उपायों में विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशिष्ट वर्ग के उपयोगकर्ताओं के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए, आरबीआई तीन दिशानिर्देश का मसौदा जारी करेगा। पहला, गलत बिक्री से संबंधित, दूसरा, अनधिकृत तरीके से इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेन-देन में ग्राहकों की देनदारी को सीमित करने और तीसरा कर्ज वसूली तथा वसूली एजेंट को जोड़ने के संबंध में होगा।

1,000 करोड़ से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी को अनिवार्य पंजीकरण से छूट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन नहीं लगा होना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया। (विस्तृत कारोबार पर)

गोल्ड लोन में उच्च वृद्धि के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं : मल्होत्रा

मुंबई। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच आरबीआई ने कहा कि वह वित्तीय प्रणाली में कीमती धातु के बदले दिए जाने वाले कर्ज (स्वर्ण ऋण) को लेकर पूरी तरह सहज है और इसे लेकर कोई चिंता नहीं है। स्वर्ण ऋण को लेकर हम बहुत सहज हैं। नवंबर 2025 तक के दो वर्षों में पूरी वित्तीय प्रणाली में कुल स्वर्ण ऋण बकाया लगभग दोगुना हो गया है, क्योंकि सोने की कीमतों में उछाल ने ऋणदाताओं को अधिक सहज बना दिया है।

परीक्षा बोझ नहीं, अंकों के बजाय बेहतर जीवन पर ध्यान दें : मोदी

- प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों को किया संबोधित
- कहा- पूरी लगन से पढ़ाई करें, आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई सफल नहीं बनाती

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आने वाली बोर्ड परीक्षाओं से पहले शुक्रवार को स्कूली छात्र-छात्राओं को अनेक मंत्र देते हुए कहा कि अपने जीवन एवं शैक्षणिक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा को बोझ नहीं समझें और केवल अंकों पर नहीं, बल्कि जीवन बेहतर करने पर ध्यान नहीं दें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि परीक्षाएं उत्सव की तरह होती हैं और इनकी खुशी मनाई जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों से कहा कि शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए और सभी को पूरी लगन से पढ़ना चाहिए क्योंकि आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई जीवन को सफल नहीं बनाती। उन्होंने यहां अपने आवास पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों के एक समूह से कहा, शिक्षा मजबूरी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए। हमारी पूरी तल्लीनता चाहिए। अगर पूरी तल्लीनता से पढ़ाई नहीं की है, तो फिर आधी-अधूरी शिक्षा, जीवन को कहीं सफल नहीं बनाने देती। प्रधानमंत्री ने कहा, अंकों पर ध्यान देने के बजाय सभी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि वे जीवन में कहां पहुंचे हैं। आपके माता-पिता, शिक्षक या साथी क्या कहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता, खुद पर भरोसा रखिए और अपने सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने हिसाब से चलिए। मोदी ने बच्चों से कहा, हमारा लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो पहुंच के भीतर हो लेकिन आसानी से प्राप्त होने वाला न हो। पहले मन को साधो, फिर मन को जोड़ो और फिर जिन विषयों की पढ़ाई करनी है, उन्हें सामने रखो। तब आप हमेशा सफल होंगे। वर्ष 2023 में 38.8 लाख बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था, जो नौवें संस्करण में 4.5 करोड़ से अधिक हो गया है।

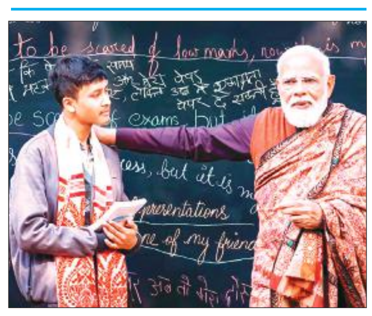

छात्र से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद न करें : मोदी

मोदी ने छात्रों को मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आपकी गेमिंग में रुचि है लेकिन भारत में डेटा सस्ता है तो सिर्फ समय काटने के लिए इसमें लिप्त मत होइए। जो लोग पैसे कमाने के लिए गेमिंग में लिप्त होते हैं, उनका ही नुकसान होता है। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है।

पाकिस्तान में मस्जिद में आत्मघाती विस्फोट, 31 की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए।

विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजातुल कुबरा शिया मस्जिद-सह-इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था और उसके संबंध 'फितना अल ख्वाराजी' से थे। यह शब्द टीटीपी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

- जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में हुआ भीषण ब्लास्ट

पंजाब में गुरुद्वारे के बाहर आप नेता की गोली मारकर हत्या

- सिर-सीने में गोलियां मारीं गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने ली जिम्मेदारी

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर में मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लक्की ओबेरॉय की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई जब 43 वर्षीय ओबेरॉय अपनी एसयूवी में गुरुद्वारे से निकल रहे थे।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जब ओबेरॉय गुरुद्वारे से बाहर आए और अपनी गाड़ी में बैठे तो काले रंग की 'हुडी जैकेट' पहने एक हमलावर पैदल ही उनके पास आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और अपने साथी के साथ भाग गया । गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

'घूसखोर पंडत' के निर्देशक समेत कई पर रिपोर्ट

- नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में जाति विशेष को बनाया निशाना
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई कार्रवाई आरोपियों की तलाश शुरू

लखनऊ। जाति विशेष (ब्राह्मण) को निशाना बनाते हुए बनाई गई वेब सीरिज 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक नीरज पांडेय व उसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर हजरतगंज की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इस वेब सीरीज में जाति विशेष को निशाना बनाया गया है। जिसका टीजर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं इसके खिलाफ लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। लोग जगह-जगह धरना प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गए। जानकारी होते ही इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने खुद ही वादी बनकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। नेटफ्लिक्स पर वेब सीरीज घूसखोर पंडत सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने फिल्म के निर्देशक व उसके सहयोगियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया। जान लें, एक्टर मनोज बाजपेयी अभिनीत ओटीटी फिल्म घूसखोर पंडत एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है। विवाद के बाद प्रमोशनल सामग्री हटा ली गई है।

शीर्षक हटाने के निर्देश

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के अनुरोध पर भारत सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज को प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडत' के शीर्षक को हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली किसी भी टिप्पणी से बचने के लिए कहा है। फिल्म के शीर्षक को लेकर कई संगठनों ने भी विरोध जताया था।

उत्तराखंड में 8 पीएम ब्लैक की होगी सैंपलिंग, बिक्री पर लगाई गई रोक

- शराब पीकर दो की मृत्यु के बाद मचा हड़कंप, आबकारी आयुक्त के निर्देश पर छापामारी शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : खटीमा के रहने वाले दो लोगों की शराब पीने से मौत हो जाने की घटना के बाद आबकारी विभाग में हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में आबकारी आयुक्त ने 8 पीएम ब्लैक बैच की बिक्री पर रोक लगाते हुए सैंपलिंग करने का आदेश दिया है। आदेश है कि आबकारी विभाग की टीम प्रदेश के सभी शराब की दुकानों पर छापामार कार्रवाई करे और कथित शराब बैच की बिक्री पर फौरन रोक लगाई जाए।

बीती 5 फरवरी की रात्रि को कंजाबाग खटीमा के रहने वाले 52 वर्षीय दिल्लू राणा ने अपने दोस्त मलकीत राणा व प्रवेश राणा के साथ शराब पार्टी की थी। सभी दोस्तों ने शराब की दुकान से 8 पीएम ब्लैक ब्रांड की शराब खरीदी और पीने के कुछ ही देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां नाजुक हालत को देखते हुए दिल्ली और मलकीत को बरेली रेफर कर दिया, लेकिन उपचार के दौरान दिल्लू व मलकीत की मौत हो गई।अधिकृत शराब पीने से मौत की सूचना से आबकारी विभाग में हड़कंप मच गया। आबकारी आयुक्त ने का निर्देश है कि 8 पीएम का सिंपल व ब्लैक ब्रांड, मैक डावल्स, सोलमेट व्हिस्की ब्रांड की भी सैपलिंग की जाए।

इसके बाद आबकारी टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए सैंपलिंग शुरू कर दी है। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी, ऊधमसिंह नगर महेंद्र बिष्ट के मुताबिक, आबकारी आयुक्त के निर्देश पर फिलहाल 8 पीएम ब्लैक ब्रांच बैच की बिक्री पर प्रदेश भर में रोक लगाने का आदेश हुआ है। जांच रिपोर्ट के बाद ही अनुमति प्रदान की जाएगी।

समारोह हरिद्वार में ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह का समापन

विकास और विरासत का संतुलन कर आगे बढ़ रहा है उत्तराखंड

- आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज सहित संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथि रहे मौजूद

प्रमुख संवाददाता, देहरादून/ हरिद्वार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति और विरासत को वैश्विक पहचान मिल रही है। साथ ही उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है।

सीएम धामी शुक्रवार को हरिद्वार में ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज की समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह के समापन अवसर पर विचार प्रकट कर रहे थे। इस दौरान मंच पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और उप्र. के मुख्यमंत्री योगी भी मौजूद रहे। यहां जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज सहित अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथि रहे उपस्थित थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने आध्यात्मिक साधना को समाज सेवा से जोड़कर एक विशिष्ट जीवन दर्शन प्रस्तुत किया। भारत माता मंदिर की स्थापना के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक गौरव को मूर्त रूप दिया। यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने भारत माता मंदिर को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह मंदिर जाति, क्षेत्र और भाषा की सीमाओं से ऊपर उठकर संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधता है। केन्द्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस आयोजन में सम्मिलित होने को सौभाग्य बताया। हरिद्वार से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत माता मंदिर की स्थापना एक दूरदर्शी राष्ट्र मंदिर की अवधारणा के साथ की गई थी, जिसे आज और अधिक सशक्त रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र चेतना, सनातन संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा तथा मानव सेवा जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मनोहर लाल खट्टर, सीएम धामी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

आधुनिकता-संस्कृति एक-दूसरे के पूरक

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक जड़ों की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यदि संस्कृति कमजोर होती है तो राष्ट्र भी कमजोर हो जाता है। उन्होंने सनातन संस्कृति, अद्वैत वेदांत, भक्ति परंपरा और गुरु-शिष्य संवाद को भारत की आत्मा बताया।

स्टेट ब्रीफ

सीएम धामी ने भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को दी बधाई

देहरादून: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को पराजित कर खिताब जीतने पर भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय टीम के होनहार खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और टीम भावना से देश को गौरवान्वित किया है। यह विजय देश के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राजा-रानी, परियों, नैतिक मूल्यों और जीवन के अनुभवों से भरी ये कहानियां बच्चों में विकसित करती हैं संस्कार

काश ! फिर शुरू हो जाए दादी-नानी की कहानियों का दौर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: एक समय था जब बच्चों की शाम दादी-नानी की कहानियों, लोककथाओं और परिवार के साथ बिताए गए समय से सजी होती थीं। राजा-रानी, परियों, नैतिक मूल्यों और जीवन के अनुभवों से भरी ये कहानियां बच्चों के संस्कार और कल्पनाशीलता को मजबूत करती थीं। लेकिन बदलते समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। बच्चे आज मोबाइल फोन, टैबलेट और ऑनलाइन गेम्स की दुनिया में इतने रम गए हैं कि पारिवारिक संवाद और कहानी संस्कृति हाशिए पर चली गई है।

शिक्षाविदों का कहना है कि लोककथाएं और पारंपरिक कहानियां बच्चों में नैतिकता, धैर्य, साहस और सामाजिक समझ विकसित करती हैं।

ये कहानियां न सिर्फ मनोरंजन करती हैं, बल्कि जीवन के सही-गलत का फर्क भी सिखाती हैं। इनके अभाव में बच्चों का भावनात्मक विकास प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, कई ऑनलाइन गेम्स में बच्चों को चुनौती (टास्क) पूरी करने के लिए जोखिम भरे कदम उठाने के लिए उकसाया जाता है। धीरे-धीरे बच्चे आभासी दुनिया और वास्तविक जीवन के बीच का फर्क भूलने लगते हैं। अंक, लेवल और वर्चुअल पुरस्कार उन्हें इतना प्रभावित करते हैं कि वे खतरे को भी नजरअंदाज कर देते हैं।

मोबाइल नहीं खिलौने, किताबें और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ें :डॉ. गरिमा कांडपाल

नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल में तैनात मनोचिकित्सक डॉ. गरिमा कांडपाल बताती हैं कि आजकल अस्पताल में आने वाले मामलों में बच्चों का बढ़ता स्क्रीन टाइम एक बड़ी वजह बन रहा है। उन्होंने बताया कि जिन बच्चों का स्क्रीन टाइम ज्यादा होता है, उनकी ध्यान अवधि यानी अटेंशन स्पैन प्रभावित हो जाती है। ऐसे बच्चे किसी भी चीज पर लंबे समय तक फोकस नहीं कर पाते, जिसका सीधा असर उनकी पढ़ाई और सीखने की क्षमता पर पड़ता है। डॉ. गरिमा के अनुसार मानसिक स्तर पर भी इसके गंभीर दुष्प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। मोबाइल और डिजिटल गेम्स की अधिकता से बच्चों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, बेचैनी और अकेलेपन की भावना बढ़ रही है। सोशल मीडिया और वीडियो देखने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रही है। वे दोस्तों के साथ बाहर खेलना, परिवार के साथ समय बिताना और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेना कम कर रहे हैं, जिससे उनका सामाजिक विकास बाधित हो रहा है। डॉ. गरिमा कांडपाल का कहना है कि इस समस्या का सबसे बड़ा और प्रभावी इलाज माता-पिता की जागरूकता है। बच्चों को मोबाइल देने के बजाय उन्हें खिलौने, किताबें और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना चाहिए। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना, उन्हें पार्क, घूमने या खेलकूद के लिए बाहर ले जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 6 साल तक के बच्चों को मोबाइल फोन से पूरी तरह दूर रखना चाहिए।

उत्तराखंड का पहला तंबाकू नियंत्रित शहर बनेगा ऋषिकेश

संवाददाता, ऋषिकेश

अमृत विचार: राज्य में नगर निगम ऋषिकेश ने शहर को स्वच्छ, पवित्र और स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए तंबाकू उत्पादों की बिक्री को नियंत्रित करने का निर्णय लिया है।

शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में समीक्षा बैठक में विशेष उपविधि के माध्यम से तंबाकू बिक्री को विनियमित करने पर सहमति बनी। बैठक में नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि तंबाकू नियंत्रण का यह विशेष मॉडल वर्तमान में देश के केवल 7 से 8 शहरों में ही लागू है। ऋषिकेश इस व्यवस्था को अपनाने वाला उत्तराखंड राज्य का पहला शहर बन गया है, जो जन-स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य के लिए एक नई मिसाल है। नगर निगम ने धार्मिक मर्यादा और नई पीढ़ी के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए निर्णय लिया है कि अब शहर के किसी भी मंदिर परिसर, विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं गंगा घाटों के 200 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर संबंधित दुकान का लाइसेंस निरस्त करने के साथ-साथ चालानी कार्रवाई भी की जाएगी। नगर आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में शहर में तंबाकू विक्रय की 134 दुकानों की पहचान की गई है, जिनमें से 18 दुकानों का पंजीकरण पूर्ण हो चुका है। शेष दुकानदारों को शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर शंभू पासवान ने कहा कि ऋषिकेश की पवित्रता तथा नागरिकों का स्वास्थ्य प्राथमिकता है।

सेवा, सुशासन और उत्तराखंड का विकास हमारी सरकार का संकल्प : सीएम धामी

इंटर कॉलेज यमकेश्वर के भवन का किया उद्घाटन, प्राचीन शिव मंदिर में की विधिवत पूजा-अर्चना

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

कार्यक्रम के दौरान किसी बात पर खिलखिलाते सीएम योगी और सीएम धामी।

मेधावी छात्र को सम्मानित करते सीएम योगी आदित्यनाथ, साथ में सीएम पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित दो मंजिला भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यमकेश्वर पहुंचे। दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात दोनों नेताओं ने इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि विद्या मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। शिक्षा केवल डिग्री या रोजगार का साधन नहीं, बल्कि संस्कार, चेतना और नैतिक मूल्यों के विकास का आधार है। उत्तराखंड सरकार द्वारा बीते चार वर्षों में 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार शिक्षा के सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और नवाचार के माध्यम से समावेशी विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सेवा, सुशासन और विकास सरकार का संकल्प है और शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण ही सरकार का लक्ष्य है।

- उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुरक्षा, सुशासन और विकास के क्षेत्र में पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है कि योगी आदित्यनाथ ने यहीं से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और आज देश के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका जीवन सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है। दोनों मुख्यमंत्रियों ने मेधावी छात्र-छात्राओं में, कक्षा 6 के नमन रावत, कक्षा 7 के हर्ष चौहान, कक्षा 8 की आरती चौहान, कक्षा 9 के सचिन बडोला, कक्षा 10 की कु. दीपाली, कक्षा 11 के अभिषेक बडोला तथा कक्षा 12 की पल्लवी को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत व विधायक रेनू बिष्ट ने भी विचार रखे।

संस्कारयुक्त शिक्षा से राष्ट्र निर्माण, भौतिक विकास मात्र साधन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भौतिक विकास जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह केवल आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है। कहा कि विद्यालयों की भूमिका केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर संस्कार, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन की भी होनी चाहिए। पौराणिक गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह पद्धति व्यक्तित्व निर्माण की सशक्त आधारशिला रही है। मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें व्यावहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। उत्तराखंड सरकार इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई है, उसी प्रकार शिक्षण की गुणवत्ता भी उच्चस्तरीय होनी चाहिए। शिक्षा में नवाचार से गांवों का समग्र विकास होगा तथा पलायन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा। उन्होंने आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए कहा कि दूसरों पर निर्भर रहने की प्रवृत्ति से ऊपर उठकर ही सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

मालरोड स्थित यूकेलिप्टस के वृक्ष की टहनी पर लगा बाना।

सावधान! कीमती वृक्षों को भी सुखा देगा बाना

संवाददाता, नैनीताल

- मालरोड समेत जंगलों के वृक्षों में लगी बीमारी
- जल्द शुरू होगा बाना लौपिंग का अभियान

अमृत विचार: नगर के विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों में बाना की बीमारी लगनी शुरू हो गई है। मालरोड समेत नगर के कई अन्य हिस्सों के पेड़ों में बाना नजर आने लगा है। वन विभाग का कहना है कि जल्द ही पेड़ों को चिन्हित कर बाना लौपिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बाना पेड़ों की घातक बीमारी है, जो किसी भी वृक्ष में लग जाए तो पेड़ सूखने लग जाता है। इन दिनों नगर के प्रमुख रोड मालरोड स्थित कई वृक्षों की टहनियों में बाना पनपना शुरू हो गया है। चिनार, बांज, यूकेलिप्टस समेत कई अन्य वृक्षों में ये नजर आने लगा है।

> स्थानीय लोगों से अपील है कि बाना लगे वृक्षों की सूचना विभाग को दें, ताकि इस बीमारी से जल्द निबटा जा सके।
> - आकाश गंगवार, प्रभागीय वनाधिकारी

इनके अलावा जंगलों में भी वृक्षों मे नजर आने लगा है। इस संदर्भ में प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार ने कहा कि इस बीमारी से जल्द निबटा जाएगा। उन्हें बाना पनपने की सूचना मिली है और अगले कुछ दिन में बाना लगे वृक्षों को चिन्हित कर लिया जाएगा। इसके साथ ही इनका कटान शुरू कर दिया जाएगा।

मदरसों के 40 हजार छात्र मुख्यधारा की शिक्षा का हिस्सा बनेंगे

देहरादून, अमृत विचार: प्रदेश की पुष्कर सिंह धामी की सरकार के उत्तराखंड मदरसा बोर्ड को समाप्त किये जाने के बाद अब राज्य के मदरसों में शिक्षा हासिल कर रहे 40 हजार से अधिक छात्र राज्य की मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनेंगे।

40 हजार से अधिक इन छात्रों को अपनी नियमित कक्षाएं समाप्त होने के बाद धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति होगी। ये छात्र अब अन्य विद्यार्थियों की ही भांति विज्ञान व गणित समेत अन्य सभी विषयों का भी अध्ययन कर सकेंगे। उत्तराखंड के बंद किये गये 452 मदरसों के अल्पसंख्यक समुदाय के ये छात्र अब उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम के तहत मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली को ग्रहण करेंगे।

राज्य शिक्षा बोर्ड के साथ इन मदरसों की संबद्धता औपचारिक होने के बाद, मदरसों से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के प्रमाण पत्र अब सरकारी नौकरियों के लिए भी मान्य होंगे। इससे धामी सरकार द्वारा हाल ही में गठित ''उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण'' के बाद निष्क्रिय हो चुके मदरसा बोर्ड में पंजीकृत लगभग 452 मदरसों के 40,000 से अधिक छात्रों को लाभ होगा।

अहमदाबाद में संत आसाराम के आश्रम पर कार्रवाई का रास्ता साफ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: दुष्कर्म के मामले में दोषी करार दिए गए आसाराम के अहमदाबाद स्थित आश्रम पर प्रशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। गुजरात हाईकोर्ट की ओर से आश्रम से जुड़ी याचिका खारिज किए जाने के बाद शाहजहांपुर में रहने वाली पीड़िता के पिता ने इस निर्णय को न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उनका कहना है कि इस फैसले से सच्चाई सामने आने की उम्मीद और मजबूत हुई है।

पीड़िता के पिता ने कहा कि आसाराम ने देश के अलग-अलग हिस्सों में सरकारी भूमि पर कब्जा कर आश्रम खड़े किए। ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जहां भी सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण हुआ है, वहां कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल अहमदाबाद के आश्रम पर बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे नेटवर्क की पड़ताल जरूरी है।

- गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर शाहजहांपुर में पीड़िता के पिता ने जताई संतुष्टि
- सरकारी जमीन पर बने आश्रमों पर उठे सवाल, अन्य स्थानों पर भी हो कार्रवाई

उनका कहना है कि अहमदाबाद में बना आश्रम भी सरकारी भूमि पर था, जिसे खाली कराने के आदेश पहले ही दिए जा चुके थे। इसी आदेश के खिलाफ दाखिल याचिका को गुजरात हाईकोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दिया। पीड़िता के पिता का आरोप है कि आसाराम पहले एक एकड़ जमीन खरीदता था और फिर उसके आसपास की सरकारी जमीन पर कब्जा कर वहां आश्रम का विस्तार कर लेता था। पीड़िता के पिता ने यह भी बताया कि शाहजहांपुर में स्थित आसाराम के आश्रम की जमीन उनके परिवार की ओर से खरीदी गई थी। उस समय उनका परिवार आसाराम का अनुयायी था और जमीन उसके नाम दर्ज करा दी गई थी। उन्होंने कहा कि तब उन्हें यह अंदेशा नहीं था कि आगे चलकर उनका परिवार इतने बड़े दुख और संघर्ष से गुजरेगा।

स्कूली परीक्षा जीवन की एक कड़ी, संपूर्ण जीवन नहीं

- मुख्यमंत्री ने सेंट एंग्नेस स्कूल में प्रधानमंत्री मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में किया प्रतिभाग
- कहा- परीक्षा चुनौती नहीं परिपक्व होने का एक पड़ाव, 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम बन चुका राष्ट्रीय आंदोलन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को राजधानी के सेंट एंग्नेस स्कूल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण से जुड़ा है। यह आयोजन अब केवल संवाद नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री का संदेश हमें यह सिखाता है कि परीक्षा जीवन की एक कड़ी हो सकती है, लेकिन सम्पूर्ण जीवन नहीं। मुख्यमंत्री धामी ने अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्कूल का समय अमूल्य होता है, जो दोबारा लौटकर नहीं आता इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी निरंतर प्रतिभाग करना चाहिए।

कहा कि परीक्षा एक अवसर है, जिसमें छात्र एक योद्धा की तरह पूरे आत्मविश्वास, धैर्य और शांति के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही काबिलियत नहीं, जीवन में और भी अनेक लक्ष्य होते हैं।

रोहन का वीडियो राष्ट्रीय स्तर पर चयनित : राज्य के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए 10 प्रेरक वीडियो में से एक वीडियो राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ है, जो राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाला कुराली, विकासखंड जखोली, जनपद रुद्रप्रयाग के छात्र रोहन सिंह राणा द्वारा तैयार किया गया है। रोहन सिंह राणा को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में दिल्ली आमंत्रित किया गया है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें अभिभावक

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से लक्ष्य तय कर प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ने तथा परीक्षा के दबाव से मुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करने का आह्वान किया। साथ ही, अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उनकी तुलना दूसरों से न करें। इस अवसर पर महानिदेशक शिक्षा दीप्ति सिंह, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

पूर्व के कार्यक्रम का टूटा रिकॉर्ड

'परीक्षा पे चर्चा 2026' के अंतर्गत देश भर में चार करोड़ से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने पंजीकरण किया, जिससे पूर्व का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी टूटने जा रहा है। उत्तराखंड राज्य से इस वर्ष लगभग 7 लाख विद्यार्थी, 53 हजार से अधिक शिक्षक एवं 14 हजार से अधिक अभिभावक जुड़े जबकि गत वर्ष यह संख्या 2 लाख 98 हजार विद्यार्थियों तक सीमित थी।

खगोल विज्ञान

फरवरी की अंतिम तारीख होगी खगोल वैज्ञानिकों के लिए खास, अलग छटा बिखेरता नजर आएगा चंद्रमा

आने वाली है हमारे सौर मंडल के ग्रहों के मिलन की शाम

संवाददाता, नैनीताल

कुछ इस तरह से नजर आएंगे हमारे सौर मंडल के ग्रह

अमृत विचार : हमारे सौर मंडल के ग्रहों को लेकर फरवरी माह की अंतिम तिथि बेहद खास रहने वाली है। इस खगोलीय घटना में बुध, गुरु, शुक्र, शनि, मंगल, नेपच्यून, यूरेनस के साथ चंद्रमा भी छटा बिखेरता नजर आएगा। नेपच्यून और यूरेनस को छोड़ दें तो अन्य ग्रहों को नग्न आंखों देखा जा सकेगा।

कुछ खगोलीय घटनाएं आए दिन देखने को मिलती रहती हैं। मगर एक रात में ग्रहों को एक साथ और एक-दूसरे के करीब देखने का संयोग कभी कभार ही मिल पाता है। अब होने जा रही इस खगोलीय घटना में लाल ग्रह मंगल, बृहस्पति और यूरेनस एक लाइन में नजर आएंगे, जबकि चार ग्रह क्रमशः शुक्र, बुध, नेपच्यून और शनि झुरमुट के साथ दिखाई देंगे। मगर मंगल ग्रह इनसे थोड़ी अलग अधिक दूरी पर नजर आएगा। इन चारों में सबसे ऊपर शुक्र, उसके नीचे बुध, बुध के नीचे नेपच्यून और उसके नीचे शनि ग्रह मौजूद होगा। यह घटना सूर्यास्त के बाद शाम को पश्चिम दक्षिण के आसमान में नजर आएगी। इस खगोलीय घटना में नेप्च्यून और यूरेनस को देखने के लिए दूरबीन की जरूरत होगी, जबकि सूर्योदय होते ही बुध ग्रह को देखा जा सकेगा। अन्य ग्रहों को सूर्योदय के कुछ समय बाद नग्न आंखों से देखा जा सकेगा। सूर्यास्त के करीब आधा घंटे बाद इस खगोलीय घटना को बखूबी देखा जा सकता है। इस तरह से ग्रहों को एक साथ देखा जाना दुर्लभ ही होता है। इस बार शाम के समय होने जा रही है तो खगोल वैज्ञानिक इस इवेंट को बेहद खास मान रहे हैं। जिसे ग्रहों की इवनिंग प्रेड भी माना जा रहा है। वर्ष 2022 में अप्रैल और अगस्त के महीने में पांच ग्रहों को एक साथ देखा गया था, लेकिन 2025 जनवरी में भी सात ग्रह एक साथ जमा हुए थे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से है बड़ा महत्व

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डा शशिभूषण पांडे के अनुसार यह खगोलीय घटना शाम के समय होने के कारण दुर्लभ मानी जा रही है। यूं तो कई ग्रहों का आपस में मिलना सामान्य खगोली घटना है, लेकिन सूर्यास्त के बाद होने जा रही इस घटना का महत्व बढ़ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समय की पुष्टि यानि काल गणना सटीक की जा सकती है। साथ ही ग्रहों पर अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के लिए इसका महत्व कहीं अधिक बढ़ जाता है। वह इस मौके पर कई कोणों के साथ अध्ययन कर सकते हैं।

सहकारिता टैक्सी सेवा होगी शुरू

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: सहकारिता आंदोलन को एक नई और सशक्त दिशा देते हुए उत्तराखंड में शीघ्र ही सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा की शुरुआत होगी।

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को बताया कि यह पहल केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की 'भारत टैक्सी' सेवा से प्रेरित है, जिसका शुभारंभ गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया जा चुका है। इस योजना में टैक्सी चालकों को केवल चालक नहीं बल्कि वाहन और सेवा का वास्तविक स्वामी बनाया गया है। इस सहकारी मॉडल का उद्देश्य बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों की तरह कमीशन आधारित पूंजी निर्माण नहीं, बल्कि सारथियों को उनके मुनाफे का अधिकार देकर उनकी आय, सुरक्षा और आत्मसम्मान को सुदृढ़ करना है। **रोड मैप जल्द, धरातल पर आएगी योजना:** मंत्री ने कहा कि, प्रस्तावित सहकार टैक्सी योजना के अंतर्गत टैक्सी चालकों के लिए स्वामित्व, सुरक्षा सामाजिक कवच और सम्मान को केंद्र में रखकर कार्य किया जाएगा। शीघ्र ही इसका विस्तृत रोडमैप तैयार कर राज्य में सहकार टैक्सी योजना को धरातल पर उतारा जाएगा। इस योजना से शहरों व पर्वतीय इलाकों के युवाओं को सीधा लाभ मिलेगा।

4 करोड़ से ज्यादा पहुंचे पर्यटक

मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि चारधाम यात्रा में सालाना 30 लाख से अधिक श्रद्धालु उत्तराखंड आते हैं, जबकि पिछले वर्ष 4 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक राज्य में पहुंचे, जो अब तक का रिकॉर्ड माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उत्तराखंड के धार्मिक, पर्यटन और सांस्कृतिक स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रमोट करने से राज्य में तीर्थाटन, पर्यटन और डेस्टिनेशन वेडिंग के क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे परिदृश्य में सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा उत्तराखंड के लिए आर्थिक, सामाजिक और रोजगार सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों के नाम पर हल्द्वानी में फ्रॉड लीग

इरफान, प्रवीण जैसे खिलाड़ियों की फोटो दिखा दिया झांसा, दो टीम मालिकों से 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में बहुचर्चित ईवीसीएल क्रिकेट लीग असल में क्रिकेट प्रेमियों के अलावा निवेशकों के साथ एक बड़ी धोखाधड़ी थी। आयोजक पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दिया है और साथ ही इस मामले का खुलासा किया। पुलिस का कहना है कि मामले में अभी अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। जिसके बाद अन्य तथ्य भी सामने आएंगे।

एसएसपी नैनीताल मंजूनाथ टीसी ने बहुद्देश्यीय भवन में मामले का खुलासा किया। हेमंत शर्मा निवासी वार्ड नं-पांच, शहीदी पार्क के पास लालसिंह कॉलोनी झज्जर हरियाणा और नारायण पाल पूर्व विधायक सितारगंज निवासी अंबिका विहार हल्द्वानी ने पुलिस को तहरीर सौंपी।

तहरीर के अनुसार ईवीसीएल (एपिक विक्ट्री किक्रेट लीग) के मालिक विकास ढाका ने गौलापार इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में क्रिकेट लीग आयोजन का झांसा दोनों को दिया। पुलिस ने मामले की जांच की तो सच सामने आया। विकास ढाका ने तथाकथित लीग में अन्तर्राष्ट्रीय प्लेयर जैसे हरभजन सिंह, इरफान पठान, प्रवीण कुमार, मनप्रीत गोनी और अन्य रणजी प्लेयर के प्रतिभाग करने की बात टीम मालिकों को बताई। हेमंत शर्मा ने ईवीसीएल क्रिकेट लीग में यूपी वॉरियर्स नाम की टीम क्रय की। उन्हें विकास ढाका ने इसकी फ्रेंचाईजी फीस 50 लाख के बदले डिस्काउंट फीस 30 लाख रूपये बताई। जिस पर हेमंत ने कुल 23 लाख रूपये में टीम विकास से खरीद ली।

पूर्व विधायक नारायण पाल को उत्तराखंड सोल्जर्स नाम की टीम बेची गई और 40 लाख रुपये में सौदा हुआ। नारायण पाल ने तीन लाख रुपये नगद और छह लाख रुपये हल्द्वानी नगर में प्रचार-प्रसार में लगाए गए होर्डिंग्स आदि के लिए दिए। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार को भी आयोजक ने बुलाया और टीम मालिकों से मिलवाया, जिससे दोनों का ही विश्वास और भी बढ़ गया। लीग को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में भी खासा उत्साह था लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी।

एसएसपी डॉ .मंजूनाथ टीसी व पीछे खड़े ठगी के आरोपी। (फाइल फोटो)

प्रवीण कुमार। (फाइल फोटो)

सवालों पर भड़के एसएसपी, बोले-मैं प्रवीण कुमार का मैनेजर नहीं

हल्द्वानी : गौलापार में अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में क्रिकेट आयोजन को लेकर निवेशकों से की गई धोखाधड़ी के मामले में जब एसएसपी मंजूनाथ टीसी से सवाल पूछे तो वह कुछ सवालों पर भड़क गए। उनसे पूछा कि प्रवीण कुमार को लेकर क्या कहना है? तो उन्होंने भड़कते हुए कहा कि मैं उसका मैनेजर नहीं हूं और साथ ही इस सवाल को एक तरह से गैरजरूरी करार दिया। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम से खेलते हुए प्रवीण ने 68 वनडे, छह टेस्ट मैच और 10 टी20आई मैच खेले हैं और साथ ही करीब 177 आईपीएल मैच खेल हैं। प्रवीण कुमार आयोजक और निवेशकों के साथ कई दिनों तक स्टेडियम और हल्द्वानी में रहे। बताया जाता है कि वह मैच आयोजन से पहले अचानक यहां से चले गए। इससे पहले वह मीडिया से भी रुबरू हुए थे और लीग की तैयारियों को लेकर जानकारी भी दी थी। दरअसल, प्रवीण कुमार इस तथाकथित लीग का बड़ा चेहरा थे। ऐसे में सवाल उठता ही है कि अगर लीग के नाम पर खुलेआम एक फ्रॉड हो रहा था तो एक पूर्व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर क्या कर रहे थे जबकि उन्हें तो ऐसे लीग आयोजन की जानकारी अच्छे से होगी। बस यही सवाल एसएसपी से पूछा गया था जिस पर वह भड़क गए।

लोगो, ड्रेस और होर्डिंग्स का पता ही नहीं

हल्द्वानी : टूर्नामेंट की तिथि एक फरवरी तय की गई थी लेकिन तिथि बीत जाने के बाद भी टूर्नामेंट शुरू नहीं हुआ तो शिकायतकर्ताओं को शक हुआ। जब विकास ढाका से नारायण पाल और हेमंत शर्मा ने पूछा तो वह बात को टालने लगा। हेमंत और नारायण पाल ने अपने स्तर से अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के आने के बारे में जानकारी इकट्ठा की तो पता चला कि उन्हें ऐसी कोई लीग पता ही नहीं है। बाद में यह भी पता चला कि आयोजन को लेकर विकास ढाका ने कोई लोगो, ड्रेस और होर्डिंग्स तैयार नहीं करे थे। इधर पुलिस को पता चला कि विकास ढाका जिस होटल में ठहरा है वहां से मैच आयोजन के बताए गए समय से पहले ही रूम खाली करके जा रहा है। ऐसे में पुलिस ने तुरंत जाकर उसे छह फरवरी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसके दोनों बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया गया है।

टिकटों की भी हुई थी बिक्री

हल्द्वानी : मैच आयोजन की तिथि एक फरवरी को शाम को दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। उन्हें बताया गया कि मैच नहीं हो रहा है। ऐसे में वहां काफी हंगामा हो गया। जानकारी मिली कि 1499 रुपये तक का टिकट रखा गया और टिकटों की बिक्री की गई। ऐसे में माना जा रहा है कई आमजन का भी रुपया भी डूबा है। इधर यह भी कहा जा रहा है कि शहर में विकास ढाका ने अन्य लोगों को भी चूना लगाया है लेकिन अभी लोग खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं। विकास ढाका ने शहर के कई बड़े चेहरों से संपर्क किया था।

प्रमोद की मौत पर बना सस्पेंस, पुलिस के खुलासे में जिक्र नहीं

हल्द्वानी : प्रमोद कुमार की मौत का मामला अब भी अनसुलझा बना हुआ है। ईवीसीएल के आयोजक विकास ढाका ने पूर्व में अपने जिस साथी प्रमोद कुमार की मौत का दावा किया था, उसका अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। हैरानी की बात यह है कि पुलिस की ओर से किए गए खुलासे में भी प्रमोद कुमार की स्थिति को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। आखिर प्रमोद कुमार की मौत हुई है या नहीं, इस सवाल ने क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। पुलिस की चुप्पी और विकास ढाका के दावों के बीच फंसा यह मामला अब एक अनसुलझी पहेली बनता जा रहा है।

पिच बनाने वाले ठेकेदार को भी नहीं दी पूरी धनराशि

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम गौलापार में 3 फरवरी से शुरू होने वाली ईवीसीएल टी-20 क्रिकेट लीग अब खेल से ज्यादा विवादों और आर्थिक अनियमितताओं के लिए चर्चा में है। आयोजकों ने पिच तैयार करने वाले ठेकेदार को भी भुगतान के नाम पर ठग लिया है।

ईवीसीएल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की पिच तैयार करने का जिम्मा अनुराग पंत को सौंपा था। अनुराग पंत ने दिन-रात एक कर स्टेडियम की पिच तैयार कराई, ताकि मैच सुचारू रूप से हो सकें। लेकिन जब भुगतान की बारी आई, तो आयोजकों ने उन्हें केवल ढाई लाख रुपये थमा दिए, जबकि कुल देय राशि पांच लाख रुपये थी।

ठेकेदार अनुराग पंत ने बताया फिलहाल मैंने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, लेकिन अगर अगले कुछ दिनों के भीतर मेरा बकाया भुगतान नहीं किया गया तो मैं कानूनी कार्रवाई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को मजबूर हो जाऊंगा।

खेल विभाग का 10 लाख का चेक हुआ क्लियर

इस पूरे विवाद के बीच एक राहत भरी खबर यह रही कि खेल विभाग को आयोजन के पहले दिया गया चेक बाउंस नहीं हुआ है। कुमाऊं खेल उपनिदेशक रशिका सिद्दीकी ने पुष्टि करते हुए बताया कि ईवीसीएल की ओर से खेल विभाग को 10 लाख रुपये का चेक दिया गया था, जो बैंक में सही पाया गया और क्लियर हो चुका है।

टिकट काउंटर पर लटका ताला, दर्शकों के पैसे फंसे

हल्द्वानी : अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में क्रिकेट लीग के नाम पर शुरू हुआ विवाद अब दर्शकों की जेब पर भारी पड़ रहा है। मैचों के लिए टिकट खरीदने वाले खेल प्रेमी जब अपने पैसे वापस लेने की उम्मीद में स्टेडियम पहुंचे तो टिकट काउंटर पर ताला लटका हुआ था और आयोजक मौके से गायब मिले। दूर-दराज से पहुंचे कई लोगों ने बताया कि वे रिफंड की मांग लेकर आए थे, लेकिन काउंटर बंद होने से उनकी उम्मीदें टूट गई है। आयोजकों की ओर से कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति फोन उठाने या सामने आने को तैयार नहीं है।

सिटी ब्रीफ

डीएम आज एडीबी प्रोजेक्टस की समीक्षा करेंगे

हल्द्वानी : नैनीताल डीएम ललित मोहन रयाल की अध्यक्षता में आज दोपहर 2 बजे से नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में एशियन विकास बैंक वित्त पोषित परियोजना के अन्तर्गत प्रस्तावित व गतिमान प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक की जाएगी। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष आज करेंगी समीक्षा बैठक

हल्द्वानी : अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम की अध्यक्षता में आज सुबह 11 बजे से लोक समस्या निवारण कार्यक्रम की समीक्षा भीमताल ब्लॉक स्थित विकास भवन सभागार में की जाएगी। यह जानकारी देते हुए सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपडेट सूचनाओं के साथ बैठक में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं।

साइबर क्राइम पर कार्यशाला 10 को

हल्द्वानी : इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देशानुसार मंगलवार को सुबह 11 बजे से भीमताल स्थित विकास भवन के सभागार में एआई के सुरक्षित उपयोग एवं साइबर खतरों के बचाव के प्रति एक कार्यशाला की जाएगी। यह जानकारी देते हुए डीएम ललित मोहन रयाल ने बताया कि इसमें ग्राम्य विकास, पंचायती राज, शिक्षा, बाल विकास, कृषि, स्वास्थ्य, राजस्व एवं ब्लाक स्तर और नगर निकाय के अधिकारियों, अध्यापकों, स्कूली बच्चों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यशाला में विशेषज्ञ उपयोगी जानकारी देंगे।

पिकअप और कार की भिड़ंत मेडिकल छात्र व छात्रा घायल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: शुक्रवार सुबह नेशनल हाई-वे 309 पर रामनगर से आगे रिंगोड़ा के पास एक पिकअप वाहन और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार युवक युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान बरेली स्थित एक मेडिकल कॉलेज में एनेस्थिसिया विभाग के पीजी जेआर सेकंड ईयर के छात्र-छात्रा डॉ. प्रस्तुति और डॉ. अभिषेक के रूप में हुई है।

दोनों डॉक्टर गिरिजा मंदिर की ओर जा रहे थे, तभी रिंगोड़ा के पास उनकी कार की सामने से आ रहे पिकअप वाहन से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय स्तर कुछ युवाओं ने मानवता दिखाते हुए तुरंत घायलों की मदद की। उन्होंने बिना देर किए दोनों घायलों को अपने निजी वाहन से रामनगर स्थित रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार शुरू किया।

चिकित्सक डॉ. तोहिद ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब 7 बजे हुई थी और 7:30 बजे दोनों घायलों को अस्पताल लाया गया। चिकित्सक डॉ. तोहिद ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर होने के चलते और स्वयं घायलों के आग्रह पर दोनों को बेहतर इलाज के लिए बरेली रेफर किया गया है।

दुर्घटना में क्षतिग्रस्त कार।

चाफी-पदमपुरी-धारी सड़क पर शीघ्र होगा डामरीकरण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भीमताल वासियों के लिए खुशखबरी है। अब चाफी-पदमपुरी-धारी मोटर मार्ग पर 9.37 करोड़ रुपये से डामरीकरण किया जाएगा। सड़क बनने के बाद ग्रामीणों को असुविधा नहीं होगी।

भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने बताया कि चाफी-पदमपुरी-धारी लंबे समय से बदतर हालत में है। इस वजह से ग्रामीणों, किसानों, पर्यटकों को आवाजाही में परेशानी होती थी। ग्रामीण लंबे समय से इस मार्ग के डामरीकरण की मांग कर रहे थे। इस पर विधायक ने लोनिवि को डीपीआर तैयार कर शासन भेजने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि सीएम धामी के सामने इस मार्ग का मुद्दा उठाया तो सीएम ने उक्त मार्ग के डामरीकरण के लिए 9.37 करोड़ स्वीकृत कर दिए। इसका शासनादेश भी जारी हो गया है।

जल्द ही निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण शुरू होगा। फिलहाल प्रथम चरण में सोलिंग, फिर फरवरी अंत या मार्च के शुरुआत में डामरीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के क्षतिग्रस्त मोटर मार्गों पर लगातार डामरीकरण किया जा रहा है।

रामनगर में होटल से लाखों के गहने चोरी, महिला गिरफ्तार

संवाददाता, रामनगर

- सीसीटीवी की मदद से खुलासा, बरामद गहनों की कीमत पौने सात लाख रुपये

अमृत विचार: रामनगर के एक होटल के कमरे से लाखों रुपये के गहने चोरी होने की घटना से हड़कंप मच गया। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरी की वारदात कैद होने के बाद पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से लाखों रुपये के चोरी के गहने और नकदी बरामद की है। बीती 5 फरवरी को दोपहर के समय कोतवाली रामनगर में डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि ढेला क्षेत्र स्थित रेड रूफ इन होटल के कमरे नंबर 109 से एक महिला का मंगलसूत्र और कान के कुंडल चोरी हो गए हैं। पुलिस ने उपनिरीक्षक राजकुमारी, महिला कांस्टेबल उमा और कांस्टेबल संजय सिंह को मौके पर भेजा। इसी दौरान शिकायतकर्ता आशीष बेलवाल निवासी हल्द्वानी स्वयं कोतवाली पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जांच के दौरान होटल में मौजूद एक संदिग्ध महिला शुभांगी पांडे निवासी वसुधा कॉटेज, मेलरोज कंपाउंड, मल्लीताल, नैनीताल से पूछताछ की गई। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी महिला के बैग से चोरी हुआ सोने व हीरे का मंगलसूत्र, सोने व हीरे का एक कान का टॉप्स तथा 3,520 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार चोरी हुई संपत्ति की कुल कीमत लगभग 7 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई थी, जिसमें से करीब 6 लाख 75 हजार रुपये का सामान बरामद कर लिया गया है।

गौलापार के गायत्री नगर में आज गुल रहेगी बिजली

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार क्षेत्र में ऊर्जा निगम की ओर से लाइनों के आधुनिकीकरण और रखरखाव का कार्य जारी है। शुक्रवार को हुई लंबी कटौती के बाद अब आज शनिवार को गायत्री नगर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा।

मरम्मत कार्य के चलते ऊर्जा निगम ने सुबह साढ़े नौ बजे से शाम चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। शुक्रवार को 33/11 केवी गौलापार उपसंस्थान के अंतर्गत दानीबंगर और नलकूप फीडर से जुड़े क्षेत्रों में करीब साढ़े छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली न होने के कारण न केवल घरेलू कामकाज प्रभावित हुए, बल्कि नलकूप न चल पाने से पेयजल आपूर्ति का संकट भी खड़ा हो गया। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि लाइनों को दुरुस्त करने का अभियान आज भी जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि लाइनों के सुदृढ़ीकरण के लिए यह कार्य बेहद जरूरी है।

आज से लगेंगे विशेष विद्युत समाधान शिविर

हल्द्वानी: यूपीसीएल के ग्रामीण विद्युत वितरण खंड की ओर से शनिवार 7 फरवरी से विशेष विद्युत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 26 फरवरी तक चलने वाले इन शिविरों में उपभोक्ता बिल सुधार, स्मार्ट मीटर की शंकाओं और नए कनेक्शन जैसे कार्यों का निस्तारण करा सकेंगे। अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने बताया कि शिविर कमलुवागांजा, फतेहपुर, ऊंचापुल, लामाचौड़, लालकुआं बिन्दुखत्ता, धौलाखेड़ा और टीपीनगर, फूलचौड़, बरेली रोड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे।

बाइक सवार झपटमार गिरोह सक्रिय

संवाददाता, हल्द्वानी

- हल्द्वानी में दिनदहाड़े दो महिलाओं से मंगलसूत्र झपटे

अमृत विचार: शहर में बाइक सवार झपटमारों का आतंक सामने आया है। कोतवाली मुखानी क्षेत्र में कुछ ही दिनों के भीतर दिनदहाड़े दो महिलाओं के मंगलसूत्र झपटने की वारदात सामने आई है। दोनों मामलों में आरोपी एक ही तरीके से वारदात कर फरार हुए, जिससे किसी सक्रिय गैंग की आशंका गहराती जा रही है।

बीते 4 फरवरी की दोपहर करीब 2:30 बजे धार बिठौरिया नंबर-1 ऊंचापुल क्षेत्र में दुकान चला रहीं बीना पाठक (निवासी बिठौरिया) के पास बाइक से दो युवक पहुंचे। एक युवक बाइक पर बैठा रहा, जबकि दूसरा सामान लेने के बहाने दुकान में घुसा। मेहंदी देते ही आरोपी ने झपट्टा मारकर बीना पाठक के गले से मंगलसूत्र तोड़ लिया।

मंगलसूत्र का एक हिस्सा मौके पर गिर गया, जबकि बाकी लेकर आरोपी चौफुला होते हुए काठगोदाम की ओर भाग निकले। इसी तरह 30 जनवरी को देवभूमि सैनिक कॉलोनी पीपल पोखरा फतेहपुर क्षेत्र में कमला देवी के साथ वारदात हुई। वह अपने पोते को लेकर दिन में करीब 2.45 बजे देवभूमि सैनिक कॉलोनी पीपल पोखरो से आ रहीं थीं। उनके घर के पास दो बाइक सवार युवकों ने उनसे पता पूछने के बहाने बातचीत की, पैर छुए और अगले ही पल गले से मंगलसूत्र झपटकर फरार हो गए।

लगातार हो रही घटनाओं से महिलाओं में डर का माहौल है। दोनों मामलों में बाइक, दो आरोपी और बातों में उलझाकर झपट्टा मारने का तरीका एक जैसा है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है।

चिलकिया गांव में युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

संवाददाता, रामनगर

- परिजनों में मचा कोहराम, पुलिस कर रही मामले की जांच

अमृत विचार: चिलकिया गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार देर रात रामनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिलकिया निवासी राजेंद्र राम (20) ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी लगा ली। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर सरकारी अस्पताल रामनगर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के कारणों की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

व्यवस्था

शहर में फड़-रेहड़ी वालों को स्थायी ठिकाना देने के लिए नगर निगम ने बनाई योजना, राहगीरों को होगी सुविधा

मंगल पड़ाव व मंडी बाईपास में बनाए जाएंगे वेंडिंग जोन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : फड़-रेहड़ी वालों को स्थायी ठिकाना देने के लिए नगर निगम ने मंगल पड़ाव व मंडी बाईपास पर दो स्थानों को वेंडिंग जोन के लिए चिन्हित किया है। इन स्थानों पर 200 से अधिक रेहड़ी वालों को एडजस्ट किया जाएगा। इससे मंगल पड़ाव व मंडी बाईपास की सड़क व फुटपाथ को जाम से निजात मिलेगी।

शहर की सड़कों व फुटपाथ पर दिन ब दिन बढ़ते फड़, रेहड़ी, ठेले नगर निगम के लिए चुनौती बन गए हैं। इससे अस्थायी व स्थायी अतिक्रमण को बढ़ावा मिलता है तो सड़कों पर जगह नहीं होने से जाम का झाम भी लगता है। इसको देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने मंगल पड़ाव में टेंपो स्टैंड के पीछे स्थान का चयन किया है। इसमें लगभग 20-25 मीटर का स्पेस है, जिससे मंगल पड़ाव में आसपास लगने वाले पंजीकृत रेहड़ी, फड़ वालों को शिफ्ट किया जाएगा। इसी तरह मंडी से ट्रांसपोर्ट नगर की ओर जाने वाले बाईपास पर मंडी की दीवार से सटे स्पेस पर वेंडिंग जोन बनाया जाएगा हालांकि उक्त स्थान पर अभी अवैध ढंग से फड़-खोखे लग रहे हैं। नगर निगम को उक्त स्थान पर 400 मीटर का स्पेस मिलेगा जिसमें अच्छी खासी संख्या में पंजीकृत फड़, रेहड़ी वालों को एडजस्ट किया जा सकता है। फिलहाल नगर निगम उक्त स्थान पर अतिक्रमण हटाने की तैयारी में है। फिर इन वेंडिंग जोन में बिजली, शौचालय, पानी आदि बुनियादी इंतजाम किया जाएगा। नगर निगम का दावा है कि इससे सड़क-फुटपाथ पर अवैध कब्जों से छुटकारा मिलेगा। इन वेंडिंग जोन में सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि वेंडर्स व आमजन को भी बेहतर माहौल मिले।

मंगलपड़ाव का प्रतीकात्मक फोटो।

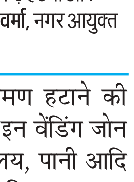

> मंगल पड़ाव व मंडी बाईपास में वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे इसके लिए जगहें चिन्हित कर ली गई हैं। जल्द ही मंडी बाईपास से अतिक्रमण हटाकर वेंडिंग जोन बना दिया जाएगा। दोनों स्थानों पर 250 से अधिक फड़-ठेले लग जाएंगे। इससे सड़कों से फड़ हटेंगी और राहत मिलेगी। **-परितोष वर्मा**, नगर आयुक्त नगर निगम हल्द्वानी

जुर्माना, नोटिस के बाद पंजीयन होगा निरस्त

नगर निगम फड़, रेहड़ी, ठेलों के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती की तैयारी में है। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने कहा कि मनमानी व नियम नहीं मानने वालों को पहले जुर्माना लगाया जाएगा। फिर नियमानुसार नोटिस थमाए जाएंगे और फिर भी स्ट्रीट वेंडर्स नियमावली का पालन नहीं किया तो पंजीयन निरस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दुकान के बाहर फड़ लगवाने वालों, दुकान के काउंटर को सड़क पर लगाने वालों को भी चिन्हित किया जाएगा।

धारी ब्लॉक के बबियाड़ में महिला पर झपटा तेंदुआ, भाग कर बचाई जान

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: धारी ब्लॉक के बबियाड़ गांव के कालागाड़ी तोक में तेंदुए ने एक महिला पर हमला करने की कोशिश की। इस दौरान सतर्क महिला ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार तेंदुए ने गुरुवार रात गुरुवार रात लगभग 10 बजे बबियाड़ गांव के कालागाड़ी तोक निवासी पूनम पत्नी घनश्याम पलड़िया पर हमला करने की कोशिश की। महिला ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद ग्रामीणों ने घटना की सूचना रात में ही वन विभाग को दी।

घटना के बाद शुक्रवार को ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य विकास अधिकारी से मिला और क्षेत्र में तेंदुए के बढ़ते आतंक से अवगत कराया। इस दौरान मनोज शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में डर और भय का माहौल है, लोग सहमे हुए हैं और दैनिक कार्य करने में असमर्थ हैं। ग्रामीणों ने कालागाड़ी क्षेत्र में गश्त टीम तैनात करने, तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने तथा कैमरे स्थापित करने की मांग की। मुख्य विकास अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल डीएफओ से वार्ता कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

तेंदुए के आतंक को लेकर सीडीओ को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

सड़क पर बह रहे गूल के पानी से लोग परेशान

हल्द्वानी : सेंट लॉरेंस स्कूल से फूलचौड़ और जस गोविंद स्कूल से द्रोण मार्ग, देवलचौड़ बंदोबस्ती तक जाने वाली सड़क पर गूल की सफाई न होने के कारण सड़क पर पानी बहता रहता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गूल का पानी अक्सर सड़क पर फैल जाता है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों और स्कूली बच्चों को परेशानी होती है। कई बार गाड़ियों से गंदा पानी उछलने के कारण बच्चों की स्कूल की ड्रेस भी गंदी हो जाती है। जिससे अभिभावकों में आक्रोश है। इसके अलावा गूल के ओवरफ्लो पानी के कारण सड़क का अधिकांश डामर उखड़ चुका है। जिससे सड़क में जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। कई बार गूल का पानी स्थानीय दुकानों के आगे तक पहुंच जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गूल की सफाई कराने और सड़क की मरम्मत करने की मांग की है।

आज बजट पर चर्चा करेंगे सांसद अजय भट्ट

हल्द्वानी : सांसद अजय भट्ट ने शनिवार को दोपहर 12 बजे भारतीय जनता पार्टी के मुखानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में बजट को लेकर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही सांसद भट्ट केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाएंगे। यह जानकारी प्रदेश सह मीडिया संयोजक प्रदीप जनौटी ने दी है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार को सुरक्षा देने की मांग उठाई

कोतवाल से मुलाकात कर कहा-पीड़ित परिवार पर बना सकते हैं अनुचित दबाव, आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन

संवाददाता, भवाली

अमृत विचारः भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भवाली कोतवाल से मुलाकात कर नाबालिग पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पीड़िता एवं उसके परिवार की सुरक्षा पुख्ता करने की मांग की।

निवर्तमान प्रदेश महामंत्री भावना मेहरा ने कहा कि पीड़िता नाबालिग है और साधारण परिवार से आती है। माता-पिता की कमजोर सामाजिक पृष्ठभूमि का लाभ उठाकर कुछ असामाजिक तत्व पीड़िता पर अनुचित दबाव बना सकते हैं, ऐसे में पीड़ित परिवार की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है।

भवाली में प्रभारी कोतवाल से नाबालिग पीड़िता की सुरक्षा को लेकर वार्ता करते भाजपा नेता।

भवाली में पुलिस अधिकारी से मुलाकात करते भीमताल के युवक।

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता भी दिलाई जाएगी तथा भाजपा परिवार उनके साथ मजबूती से खड़ा है। हिंदूवादी नेता कमल मुनि ने पुलिस से क्षेत्र में तत्काल सघन सत्यापन अभियान चलाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि बाहरी तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अधिवक्ता एवं भाजपा नेता शिवांशु जोशी ने मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने की मांग की। उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने और मामले में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ने की बात कही। भाजपा नेता आशुतोष चंदोला ने भी दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को पीड़िता के न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए हैं। पीड़िता व उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी तथा अलग-अलग टीमों के माध्यम से क्षेत्र में सघन सत्यापन अभियान शुरू कर दिया गया है।

दुष्कर्म के दोषी के अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की मांग

भीमताल : भवाली प्रकरण में आरोपी द्वारा अवैध रूप से बनाए गए भवन को ध्वस्त करने की मांग को लेकर भीमताल से पहुंचे युवकों ने भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश के नेतृत्व में भवाली कोतवाल एवं नगर पालिका परिषद भवाली के अधिशासी अधिकारी से मुलाकात की। युवकों ने आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा पूर्व में रेहड़-टमट्यूड़ा, भवाली क्षेत्र में अवैध भवन निर्माण किया गया है, जिसे तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। इस पर नगर पालिका परिषद भवाली के अधिशासी अधिकारी ने तुरंत नोटिस जारी करते हुए तीन दिवस के भीतर भूमि व भवन से संबंधित दस्तावेज पालिका कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समयावधि में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, तो नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करते हुए भवन ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नौल-बिजरौली नाले के ट्रीटमेंट को 2 लाख स्वीकृत

संवाददाता, भीमताल

- वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में अहम कदम
- आपदा मोचन निधि से मिलेगी बड़ी राहत

अमृत विचारः भीमताल नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड-3 अंतर्गत नौल-बिजरौली नाले की वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की दिशा में शासन द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने नाले की रोकथाम एवं उपचार कार्य के लिए आपदा मोचन निधि से 2 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इस निर्णय से क्षेत्र के स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले कई दशकों से जंगलिया गांव मार्ग से होकर भारी वर्षा के दौरान बड़ी मात्रा में मलवा बहकर नौल-बिजरौली क्षेत्र में जमा हो जाता था। यह मलवा आगे चलकर नौकुचियाताल सड़क तक फैल जाता, जिससे यातायात बाधित होने के साथ-साथ आसपास के आवासीय क्षेत्रों को भी नुकसान पहुंचता रहा है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले लेती थी, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था।

सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी द्वारा इस समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। उनके प्रयासों के फलस्वरूप नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले की स्थिति, बहाव की दिशा एवं संभावित खतरे का आकलन किया गया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों द्वारा सुरक्षा उपायों एवं स्थायी समाधान को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे जिला प्रशासन एवं शासन को प्रस्ताव के रूप में भेजा गया। सामाजिक कार्यकर्ता पूरन बृजवासी ने जानकारी देते हुए बताया कि नाले की रोकथाम एवं उपचार कार्य के लिए अब राज्य सरकार की आपदा मोचन निधि से 2 लाख रुपये स्वीकृत हो गए हैं। यह निर्माण कार्य सिंचाई विभाग के माध्यम से कराया जाएगा, जिसकी विभागीय प्रक्रियाएं वर्तमान में गतिमान हैं। जल्द ही कार्य प्रारंभ होने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने शासन-प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है।

रिनेसां कॉलेज में विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः रिनेसां कॉलेज द्वारा संचालित एक वर्षीय सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट के हाल ही में उत्तीर्ण बैच ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त किया है। कॉलेज के कुल 82 छात्र-छात्राओं को देश के प्रतिष्ठित चार एवं पाँच सितारा होटलों में नियुक्ति मिली है।

प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले छात्रों में लोकेश पांडेय का मैरियट, मनोज सिंह का आईटीसी अहमदाबाद, नितेश कुमार का कोर्टयार्ड बाय मैरियट, नंदिनी एवं भावना का हयात गुरुग्राम, खीम सिंह का रेडिसन दिल्ली सहित अन्य छात्रों का चयन प्रमुख होटलों में हुआ है। कॉलेज के प्रबंध निदेशक आलोक गुसाईं ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल प्रमाणपत्र प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार के लिए पूरी तरह सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से छात्र कम समय में सम्मानजनक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इस उपलब्धि पर उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कॉलेज प्रबंधन ने यह भी जानकारी दी कि आगामी सत्र के लिए होटल मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

प्लेसमेंट पाने वाले रिनेसा कॉलेज के छात्र। • अमृत विचार

दीपक और विजय पर दर्ज केस तुरंत वापस हों

रामनगरः उपपा समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने कोटद्वार निवासी दीपक कुमार, विजय रावत एवं अन्य पर दर्ज केस वापस लेने की मांग को लेकर एसडीएम प्रमोद कुमार के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा है कि कोटद्वार पुलिस ने सामाजिक सद्भाव और भाईचारे की मिसाल बने दीपक कुमार, विजय रावत व उनके साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर दिए, जबकि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में गाली-गलौज, अभद्रता एवं हिंसा का प्रयास करने वालों के खिलाफ अज्ञात धाराओं में केस दर्ज किया है। उपपा के प्रधान महासचिव प्रभात ध्यानी, मनमोहन अग्रवाल, चिंताराम, लालमणि, आसिफ, किरण आर्य, बसपा के एड. विनोद अंजन, कांग्रेस के एड. अतुल अग्रवाल, एड. मदन मेहता, एड. सुखदेव सिंह, एड. प्रमोद कुमार एवं कुलसुम जहां रहे।

मनरेगा : कांग्रेसियों का विकास भवन में धरना

- राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, मनरेगा को कमजोर करने वाले सभी निर्णय वापस लेने की मांग

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विकास भवन में एकत्र होकर मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को बचाने एवं सशक्त करने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में मनरेगा को कमजोर करने वाले सभी निर्णय तत्काल वापस लेने, सभी पात्र परिवारों को वर्ष में कम से कम 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित करने, लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान, बजट में पर्याप्त वृद्धि तथा जॉब कार्ड निरस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग की गई।

भीमताल स्थित विकास भवन में मनरेगा को लेकर शुक्रवार को धरना देते कांग्रेसी। • अमृत विचार

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मनरेगा देश के ग्रामीण गरीबों, मजदूरों, दलितों, महिलाओं और बेरोजगारों के लिए रोजगार की संवैधानिक गारंटी है। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ और गरीब परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में मनरेगा को लगातार कमजोर किया जा रहा है। बजट में कटौती, समय पर मजदूरी का भुगतान न होना, काम की मांग के बावजूद रोजगार उपलब्ध न कराना, जॉब कार्ड निरस्त करना तथा तकनीकी बाधाओं के नाम पर मजदूरों को वंचित करना गंभीर चिंता का विषय है। जिला अध्यक्ष राहुल छिम्वाल, नगर अध्यक्ष डीके डालाकोटी, पीसीसी सदस्य डॉ. केदार पलड़िया, भीमताल विधानसभा प्रभारी भुवन तिवारी, मनोज शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश चंद्र बृजवासी, मनरेगा बचाओ प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट, प्रताप सिंह बरगली, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र चुनौतिया, रामपाल सिंह गंगोला, खष्टी बिष्ट, शुभम नैनवाल आदि मौजूद रहे।

पुरस्कार के साथ जनपद की विजेता छात्राएं। • अमृत विचार

राज्य कौशल प्रतियोगिता में रामनगर की इकरा और फरहा ने मारी बाजी, हुईं पुरस्कृत

रामनगर : नेशनल इंटर कॉलेज, देहरादून में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में नैनीताल जनपद के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक पुरस्कार अपने नाम किए। व्यावसायिक प्रशिक्षिका (रिटेल) सोनम मित्तल के निर्देशन में रामनगर की छात्राएं फरहा और इकरा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रिटेल वर्ग में समान अंकों के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी प्रशिक्षिका के साथ सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य केडी माथुर ने विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि राज्य स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। सीईओ गोविंद राम, डीईओ (माध्यमिक) पुष्कर लाल एवं जिला समन्वयक अमित सनवाल ने भी प्रसन्नता जाहिर की है।

पूर्व सीएम कोश्यारी ने जाना पुराने साथी प्रकाश पांडे का हाल

हल्द्वानी, अमृत विचार : पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने शुक्रवार को भोटिया पड़ाव स्थित पांडे कुटीर पहुंचकर प्रकाश चन्द्र पांडे का हालचाल जाना। उन्होंने प्रकाश चंद्र पांडे के साथ की अपनी पुरानी यादों को ताजा किया।

इस दौरान पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी ने बताया कि पांडे उनके पुराने मित्र हैं। प्रकाश पांडे के पुत्र सीनियर प्रोजेक्ट आफिसर उपनल कर्नल आलोक पांडे (अप्रा) ने बताया कि उनके पिता कुछ समय पहले बीमार हो गये थे। अब इलाज के बाद वह ठीक हैं। इस दौरान उनके छोटे भाई ईश्वरी दत्त पांडे, पत्नी मुन्नी पांडे, पुत्रवधू निवेदिता पांडे, आलोक सत्याल, विवेक जोशी, शरद जोशी आदि रहे।

ग्राफिक एरा में पर्यावरणीय सततता पर संगोष्ठी आयोजित

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर में शिप्रा कल्याण समिति के सहयोग से पर्यावरणीय सततता एवं जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण विशेषज्ञों, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता करते हुए वर्तमान समय की गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधानों पर गहन चर्चा की।

संगोष्ठी का शुभारंभ ग्रीन वेलकम के साथ हुआ, जिसमें अतिथि वक्ताओं को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति विवि की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया। तकनीकी सत्र में पर्यावरण विशेषज्ञ लालसिंह चौहान तथा शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष जगदीश नेगी ने अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने जल प्रबंधन को पर्यावरणीय मजबूती का आधार बताते हुए जल संरक्षण, रन-ऑफ प्रबंधन, कंटूर ट्रेंचिंग और असिस्टेड नेचुरल रीजेनेरेशन जैसे उपायों पर प्रकाश डाला। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, इको-ब्रिक्स और प्लास्टिक अपसाइक्लिंग को सर्कुलर इकोनॉमी के लिए आवश्यक बताया गया। कार्यक्रम का समापन नदी पुनर्जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन के साथ हुआ। परिसर के निदेशक ने अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

ग्राफिक एरा भीमताल में आयोजित संगोष्ठी में शामिल वक्ता एवं प्रतिभागी।

बच्चों की सुरक्षा व स्कूल बस की व्यवस्था की मांग

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचारः भीमताल विधानसभा क्षेत्र के धानाचूली, क्वैदल, जाड़ापानी, खुटियाखाल सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु ने जनसंपर्क कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ते गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठाई।

ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार की दहशत के कारण बच्चों के स्कूल आने-जाने में खतरा बना हुआ है। उन्होंने ऐसे में वन विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से बच्चों की सुरक्षा व स्कूल पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था करने की मांग की। इस पर हरीश पनेरु ने जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल एवं प्रभागीय वनाधिकारी नैनीताल आकाश गंगवार से दूरभाष पर वार्ता कर बच्चों के स्कूल आने-जाने हेतु वाहन व्यवस्था करने की मांग रखी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वन विभाग की देखरेख में समुचित सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पनेरु ने प्रशासन से स्पष्ट कहा कि भीमताल विधानसभा क्षेत्र के जिन इलाकों में बाघ का आतंक है, वहां आवागमन के लिए वाहन व सुरक्षा की समुचित व्यवस्था तथा पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जिलाधिकारी कार्यालय नैनीताल में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

कार्यशाला में दी कानूनों की जानकारी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के दिशा-निर्देशों में अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत जोशी के निर्देशन में महिला जननांग विकृति के प्रति शून्य सहिष्णुता का अंतर्राष्ट्रीय दिवस एवं पॉक्सो अधिनियम के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यशाला हुई।

कार्यशाला में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव पारुल थपलियाल ने आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को महिला जननांग विकृति के प्रति शून्य सहिष्णुता का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य की जानकारी दी। बताया कि इस प्रथा को समाप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला जननांग विकृति में चिकित्सीय कारणों के बिना महिलाओं के बाहरी जननांगों को आंशिक या पूर्ण रूप से हटाना या उन्हें क्षति पहुंचाना शामिल है। यह प्रथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं एवं बालिकाओं के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानी जाती है, जिससे उन्हें आजीवन शारीरिक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक नुकसान होता है। उन्होंने पॉक्सो एक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान सचिव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विभिन्न कार्यकलापों, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालतोंऔर समाज के कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध विधिक सेवाओं की जानकारी भी दी।

कार्यशाला में जानकारी देतीं जिला विकास प्राधिकरण सचिव पारुल थपलियाल।

राजस्थान की 'काली मिट्टी' संवारेगी खिलाड़ियों का भविष्य

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। 38वें राष्ट्रीय खेलों के बाद से उपेक्षा की शिकार हो रही लाखों रुपये की काली मिट्टी अब आखिरकार खिलाड़ियों के काम आने वाली है। अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, गौलापार में खेल विभाग ने इस मिट्टी को सहेजते हुए स्टेडियम परिसर में दो नए टर्फ विकेट तैयार करने का काम शुरू कर दिया है।

बता दें कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए जब मुख्य मैदान को फुटबॉल के लिए तैयार किया गया था, तब क्रिकेट की तीन मुख्य पिचों को वहां से हटा दिया गया था। राजस्थान से विशेष रूप से मंगवाई गई यह लाखों रुपये की बेशकीमती काली मिट्टी पिछले काफी समय से खुले मैदान में पड़ी थी। लंबे समय तक अनदेखी के कारण इस पर घास उग आई थी। लेकिन अब विभाग ने इसे उपयोग में लाने का निर्णय लिया है। दो नए टर्फ विकेट तैयार होने से क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पिच पर अपनी तकनीक सुधारने का अवसर मिलेगा। खेल उप निदेशक रशिका सिद्दीकी ने बताया गौलापार स्टेडियम में पड़ी क्रिकेट पिच की मिट्टी के विषय में हमें जानकारी थी। यह मामला हमारी प्राथमिकता में था। अब इसी मिट्टी से दो बेहतरीन टर्फ विकेट तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। खिलाड़ियों को हरसंभव सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा दायित्व है।

वार्षिकोत्सव में बाल कलाकारों ने मन मोहा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः गुरु नानक पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में विद्यालय के बच्चों ने देश के विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक सभ्यता का समागम देखने को मिला। गतिशील पर्वतीय सांस्कृतिक समिति के रंगमंच पर बच्चों ने जहां भांगड़ा नृत्य के माध्यम से पंजाब की मिट्टी की याद दिलाई, वहीं कुमाउनी और गढ़वाली लोकनृत्यों ने देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके अलावा राजस्थानी लोकनृत्य, शिव तांडव और कव्वाली भी अपने आप में मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों द्वारा प्रस्तुत बम बम भोले, दादा जी चांदी, आधा है चंद्रमा जैसे लोक नृत्य दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में सफल रहे। इससे पूर्व, मुख्य अतिथि काशीपुर नगर निगम के मेयर दीपक बाली, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि सिंह मान, प्रसिद्ध रंगमंच के निर्देशक प्रसून श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि जगमोहन बिष्ट एवं शिक्षक संघ के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य ऋतु सक्सेना के अलावा प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह आनंद, उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह कोहली, मैनेजर मनकरन सिंह, सचिव जसप्रीत सेठी और ऑडिटर हरमिंदर सिंह शंटी मौजूद रहे।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में समारोह में लोक नृत्य प्रस्तुत करते बच्चे।

सिटी ब्रीफ

बैठक में गूंजी वेतन की मांग, कार्यबहिष्कार की चेतावनी

हल्द्वानी : शुक्रवार को उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, पेयजल निगम की जनपदीय बैठक विवेक चंद्र भट्ट की अध्यक्षता में हुई। सदस्यों ने पिछले 2 महीनों से वेतन न मिलने पर गहरा आक्रोश जताया और पेयजल निगम के पूर्ण राजकीयकरण की मांग की। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के 27 बिंदुओं पर कार्रवाई न होने के कारण आहूत आंदोलन में शत-प्रतिशत भागीदारी का ऐलान किया। बैठक में क्षेत्रीय सचिव जगदीप सिंह राणा, जिलाध्यक्ष पुष्कर आर्या, कोषाध्यक्ष रचना चौधरी, उपाध्यक्ष अंकित कुमार, हेमंत असवाल, विजेंद्र यादव, यतेन्द्र लसपाल, ललित गौड़, मनोज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कुष्ठ आश्रम में हुआ सहभोज का आयोजन

हल्द्वानी : सक्षम (सविता प्रकोष्ठ) ने कुष्ठ निवारण पखवाड़े के तहत राजपुरा कुष्ठ आश्रम में संगोष्ठी और सहभोज का आयोजन किया। कार्यक्रम में सक्षम के प्रांत अध्यक्ष ललित पंत ने दिव्यांगों की सामाजिक सहभागिता और उपाध्यक्ष पृथ्वीपाल सिंह ने नशा मुक्ति पर जोर दिया। इस दौरान जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डॉ. एलएस मेहता, तारा पांडे व मीरा शौर्तिय मौजूद रहे।

बेस में 28-बी में बना आयुष्मान कार्ड केंद्र

हल्द्वानी : बेस अस्पताल प्रशासन ने आयुष्मान केंद्र के स्थान में बदलाव किया है। अब यह केंद्र प्रथम तल के बजाय नीचे ओपीडी के पास कमरा नंबर 28-बी में संचालित होगा। यहां भर्ती मरीजों के पंजीकरण और नए कार्ड बनाने की सुविधा मिलेगी। केंद्र के नीचे शिफ्ट होने से अब तीमारदारों को सीढ़ियों के चक्कर नहीं काटने होंगे।

गुलदारों को भीमताल के जंगलों में न छोड़ें

हल्द्वानी : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने वन विभाग से ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल में पकड़े गए गुलदारों को विस क्षेत्र के आसपास के जंगलों में नहीं छोड़ने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उक्त क्षेत्र में वैसे ही गुलदारों की संख्या बहुत है, यदि पकड़े गए गुलदारों अन्य जगह नहीं छोड़ा गया तो फिर से आबादी में आकर आतंक मचा सकते हैं। साथ ही वन विभाग से जंगलो से सटे गांवों में चारे, स्ट्रीट लाइट, बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने की व्यवस्था करने की मांग की है।

किसी भी जानवर के काटने पर डॉक्टर से परामर्श लेने और एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने की सलाह

घबराएं नहीं, जूनोटिक वायरस से नहीं हुई कुत्ते की मौत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में कुत्तों और बंदरों के काटने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बीते दिनों हुई घटनाओं ने लोगों में डर का माहौल पैदा किया है। खासकर बीते मंगलवार आरबीसी सेंटर में रखे गए चिन्हित कुत्ते की मौत होने से प्रभावित लोगों के साथ ही अन्य में भी डर बना हुआ है।

एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद भी लोग संशय में हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि कुत्ते, बंदर व बिल्ली के काटने से रेबीज होता है। कई बार लोग इनकी बाइट को नजरअंदाज करते हैं। नगर निगम के राजपुरा स्थित एबीसी सेंटर में कुत्ते की मौत का कारण किसी अन्य वायरस से पीड़ित होना बताया जा रहा है। नगर निगम के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने बताया कि जिस वायरस के कारण कुत्ते की मौत हुई है, वह जूनोटिक नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रभावित लोगों को इससे घबराने की जरूरत नहीं है। कहा कि एंटीरेबीज का वैक्सीन ही इसका सबसे सुरक्षित उपाय है। डॉ. कांडपाल ने बताया कि यदि व्यक्ति को पूर्व में कभी भी कुत्ता, बंदर, बिल्ली या रेबीज फैलाने वाले अन्य जानवर के संपर्क में आने का अंदेशा है, तो उसे एंटीरेबीज का वैक्सीन जरूर लगाना चाहिए।

इधर, राजकीय पशु अस्पताल के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आरके पाठक ने बताया कि जानवरों के काटने से संबंधित किसी भी तरह की घटना होने पर व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और एंटीरेबीज का वैक्सीन लगाना चाहिए। बताया कि जानवर के काटने से लोगों को घबराने या घरेलू इलाज के बजाय डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

बेस व पशु अस्पताल में लग रहे रोज 150-200 वैक्सीन

बीते महीनों में एंटीरेबीज के वैक्सीन लगाने वालों के आंकड़ों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है और प्रतिदिन औसत वैक्सीनेशन में भी बढ़ोत्तरी हुई है। बेस अस्पताल में रोजाना 150 से 200 लोग एंटीरेबीज का वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। बीते दिसंबर में 4 हजार से अधिक लोगों ने वैक्सीन लगवाई है, जिनमें फॉलोअप डोज भी शामिल हैं। इसी तरह जनवरी में भी 3 हजार से अधिक वैक्सीनेशन हुए हैं। राजकीय पशु अस्पताल में भी लोग बड़ी संख्या में अपने जानवरों को एंटीरेबीज का टीका लगवाने पहुंच रहे हैं। यहां रोजाना लगभग 200 से 250 वैक्सीन लग रही हैं।

आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित करते आयोजक। ● अमृत विचार

आशा कार्यकत्री बीना और दुर्गा को मिला प्रथम पुरस्कार

हल्द्वानी : कालाढूंगी रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में जनपद स्तरीय आशा सम्मेलन हुआ। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशाओं को सम्मानित भी किया गया। सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत, मेयर गजराज बिष्ट, राज्य स्तरीय राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य एवं अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष सुरेश भट्ट ने आशाओं को प्रमाण पत्र बांटे। उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रथम स्थान पर बीना कोरंगा, द्वितीय स्थान पर जानकी देवी और तृतीय स्थान पर यशोदा देवी रहीं। आशा सुगमकर्ता में प्रथम स्थान पर दुर्गा देवी, द्वितीय स्थान पर धना देवी, तृतीय स्थान पर सुशीला परगाई रहीं। बीना बोरा को ब्लॉक कोर्डिनेटर के रूप पर सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों ने आशा कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए उनके कामों की सराहना की। इस दौरान कार्यक्रम संचालक जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन मेहरा, प्रमोद भट्ट के अलावा सरयू नंदन जोशी, दीपक कांडपाल, बसंत गोस्वामी, आनंद खुंदूरी, पारस साह, सपना जोशी, ललित डोडियाल, राघवेंद्र रावत, हरेन्द्र कठायत रहे।

एसटीएच में नियुक्त हुए नौ डॉक्टरों ने नहीं ली ज्वाइनिंग

अस्पताल में 24 में से मात्र 15 डॉक्टर ही पहुंचे, दिक्कत बरकरार

- पैथोलॉजी, गायनी, कम्यूनिटी मेडिसिन और सर्जरी विभाग के डॉक्टर नहीं आए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज और उसके अधीन एसटीएच में डॉक्टरों की कमी से मेडिकल पढ़ाई के साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा रही हैं। बीते अक्टूबर माह में 24 डॉक्टरों का नियमित चयन तो हुआ, लेकिन इनमें से अधिकांश ने अब तक अस्पताल में कार्यभार ग्रहण नहीं किया है।

अस्पताल में कुछ विभागों को जरूर आंशिक राहत मिली है। ईएनटी, दंत रोग, मनोरोग, मेडिसिन, नेत्र, रेडियोथेरेपी और हड्डी रोग विभाग में एक-एक डॉक्टर ने ज्वाइन कर लिया है। इसके अलावा बाल रोग विभाग में तीन और फिजियोलॉजी में दो चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं। कुल मिलाकर 24 में से 15 डॉक्टरों ने सेवाएं देना शुरू कर दी हैं लेकिन पैथोलॉजी, गायनी, कम्यूनिटी मेडिसिन और सर्जरी जैसे महत्वपूर्ण विभागों में चयनित डॉक्टरों की ज्वाइनिंग अब तक नहीं हो सकी है।

डॉक्टरों की कमी की मार सभी विभागों में है।अस्पताल अभी तक हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं कर पाया है जबकि एक कार्डियोलॉजिस्ट ने साक्षात्कार भी दिया था और उसकी नियुक्ति भी कर दी गई थी लेकिन फिर भी हृदय रोग विशेषज्ञ अस्पताल में नहीं पहुंचे। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि डॉक्टरों की नियुक्ति की गई थी। हमारा प्रयास रहता है कि वह अस्पताल में ज्वाइनिंग भी करें। इसके बाद भी अगर कोई डॉक्टर नहीं आता है तो यह उनके विवेक पर है। बताया कि न्यूरो सर्जरी के लिए एक चिकित्सक का संविदा पर चयन पर हुआ है, लेकिन अभी तक ज्वाइनिंग का औपचारिक आदेश जारी नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि वह जल्द ही अस्पताल को ज्वाइन कर लेंगे।

न्यूरोसर्जरी विभाग पूरी तरह से ठप

न्यूरोसर्जरी विभाग में अभी हाल ही में न्यूरोसर्जन डॉ. अमित देवल नौकरी छोड़कर चले गए थे और साथ ही इस विभाग में जेआर डॉक्टरों की कमी है। इस वजह से यहां आने वाले मरीजों की संख्या कम हो रही है और ऑपरेशन की तिथियों को आगे बढ़ाया जाएगा। एसटीएच में मौजूद न्यूरोसर्जन डॉ. अभिषेक राज भी छुट्टी पर चले गए हैं। वह बुधवार और शुक्रवार को ओपीडी में बैठते हैं लेकिन इस शुक्रवार को वह अस्पताल में नहीं थे। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि आने वाले बुधवार को वह मरीजों को देखेंगे। इसके साथ ही इस विभाग में होने वाले मरीजों के ऑपरेशन भी टल गए हैं। उल्लेखनीय है कि न्यूरोसर्जरी विभाग की ओपीडी में 100 से ज्यादा मरीज पहुंचते हैं। अब बेस अस्पताल में भी न्यूरोसर्जन नहीं हैं।

जनपद में खनन कार्य से कमाई का रिकॉर्ड टूटा

हल्द्वानी : जिले में खनन से इस वर्ष पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड टूट गया है। गौला, नन्धौर और कोसी नदियों से बंपर कमाई हुई है।

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि राज्य सरकार की खनन नीति को सख्ती से लागू करने और नियमित निगरानी के कारण राजस्व में वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, गौला नदी में अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 तक 2,22,664 वाहन चक्करों के माध्यम से 2 करोड़ 13 लाख 99 हजार 739.38 टन उप खनिज की निकासी की गई, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। इससे पहले वर्ष 2023-24 में 51 लाख टन और 2024-25 में 23 लाख टन की निकासी हुई थी।

नन्धौर नदी में भी इस वर्ष रिकॉर्ड तोड़ खनन हुआ। अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 तक 26,824 वाहन चक्करों से 2 लाख 17 हजार 763.60 टन उप खनिज निकाला गया, जबकि पिछले वर्ष यहां कोई निकासी नहीं हुई थी। कोसी में भी इस वर्ष 41,874 वाहन चक्करों से 5 लाख 1 हजार 997.05 टन उप खनिज की निकासी कर पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए गए। उन्होंने कहा कि खनन मजदूरों को उपकरण, कंबल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

एक्सीडेंटल ब्लैक स्पॉट पर लगेगा जर्सी बैरियर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- डीएम रयाल के निर्देश के बाद एडीबी सड़क हादसों की रोकथाम के लिए करेगा अस्थाई उपाय

अमृत विचार : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बरेली रोड पर हादसों की रोकथाम के लिए संबंधित एजेंसियों को स्थलीय निरीक्षण के आदेश दिए। तब एजेंसियों ने ब्लैक स्पॉट का तकनीकी जायजा लेते हुए अस्थायी तौर पर जर्सी बैरियर लगाने का फैसला लिया है। जल्द ही सुरक्षात्मक काम किए जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार, बरेली हाईवे पर गोरापड़ाव के पास चौराह है। इस चौराहे से स्टोन क्रशर, बाईपास, डिबेर व हल्द्वानी आने के लिए कट है। इस वजह से अत्यधिक संवेदनशील है। आए दिन इस कट पर सड़क हादसे होते हैं, लोगों की जान जाती है।

इसको लेकर क्षेत्रवासी लंबे समय से सुधार की मांग कर रहे थे। इधर, हादसों को गंभीरता से लेते हुए डीएम ललित मोहन रयाल ने एशियन विकास बैंक को इस कट का स्थलीय निरीक्षण व हादसों की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके बाद यातायात पुलिस, एडीबी व संबंधित एजेंसियों ने उक्त स्थान का स्थलीय निरीक्षण किया। इसमें कई तकनीकी कमियां मिलीं। इस कट का जंक्शन सुधारीकरण के तहत रोटरी-ज्योमैट्रिकल सुधार, सिग्नल लगाए जाएंगे। फिलहाल अस्थायी तौर पर जर्सी बैरियर लगाया जाएगा ताकि वाहनों की आवाजाही नहीं हो और हादसे नहीं हो।

एडीबी के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह ने बताया कि बरेली रोड पर हादसों की रोकथाम के लिए अस्थायी समाधान के तौर पर जर्सी बैरियर लगाया जाएगा। उक्त स्थान पर जल्द ही जर्सी बैरियर लगा देंगे, फिर स्थायी समाधान में उक्त जंक्शन का कई मायनों में सुधारीकरण होगा। उम्मीद है कि इस व्यवस्था से हादसे रुकेंगे।

भवाली में स्कूली बच्चों को पढ़ाया यातायात का पाठ

हल्द्वानी, अमृत विचार: सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात पुलिस भवाली और भीमताल ने भवाली क्षेत्र के इंटर कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया। सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा, दुर्घटना रहित समाज एवं राहवीर थीम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

यातायात निरीक्षक शिवराज सिंह बिष्ट व यातायात पुलिस टीम ने राजकीय इंटर कॉलेज भूमियाधार भवाली और राजकीय इंटर कॉलेज गोविंद बल्लभ पंत भवाली में छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकों को संबोधित किया। उन्हें नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, सड़क पर अनुशासन बनाए रखने तथा अपने परिजनों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। इसके साथ ही गुड समैरिटन योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों की तत्काल सहायता करने से संबंधित जानकारी भी दी। पुलिस ने कहा कि सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करें।

हादसे में दुर्घटनाग्रस्त कार।

पहाड़ी आर्मी संस्थापक रावत एक्सीडेंट में घायल

हल्द्वानी : पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत की कार शुक्रवार को हल्द्वानी के कमलुवागांजा रोड में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में हरीश रावत को हल्की चोटें आई हैं, जबकि उनके साथ मौजूद विनोद नेगी को गंभीर चोट लगने के बाद सेंट्रल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हरीश रावत किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान जब उनकी कार पार्क की जा रही थी तभी रामनगर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उनकी गाड़ी के बाईं ओर जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी कार दाईं ओर खड़ी दूसरी कार से जा टकराई, जिससे वाहन के दोनों तरफ गंभीर नुकसान हो गया हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार हरीश रावत खतरे से बाहर हैं, जबकि विनोद नेगी का उपचार चल रहा है।

फायर वॉचरों व फील्ड कर्मियों को बताए वनाग्नि से निपटने के उपाय

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

नंधौर में वनाग्नि रोकथाम का प्रशिक्षण देते विशेषज्ञ।

अमृत विचार : जंगलात ने वनाग्नि से निपटने के लिए कमर कस ली है। फील्ड कर्मियों व फायर वॉचरों को क्षमता विकास की ट्रेनिंग दी गई ताकि वनाग्नि सीजन में आपात स्थिति पर काबू पाया जा सके।

हल्द्वानी वन डिवीजन ने वनाग्नि रोकथाम के लिए नंधौर रेंज के चोरगलिया स्थित नंधौर वन विश्राम गृह में फील्ड कर्मियों व वॉचरों को प्रशिक्षण हुआ। इसमें डीएफओ कुंदन कुमार ने वनाग्नि संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं वनाग्नि के मुख्य घटक ईंधन, हवा और तापमान के बारे में बताया। साथ ही कंट्रोल बर्निंग एवं झाड़ियों की सफाई के माध्यम से ईंधन को न्यून करने, फायर लाइनों के महत्व, काउंटर फायर, फील्ड स्टाफ की गतिविधियां तथा वायरलैस उपकरणों के संचालन एवं रख रखाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ. आरएस राणा ने कर्मियों को प्राथमिक उपचार एवं व्यक्तिगत सुरक्षा में सक्षम बनाने के लिए विभिन्न विधियों जैसे घायलों को सुरक्षित स्थल तक पहुंचाने के टिप्स दिए।

साथ ही आग व आग के धुएं से नुकसान, चोट लगने व आग की चपेट में आने की दशा में किए जाने वाली एक्टिविटी की डिमॉन्स्ट्रेशन दिया। हल्द्वानी फायर स्टेशन के एएसओ जयप्रकाश एवं उनकी टीम ने विभिन्न अग्निरोधी उपकरणों के संचालन के बारे में बताया।

अन्त में 44 फायर वॉचरों को वनाग्नि प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र दिया गया।

बाराकोट के ओखलंज में दिखाई दिया गुलदार

लोहाघाट: बाराकोट ब्लाक के ओखलंज गांव में एक बार फिर गुलदार की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

बीते गुरुवार दोपहर में गुलदार एक शावक के साथ दिखाई दिया। इसके अलावा शुक्रवार को ओखलंज में एक शादी समारोह में शामिल होने आए लोगों ने भी गुलदार को देखा, जिससे इलाके में खौफ बढ़ गया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह बोहरा ने बताया कि गुलदार दो दिनों में दो बार दिखाई दिया, जिससे लोगों में भय है। गांव से बाराकोट स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं ग्रुप में स्कूल जा रहे हैं। क्षेत्र पहले भी गुलदार के आतंक से जूझ चुका है, जहां हाल के महीनों में कई घटनाएं हुईं हैं। रेंजर आरके जोशी ने बताया ओखलंज में पिंजरा लगा है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि सावधानी बरतें, बच्चों और महिलाओं को अकेले जंगल या खेतों में न जाने दें।

शराब की एक दुकान में सैंपल लेते कर्मचारी।

खटीमा कांड : दुकानों से लिए शराब के सैंपल

हल्द्वानी: खटीमा कांड के मद्देनजर जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने आबकारी विभाग ने दुकानों पर शराब की दुकानों व एफएल-टू में विभिन्न ब्रांड्स की शराब के नमूने लिए। साथ ही अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ मुहिम शुरू कर दी है।

आबकारी विभाग की टीम ने शुक्रवार को शहर की शराब की दुकानों तथा हल्द्वानी में संचालित एफएल-2 में अनुज्ञापनों का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न ब्रांड्स की शराब की उपलब्धता, स्टॉक, रिकॉर्ड एवं बिक्री प्रक्रिया की जांच की। जिन शराब के सैंपल लिए गए हैं, उन्हें जांच के लिए लैब भेजा जा रहा है। इसके अलावा शराब की दुकानों के आसपास ठेले, दुकानों, रेस्टोरेंट पर शराब पिलाने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही की गई।

मौसम का मिजाज | शहर व आसपास के क्षेत्रों में सुबह-शाम हो रही कड़ाके की ठंड, दिन में धूप खिलने से मिल रही राहत

हल्द्वानी में सुबह छाया घना कोहरा, दिन में गुनगुनी धूप

संवाददाता, हल्द्वानी

शुक्रवार सुबह रामपुर रोड स्थित गन्ना सेंटर के पास छाया कोहरा।

अमृत विचार: शहर के कई इलाकों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इससे कड़ाके की ठंड रही। हालांकि राज्य के अधिकांश इलाकों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान में खास बदलाव नहीं देखा गया। राज्य के किसी भी हिस्से में बारिश रिकॉर्ड नहीं हुई।

राजधानी देहरादून में अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4 डिग्री अधिक है, वहीं न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य के बराबर रहा। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 19.4 डिग्री और न्यूनतम 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। पहाड़ी क्षेत्रों में भी दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखी गई। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 7 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री दर्ज किया गया।

नई टिहरी में दिन का तापमान 18.3 डिग्री और रात का तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है और अगले कुछ समय तक बारिश की संभावना कम है। दिन में धूप निकलने से लोगों को हल्की गर्मी का एहसास हो रहा है, जबकि सुबह और रात के समय ठंड बनी हुई है।

सरोवर नगरी का मौसम बना है सुहावना

नैनीताल : सरोवर नगरी का मौसम शुक्रवार को सुहावना रहा। सुहावने मौसम का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। नगर में चटक धूप धूप पूरे दिन खिली रही। जिस कारण ठंड का एहसास नहीं हुआ। हालाकि कुछ देर को बादल आए भी तो जल्द ही छट भी गए, जो तापमान में असर नहीं डाल सके । मगर सांझ होते ही तापमान में गिरावट आ गई और ठंड में बढ़ोतरी हो गई। लोग गर्म ऊनी कपड़ों के साथ टोपी मफलर पहनने को मजबूर हुए तो हीटर ने ठंड से राहत दी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 55 प्रतिशत रही। इधर मौसम विभाग ने अगले पश्चिमी विक्षोभ का पूर्वानुमान जारी किया है। जिसका असर असर नौ फरवरी से रहेगा। उस दौरान तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात की संभावना मौसम विभाग जता रहा है।

छड़ायाल सुयाल के 700 परिवारों की प्यास बुझाएगी नई पेयजल योजना

संवाददाता, हल्द्वानी

- 20 फरवरी से शुरू होगी 2 करोड़ 65 लाख रुपये की पेयजल लाइन

अमृत विचार: लंबे समय से गहराए पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर है। जल संस्थान ने प्राथमिक विद्यालय छड़ायाल सुयाल परिसर में 2 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से तैयार नलकूप और नई पेयजल योजना का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। 20 फरवरी से इस योजना के माध्यम से क्षेत्र के 700 से अधिक परिवारों को सुचारू रूप से जल आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

गर्मी शुरू होने से पहले इस योजना का काम पूरा होने से गर्मियों में ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इस नई लाइन से छड़ायाल सुयाल और आसपास के इलाकों में पानी का प्रेशर भी बेहतर रहेगा, जिससे पेयजल किल्लत पूरी तरह समाप्त होने की उम्मीद है। जल संस्थान के ईई आरएस लोशाली का कहना है कि हमारा मुख्य उद्देश्य गर्मियों का सीजन शुरू होने से पहले जनता को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना है। 2.65 करोड़ की लागत से निर्मित यह नलकूप और वितरण प्रणाली अब पूरी तरह तैयार है। 20 फरवरी से लोगों को उनके कनेक्शनों के माध्यम से पानी मिलना शुरू हो जाएगा। विभाग क्षेत्र तकनीकी दिक्कतों को भी दूर कर रहा है ताकि भविष्य में किसी को भी पानी की किल्लत न हो।

अंतिम छोर तक पहुंचेगा पानी: आमतौर पर छड़ायाल सुयाल के ग्रामीणों को मार्च का महीना शुरू होते ही पानी की किल्लत का सामना करना पड़ता था। टैंकरों पर निर्भरता यहां के लोगों की दिनचर्या बन चुकी थी। लेकिन इस बार जल संस्थान ने गर्मियों की दस्तक से पहले ही योजना को धरातल पर उतार दिया है। प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्थापित नए नलकूप से न केवल पानी की मात्रा बढ़ेगी, बल्कि आधुनिक पाइपलाइनों की वजह से टेल-एंड (अंतिम छोर) के घरों तक भी प्रेशर के साथ पानी पहुंचेगा।

शराब में केमिकल या फिर केमिकल में डाली थी शराब

घटनास्थल पर मिली प्लास्टिक की बोतल, आबकारी आयुक्त ने दिए सैंपलिंग कराने के आदेश, मजिस्ट्रियल जांच खोलेगी राज

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: दिल्लु-मलकीत मौत प्रकरण में अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या शराब में केमिकल था या फिर केमिकल में शराब डाली गई थी। कारण घटनास्थल पर जहां पुलिस को 8 पीएम ब्लैक के दो क्वाटर बरामद हुए हैं। वहीं मौके पर प्लास्टिक की एक खाली बोतल भी बरामद हुई थी। जिसमें से तीव्र केमिकल युक्त गंध आ रही है।

माना यह भी जा रहा है कि इस अनसुलझी गुत्थी को सुलझाने के लिए जिलाधिकारी ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं और आबकारी आयुक्त ने कथित शराब की सैंपलिंग कराने का निर्णय लिया है। जिसके बाद ही यह पुष्टि हो पाएगी कि शराब में कमी थी या फिर दिल्लु-मलकीत हादसे का शिकार हुए। यहां बता दें कि 5 फरवरी की रात्रि को कंजाबाग खटीमा निवासी 52 वर्षीय दिल्लु राणा अपने दोस्त मलकीत सिंह राणा और प्रवेश राणा के साथ दारु पार्टी कर रहा था। दोस्तों ने शराब की दुकान से दो 8 पीएम ब्लैक के क्वाटर खरीदे और दारु पार्टी शुरू की। पहला क्वार्टर पीने के बाद जब दूसरा क्वार्टर खोलकर पीना शुरू किया तो तीनों की हालत बिगड़ने लगी और दिल्लु राणा व मलकीत की मौत हो गई। घटनास्थल पर खटीमा पुलिस ने मौका मुआयना किया तो पता चला कि जिस स्थान पर दिल्लु व मलकीत शराब पी रहे थे। उसके बेहद नजदीक पेस्टीसाइड की दुकान भी है। मौके पर खाली शराब की क्वाटर व एक प्लास्टिक की खाली बोतल पड़ी थी। पुलिस ने सूंघकर देखा तो क्वाटर से बेहद हल्की, लेकिन प्लास्टिक बोतल से केमिकल की तीव्र दुर्गंध आ रही थी। प्रारंभिक अनुमान यह लगाया जा रहा है कि शराब के नशे में कहीं दिल्लु व मलकीत ने केमिकल युक्त बोतल को पानी की बोतल समझकर पी लिया होगा। बावजूद जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश करते हुए एसडीएम खटीमा को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल ने शराब की सैंपलिंग कर जल्द रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिए हैं। जिसके बाद ही दिल्लु व मलकीत मौत प्रकरण की वास्तविक गुत्थी सुलझेगी।

शराब की दुकान में सैंपल लेती आबकारी विभाग की टीम। ● अमृत विचार

डॉ.वीपी सिंह बोले- बेहद जहरीला था केमिकल

रुद्रपुर : खटीमा प्रकरण में चिकित्सीय जांच कर रहे डॉ .वीपी सिंह का कहना था कि मृतक दिल्लु और मलकीत राणा के अलावा घायल प्रवेश में से जिस प्रकार की तीव्र केमिकल की गंध आ रही थी। इससे फिलहाल यही आशंका है कि भूलवश दोस्तों ने पानी की बोतल के स्थान पर प्लास्टिक की केमिकलयुक्त बोतल के बेहद जहरीले पदार्थ को शराब में डाला होगा और पीने के बाद हालत बिगड़ी होगी। प्रथम दृष्टया यह एक हादसा हो सकता है।

फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: सीओ

रुद्रपुर : खटीमा के दिल्लु और मलकीत सिंह की मौत प्रकरण की पुलिस भी जांच करेगी। सीओ खटीमा भूपेंद्र सिंह धोनी ने बताया कि घटनास्थल पर मिली प्लास्टिक की खाली बोतल से तीव्र केमिकल की गंध आ रही थी। जिसकी पुष्टि डॉक्टर द्वारा भी की गई है। बोतल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। साजिश या फिर हादसा था। इस दिशा में भी पुलिस अपनी जांच को जारी रखेगी।

खटीमा में पुलिस द्वारा सील की गई शराब की दुकान। ● अमृत विचार

दूसरा क्वाटर पीने के बाद बिगड़ी हालत

रुद्रपुर : जहरीली शराब प्रकरण के चश्मदीद श्रवण कुमार ने बताया कि 5 फरवरी की शाम को दिल्लु, मलकीत और प्रवेश ने 8 पीएम ब्लैक के दो क्वाटर मंगवाएं थे और गाड़ी से उतरकर बाहर निकले थे। जहां उन्होंने पहला क्वाटर पिया और फिर दूसरा क्वाटर पीना शुरू कर दिया तो प्रवेश ने शराब का पहला ही पैग लिया था कि उसे अजीब सा लगा और दोस्तों का शराब नहीं पीने की नसीहत दी। दोस्त की बातों को दरकिनार करने के बाद दिल्लु व मलकीत ने दूसरा क्वाटर भी समाप्त कर दिया। थोड़ी देर बाद ही उल्टियां करनी शुरू कर दी, जबकि प्रवेश की हालत नाजुक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि दूसरा क्वाटर इतना जहरीला कैसे हो गया कि दिल्लु और मलकीत की जान चली गई।

पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही

खटीमा : बीती रात्रि शराब के साथ संदिग्ध पेय पदार्थ पीने से बैंक्वेट हाल स्वामी सहित दो लोगों की मौत व एक अधिवक्ता की गंभीर हालत होने के मामले में पुलिस द्वारा जांच तेज कर दी गई है। मौके से मिली सामग्री को पुलिस ने कब्जे में लेते हुए शराब की दुकान को सील कर दिया गया है। वहीं पुलिस ने मौके पर मृतक द्वारा की गई उल्टी सहित अन्य सामग्री फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दी है। कोतवाली प्रभारी विजेंद्र शाह ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं के मद्देनजर काम कर रही है और शराब की दुकान को सील कर दिया गया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

शाम चार बजे पहुंचा मलकीत का शव

खटीमा : बरेली अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मलकीत सिंह राणा की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार शाम मलकीत का शव शाम चार बजे उसके पैतृक निवास भगचुरी गांव पहुंचा तो लोगों का तांता लग गया। इस दौरान घर में कोहराम मच गया। दोपहर बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

खटीमा में दिल्लु सिंह राणा के घर में गमगीन परिजन। ● अमृत विचार

दिल्लु सिंह राणा की पत्नी को संभालतीं बेटियां। ● अमृत विचार

12 दिन पहले ही दिल्लु राणा ने की है बेटी की शादी

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस से जुड़े रहे दिल्लु सिंह राणा की दो पुत्रियां वैष्णवी और वैशाली हैं। जिनमें बड़ी बेटी वैष्णवी को उन्होंने 23 जनवरी को कन्या दान कर हंसी खुशी विदाई दी थी। उनकी पत्नी मीना राणा पूर्व में ब्लॉक प्रमुख का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। आज इस घटना ने पूरे परिवार को झकझोर दिया है। परिवार में उनकी माता पार्वती देवी, पत्नी मीना देवी, दोनों बेटियों और चारों बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जिसका दोपहर बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

गौ रक्षा दल के पदाधिकारियों ने महापौर को किया सम्मानित

महापौर को सम्मानित करते गौ रक्षा दल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के इंदिरा चौक पर भव्य 'त्रिशूल चौक' के निर्माण और मंगलवार को मांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने जैसे साहसिक निर्णयों और महापौर का एक वर्ष के सफल कार्यकाल के लिए गौ रक्षा दल की टीम ने महापौर विकास शर्मा शॉल ओढ़ाकर और भगवा पटका के साथ ही पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान गौ रक्षा दल के जिलाध्यक्ष विराट आर्य ने कहा कि त्रिशूल चौक की स्थापना रुद्रपुर के गौरव को पुनर्जीवित करने जैसा है। मंगलवार को मीट की दुकानें बंद रखने का फैसला न केवल धार्मिक आस्था का सम्मान है। वहीं महापौर शर्मा ने बताया कि 14 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इंदिरा चौक पर विशाल त्रिशूल का लोकार्पण करेंगे। यह केवल एक शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि भविष्य में शहर के प्रमुख चौराहों पर डमरू और हनुमान जी की गदा भी स्थापित की जाएगी। साथ ही, श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए भगवान शिव की 51 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने की योजना पर भी कार्य चल रहा है। इस अवसर पर गौर रक्षा दल के महामंत्री राधे सनातनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित जितेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल मौर्य, जिला मंत्री विशाल कोली, नगर अध्यक्ष धीरज बंसल, विकास कश्यप, राहुल, अनुराग, आशु, संजय, रोहित, ध्रुव, पंकज समेत कई गौरक्षक उपस्थित रहे।

नर्सिंग स्टाफ से छेड़छाड़, चिकित्सक को दी धमकी

रुद्रपुर: शहर के बड़े अस्पताल के चिकित्सक को जान से मारने की धमकी और नर्सिंग स्टाफ पर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। चिकित्सक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

द मेडिसिटी अस्पताल के डॉक्टर संजय कुमार ने बताया कि उनके अस्पताल में किच्छा निवासी मास्टर आसीम नाम के मरीज को भर्ती कराया गया था। आरोप था कि मरीज के तीमारदार पिता आजम खान द्वारा पहले महिला नर्सिंग स्टाफ के साथ छेड़छाड़ की घटना की। उस वक्त वह मरीजों की देखभाल कर रहे थे। जानकारी मिलने पर जब आरोपी आजम से छेड़छाड़ और अभद्रता पर नाराजगी जताई। अभियुक्त ने अपने परिचित मोहसिन खान सहित साथियों के साथ मिलकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। साथ ही धमकाया कि अस्पताल से बाहर निकलते ही जान से मार दिया जाएगा। आरोप था कि आजम व मोहसिन ने तमाम रोगियों के सामने दुर्व्यवहार किया और महिला नर्सिंग स्टाफ से दुस्साहसिक घटना की। चिकित्सक ने अभियुक्तों पर जानमाल का खतरा होने की आशंका जताई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खनन से उत्तराखंड सरकार को मिला 1200 करोड़ का राजस्व

संवाददाता, रुद्रपुर

- स्टोन क्रशर राज्य में सबसे अधिक रोजगार देने वाला एक मात्र उद्योग
- उद्योगपति बोले-7 लाख परिवारों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मिल रहा है रोजगार

अमृत विचार: उत्तराखंड के प्रसिद्ध उद्योगपति और कुमार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के स्वामी शिवकुमार अग्रवाल ने कहा कि पहली बार विगत डेढ़ साल में खनन से उत्तराखंड सरकार को राजस्व चार गुना यानी 300 से बढ़कर 1200 करोड़ प्राप्त हुआ है। जिसका उपयोग विकास कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में स्टोन क्रसिंग राज्य में सबसे अधिक रोजगार देने वाला एक मात्र उद्योग है। इसमें 7 लाख परिवारों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

शुक्रवार को उद्योगपति शिवकुमार ने पत्रकारों के समक्ष उत्तराखंड में खनन, पर्यटन पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी एलएससी इंफ्राटेक कंपनी पिछले 35 वर्षों से उत्तराखंड में मिनरल एवं माइनिंग सेक्टर में कार्य कर रही है। कंपनी एशिया की सबसे बड़ी मिनरल प्रोसेसिंग कंपनी है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में 10 यूनिट्स हैं। पूरे देश में कुल 16 व्यापारिक इकाई हैं व 2000 सदस्यों की पारिवारिक प्रोफेशनल पार्टनर की संस्था है।

उन्होंने कहा कि आजकल समाज में उत्तराखंड की मिनरल पॉलिसी को लेकर आलोचना हो रही है। लेकिन 35 वर्षों के अनुभव में यह पहली बार है कि विगत डेढ़ साल में खनन से उत्तराखंड सरकार को चार गुना राजस्व प्राप्त हुआ है। इससे पहले सरकार के विभागों व सिस्टम की कमजोरी से मिनरल की लीकेज और चोरी हो रही थी, जबकि स्टोन क्रशिंग इंडस्ट्री को कोई लाभ नहीं हो रहा था। कारण उद्योगों को मुनाफा नहीं हो रहा था। उत्तराखंड में आज स्टोन क्रशिंग की करीब 400 इकाइयां हैं जो राज्य का सबसे अधिक रोजगार देने वाला केवल एक मात्र उद्योग है।

उद्योगपति शिवकुमार अग्रवाल।

मिनरल पॉलिसी से भ्रष्टाचार और अनियमितता हुई दूर

रुद्रपुर : उद्योगपति शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खनन विभाग की टीम ने इस सेक्टर में बहुत बड़ा रिफार्म करके समाज, उद्योग, रियासत के हित में बहुत अच्छी पालिसी बनायी है। वर्तमान मिनरल पॉलिसी उत्तराखंड के अलावा हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भी लागू है। जिससे बहुत सारे विभागों का भ्रष्टाचार और अनियमितता दूर हुई है और प्रदेश को 10 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिल रहा है। ग्राहकों की परेशानी दूर हुई है और उन्हें मिनरल सस्ता मिल रहा है।

शहर के बाहर सरकारी जमीन पर स्टोन क्रशर जोन घोषित करने चाहिए, कार्ययोजना बने

रुद्रपुर : उद्योगपति शिवकुमार ने कहा कि उत्तराखंड सरकार को कुछ स्टोन क्रशर जो 40 साल पहले लगे थे। अब वह शहर के बीच में आ गये हैं। वर्तमान में शहर की आबादी के बीचों-बीच चल रहे हैं। उनको आबादी से बाहर ले जाने की जरूरत है। सरकार को शहर के बाहर सरकारी जमीन पर स्टोन क्रशर जोन घोषित करने चाहिए। सरकार को समाज और रिहायशी इलाकों के हित में उचित भविष्य की योजना तैयार करनी चाहिए।

चेक बाउंस में महिला को तीन माह का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

- दोषी को देने होंगे 3.05 लाख रुपये, न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार: चेक बाउंस प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोषी महिला को तीन माह का साधारण कारावास और 3.05 लाख रुपये अदायगी का फैसला सुनाया है।

अधिवक्ता आरआर रावत ने बताया कि सिरोही गांव छतरपुर निवासी संजीव सिरोही ने अदालत में दायर याचिका में बताया कि सिंह कॉलोनी की रहने वाली यशोदा का घर पर आना जाना था। जिस कारण वह परिचित थी। 11 जनवरी 2023 को महिला ने तीन लाख रुपये उधार लिए थे और जल्द वापस करने का आश्वासन दिया। समय अवधि निकलने के बाद महिला ने 29 अक्टूबर 2023 को एक चेक दिया और 30 अक्टूबर को चेक बाउंस हो गया। तगादा करने पर महिला टालमटोल करने लगी। जिसके बाद अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस भेजा गया। प्रकरण की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट रिजवान अंसारी की अदालत में हुई। अदालत ने चेक बाउंस की दोषी महिला यशोदा को तीन माह का साधारण कारावास और 3.05 लाख उधारी की रकम अदायगी का फैसला सुनाया।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करें

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की हुई समीक्षा
- सीएमओ कार्यालय में आयोजित हुई समीक्षा बैठक

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक मनुज गोयल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने जिला चिकित्सालय में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण भी किया।

शुक्रवार को बैठक में मिशन निदेशक गोयल ने होम डिलीवरी के कारणों का पता लगाने, टीबी कार्यक्रम, टीकाकरण, एनसीडी कार्यक्रम, आरोग्य आयुष्मान मंदिर एवं अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। एनसीडी आयुष्मान मंदिर में दी जाने वाली सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया और एक कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया। इसके अलावा टीकाकरण को शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिए। इससे पूर्व बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके अग्रवाल ने मिशन निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. हरेंद्र मलिक, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. संदीप दीक्षित, डॉ. धीरेंद्र गहलोत, डॉ. विनय यादव, हिमांशु मुस्युनी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक दान सिंह भंडारी, चांद मियां, प्रदीप महर, पंकज गुसाईं, नंदलाल आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते मिशन निदेशक मनुज गोयल। ● अमृत विचार

कार्यालय ग्राम पंचायत दीनी तल्ली, विकास खण्ड धारी

पत्रांक : 01/विविध/आ०के०नि०/निविदा/2025-26/ **अति अल्पकालीन निविदा** दिनांक : 02.02.2026

एतद् द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण बावत विकास खण्ड धारी से प्राप्त स्वीकृति के सापेक्ष उक्त योजना के आगणन में गठित सामग्री के विवरणानुसार सामग्री आपूर्ति हेतु एक अतिअल्पकालीन निविदा अधिकृत विक्रेताओं से निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। दिनांक 17.02.2026 के अपरान्ह 3.00 बजे तक मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जो कि उसी कार्य दिवस को अपरान्ह 3.00 बजे बाद गठित समिति के समक्ष खोली जायेंगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत करने एवं अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा। दरें व आगणित सामग्री की दरें/ मात्रा ग्राम पंचायत कार्यालय पर चस्पा हैं।

बाल विकास विभाग द्वारा आवंटित धनराशि के सापेक्ष			मनरेगा DPR के आधार पर		
क्र. सं.	सामग्री का विवरण	मात्रा	क्र. सं.	सामग्री का विवरण	मात्रा
1	Cement	328 Beg	1	Cement	328 Beg
2	Steel	10.00 Qutl.	2	Steel	27.86 Qutl.
3	Brik	5000 No.	3	Brik	7000 No.
4	20 M.M.	25.00 Cum.	4	20 M.M.	25.00 Cum.
5	C. Send	25.00 Cum.	5	C. Send	26.00 Cum.
6	Window/ Vantilator Etc.	As per Estimate	6	Window/ Vantilator Etc.	As per Estimate

निविदा की शर्तें निम्नवत् होगी :-

1. सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी। निविदा में इंगित सामग्री में जी०एस०टी० पृथक से आंकलित होगी।
2. निविदा स्वीकृत करने एवं अस्वीकृति का पूर्ण अधिकार प्रशासक / ग्राम विकास अधिकारी का होगा किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने पर इसमें कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
3. निविदा दाता को निविदा के समय 100.00 मूल्य का नॉन ज्यूडिशियल शपथ पत्र 100 रु० रसीदी टिकट सहित वैध पंजीयन प्रमाण पत्र GSTN/PAN नम्बर की छाया प्रति संलग्न करनी होगी।
4. मनरेगा अंश का भुगतान सामग्री अंश प्राप्त होने पर ही किया जायेगा। किसी अन्य मद से भुगतान नहीं किया जायेगा इसमे आपूर्ति दाता कोई दावा प्रस्तुत नहीं करेगा।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत, दीनी तल्ली
विकास खण्ड धारी (नैनीताल)

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत, दीनी तल्ली
विकास खण्ड धारी (नैनीताल)

पिता पर बेटी से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

बाजपुर : दोराहा चौकी क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। एक विवाहित युवती ने अपने ही पिता पर शादी से पहले ब्यूटी पार्लर में दुष्कर्म के प्रयास और अश्लील हरकतों का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पिता के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि नवंबर 2024 और उससे पहले भी कई बार उसके पिता ने ब्यूटी पार्लर में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती करने और शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की। पीड़िता के पास इस घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्य भी मौजूद है। युवती ने बताया कि सामाजिक लोक-लाज और सौतेली मां द्वारा पिता का पक्ष लेने के कारण वह अब तक चुप थी। करीब आठ माह पूर्व युवती की शादी हो चुकी है, लेकिन आरोप है कि पिता अब भी उसके पति पर दबाव बनाकर उसे मायके बुलाने की कोशिश कर रहा है।

कार्रवाई मंत्रा मोबाइल की दुकान में चोरी का मामला, दुकान स्वामी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

सीसीटीवी में कैद हुए मोबाइल चोरी के संदिग्ध

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कोतवाली इलाके में हुई मोबाइल की दुकान पर चोरी मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक तफ्तीश में पुलिस को सीसीटीवी कैमरे में कुछ संदिग्ध भी दिखाई दे रहे हैं। जिनकी शिनाख्त के प्रयास जारी हैं। फिलहाल पुलिस ने चोरी का वास्तविक आकलन किया तो चोरी 20.90 लाख कीमती सामान की पुष्टि हुई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरी की घटना का पर्दाफाश होगा।

बताते चलें कि रोज की तरह ग्रीन पार्क निवासी गौरव मुंजाल ने अग्रसेन चौक स्थित अपनी मंत्रा मोबाइल की दुकान को गुरुवार को खोला तो देखा कि चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और दुकान स्वामी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुकान स्वामी का कहना था कि चोरों ने 85 नये-पुराने कीमती मोबाइल जिसकी कीमत 19.50 लाख रुपये, 80 लाख कीमत के तीन लैपटॉप और 60 हजार की नगदी चोरी की है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो घटनास्थल के आसपास तीन से चार संदिग्ध भी दिखाई दे रहे हैं। जिनको चिह्नित करने के लिए कोतवाली पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि प्रारंभिक तफ्तीश में कुछ संदिग्ध सामने आए हैं। जिनकी तस्दीक कर जल्द ही चोरी का पर्दाफाश किया जाएगा।

एसएसपी से मिलते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

एसएसपी से मिले विधायक अरोरा

रुद्रपुर : मंत्रा मोबाइल शॉप पर हुई 20 .90 लाख रुपये कीमत के मोबाइल चोरी प्रकरण को लेकर विधायक शिव अरोरा ने व्यापारियों के साथ एसएसपी मणिकांत मिश्रा से मुलाकात की और जल्द खुलासा करने का मुद्दा उठाया। विधायक ने कहा कि मुख्य मार्ग स्थित मोबाइल की दुकान पर चोरों ने सेंध लगा कर लोहे का दरवाजा तोड़ा और 20 .90 लाख रुपये कीमत के मोबाइल व लैपटॉप चोरी कर लिए हैं। उसके बाद व्यापारियों में भय का माहौल है। एसएसपी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर दिया जाएगा ।

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिला मजदूर का लहूलुहान शव

सितारगंज : खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम बघौरा के पास शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त रम्पुरा निवासी 40 वर्षीय मोहम्मद आसिम उर्फ गुड्डू के रूप में की है। परिजनों के अनुसार, आसिम मजदूरी करता था और गुरुवार से घर नहीं लौटा था। घटनास्थल पर वाहन का टूटा हुआ वाइजर मिलने से अंदेशा है कि किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मारी है। मृतक अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गया है। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मो. आसिम (फाइल)।

कोचिंग खोलने के लिए दहेज में मांगे 5 लाख

सितारगंज : शक्तिफार्म निवासी रजनी रस्तोगी की तहरीर पर पुलिस ने बरेली निवासी पति कुलदीप रस्तोगी, ससुर और तीन ननदों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का विवाह अप्रैल 2024 में हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उसे कम दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहा था। पीड़िता के अनुसार, उसके पति ने बरेली में कोचिंग संस्थान खोलने के लिए मायके से 5 लाख रुपये लाने की मांग की। मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। सीओ बी.एस. धौनी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

जहर खाकर बेसुध पड़े युवक को मिला जीवनदान

बाजपुर : सुल्तानपुरपट्टी पुलिस की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से एक युवक की जान बच गई। घरेलू कलह से परेशान होकर जहर खाने वाले इस युवक को पुलिस ने न केवल समय रहते अस्पताल पहुंचाया, बल्कि प्राथमिक उपचार के तौर पर सीपीआर देकर नई जिंदगी दी। मामला मोहल्ला टांडा बंजारा का है, जहां किराए पर रह रहे रामपुर निवासी संजय सैनी ने कमरे के अंदर चूहे मारने की दवा खा ली थी। मकान मालकिन की सूचना पर चौकी प्रभारी दीपक कौशिक तुरंत टीम के साथ पहुंचे और दरवाजा तोड़कर बेसुध पड़े युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने बिना समय गंवाए युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उसकी जान बच गई। पुलिस ने युवक की काउंसलिंग कर उसे भविष्य में ऐसा आत्मघाती कदम न उठाने की हिदायत दी है।

खटीमा के नदन्ना ग्राम पंचायत भवन में आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान व अन्य।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में उठीं समस्याएं

खटीमा : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत नदन्ना पंचायत भवन में ग्राम प्रधान माया जोशी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारियों ने अपनी उपलब्धियों की जानकारी दी। बैठक में ग्राम प्रधान माया जोशी ने खकरा नाले में पिचिंग, एनएच 125 बायपास जंक्शन 560 में पुलिया निर्माण, उरेडा से सोलर लाइट, लोनिवि गांव की कच्ची सड़कों को पक्की सीसी व टाइल रोड, खकरा नाले में किसानों के आने–जाने के लिए पुलिया, नीला पोखरिया के घर के समीप विद्युत पोल एवं नाली निर्माण की समस्याएं रखी। उन्होंने बैठक में सम्मिलित ग्रामीण एवं विभागों के अधिकारी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। संचालन एई सुधीर कुमार जल जीवन के मिशन ने किया। बैठक में वीर सिंह, नीला पोखरिया, सोनम देवी, हर सिंह थापा, मिथलेश देवी वार्ड सदस्य सहित सोनी देवी, सोनी आर्य, नागेश्वरी देवी, अजय राणा, भास्कर जोशी, कलावती देवी, बबिता गोबाड़ी, गीता पोखरिया, बिंदु देवी, रेनू खड़का, सरला देवी, बबिता बिष्ट, पुष्पा ऐरी आदि मौजूद थे।

सीएम पुष्कर सिंह धामी रुद्रपुर को देंगे करोड़ों की सौगात, बैठक में तैयार की गई आयोजन की रूपरेखा

रुद्रपुर में 14 फरवरी से शुरू होगा भव्य सरस मेला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः महापौर विकास शर्मा ने बताया कि 14 से 23 फरवरी तक गांधी पार्क में 10 दिवसीय भव्य सरस मेले का आयोजन किया जाएगा। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा रुद्रपुर के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कारण वे शहरवासियों को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। मेले के आयोजन को लेकर बैठक में कार्ययोजना तैयार की गयी।

शुक्रवार को नगर निगम में बैठक के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि नगर निगम बोर्ड का यह एक साल का कार्यकाल जन-सेवा और पारदर्शिता का प्रतीक रहा है। जिसे उत्सव के रूप में मनाने के लिए सरस मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेला न केवल मनोरंजन का साधन होगा, बल्कि विकास की नई गाथा भी लिखेगा। सरस मेले में विभिन्न सरकारी और निजी विभागों के लगभग 150 स्टॉल लगाए जाएंगे जो शासन की जनहितकारी योजनाओं और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे।

उन्होंने कहा कि मेले को उत्तराखंड और भारत की विविध संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रतिदिन अलग-अलग समाजों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। इसमें पर्वतीय समाज, पूर्वांचल समाज, बंगाली समाज और पंजाबी समाज की समृद्ध संस्कृति, लोकगीत और परंपराओं की अनूठी झलक देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है। जिसके चलते विशाल शिव जागरण का आयोजन किया गया है। जागरण में देश के विख्यात भजन सम्राट अपनी प्रस्तुतियां देंगे और मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके साथ ही मेले के दौरान रामलीला मंचन, हास्य कवि सम्मेलन और स्कूली बच्चों के द्वारा तैयार किए गए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे जो हर आयु वर्ग के लोगों को जोड़ेंगे। आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए बैठक में मौजूद अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में सभी ने एक स्वर में रुद्रपुर के इस गौरवशाली उत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया।

अधिकारियों के साथ बैठक करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

ये अधिकारी रहे मौजूद

पीडी हिमांशु जोशी, बीडीओ आसित आनंद, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल के अलावा सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से अमरनाथ जी सेवा मंडल के संस्थापक सुनील ठुकराल, अध्यक्ष अजय चड्ढा, अमित अरोड़ा 'बॉबी', जगदीश बटला, बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, सदस्य अमित वैध, अशोक विश्वास, देवभूमि व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष गुरमीत सिंह, संघ जिला व्यवस्था प्रमुख राजकुमार खनिजों, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र अरोरा सहित पूर्वांचल महासभा से जेबी सिंह, दुर्गेश मौर्य, हिमांशु शुक्ला समेत कई लोग मौजूद रहे।

छोटी जोत के किसानों के लिए हर्बल खेती बेहद मुफीद, आय में होगी वृद्धि

सीमैप का एक दिवसीय किसान मेला संपन्न, एक हजार से अधिक किसान जुटे

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित किया गया। मेले का शुभारंभ करते हुए पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि यह जमाना ''स्मार्ट खेती'' का है। स्मार्टनेस इसी में है कि ऐसी फसलों की खेती की जाए जिससे आय में वृद्धि हो। इसमें हर्बल (औषधीय व सगंध पौधे) खेती बहुत उपयुक्त है। यदि किसान परंपरागत खेती से इतर हर्बल खेती करें, तो उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो सकती है।

डॉ. चौहान ने कहा कि परंपरागत धान, गेहूं, बाजरा, कोदा और मंडुआ की खेती से छोटी जोत वाले किसानों को बहुत अधिक लाभ नहीं हो पाता है। उनके लिए औषधीय व सगंध फसलों की खेती अच्छी आय का जरिया है। यदि किसान हर्बल खेती को समूह के रूप में अपनाएं और उत्पादों की प्रोसेसिंग कर बाजार में बेचें, तो वही उत्पाद 10 गुना अधिक कीमत पर बिक सकता है। प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. पडलिया ने बताया कि संस्थान को ''एरोमा मिशन'' में विशेष उपलब्धि के लिए हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है। डॉ. आर.के. उपाध्याय ने सीमैप की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋषिकेश भिसे ने किया। इस अवसर पर डॉ. संजय यादव, डॉ. राम सुरेश मौजूद रहे।

स्टॉल पर उत्पादों की जानकारी लेते कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान। ● अमृत विचार

मेले की मुख्य झलकियां

- **बीज बिक्री :** मेले में मैंथा की विभिन्न प्रजातियों के 30 क्विंटल बीज (सकर्स), जिरेनियम की 10 हजार कटिंग और तुलसी, लेमन ग्रास व अश्वगंधा के बीज बिके।
- **सहभागिता :** नेपाल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार के लगभग 1000 से अधिक किसान शामिल हुए।
- **प्रदर्शन :** किसानों को गुलाब जल और तेल निकालने की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन दिखाया गया।
- **पुलिस जागरूकता :** पुलिस ने भी स्टॉल लगाकर किसानों और छात्राओं को साइबर अपराध, गौरा शक्ति ऐप और महिला हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया।

पहली फ्लाइट डेढ़ घंटे लेट, दूसरी रद्द

पंतनगरः शुक्रवार को कोहरे के चलते पंतनगर एयरपोर्ट में दृश्यता बहुत कम थी। जिसके चलते इंडिगो एयरलाइंस की दिल्ली–पंतनगर के बीच पहली फ्लाइट डेढ़ घंटे की देरी से पंतनगर पहुंची। जबकि शाम चार बजे पंतनगर पहुंचने वाली दूसरी फ्लाइट रद्द कर दी गईं। जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

निर्धारित मानकों से कम दृश्यता होने के कारण विमान को उतारना संभव नहीं था। इसलिए इंतजार करने के बाद दृश्यता बढ़ने पर इंडिगो की पहली उड़ान संख्या 6ई-7324, जो दोपहर 13:05 बजे पंतनगर पहुंचती है, को दिल्ली में डेढ़ घंटे की देरी से टेकआफ की अनुमति मिली। जबकि दूसरी उड़ान संख्या 6ई-7156, जो शाम 16:15 बजे पंतनगर पहुंचती है, को रद्द कर दिया गया। पंतनगर एयरपोर्ट के निदेशक पवन कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसलिए दृश्यता बढ़ने पर पहली उड़ान को दिल्ली से डेढ़ घंटे देरी से संचालन की अनुमति मिली, जबकि दूसरी उड़ान को रद्द कर दिया गया। एयरलाइंस प्रबंधन की ओर से यात्रियों को पूर्ण किराया वापसी अथवा सड़क मार्ग से गंतव्य तक पहुंचाने का विकल्प दिया गया है।

छात्रों के समग्र विकास के लिए समिति जिम्मेदार

प्राथमिक विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में शामिल प्रधानाचार्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुतरा में आयोजित समग्र शिक्षा के तहत चल रहे सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण के चौथे चरण के समापन दिवस कार्यक्रम में 15 प्रधानाध्यापक और 75 एसएमसी अध्यक्ष और सदस्यों ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मुख्य प्रशिक्षक रमेश चंद्र तिवारी, बलवंत सिंह खाती और सीआरपी स्वाति भट्ट ने साइबर क्राइम, विद्यालय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, मिशन कोशिश और विद्यालयों में नामांकन वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। नोडल अधिकारी डॉ. महेन्द्र प्रताप पांडे ने सरकारी विद्यालयों में चल रही अनेक योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए विद्यालय प्रबंध समिति जिम्मेदार होती है। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अभिभावक और सचिव प्रधानाध्यापक मिलकर विद्यालय में आदर्श वातावरण का निर्माण कर सकते हैं। बेस्ट एसएमसी का सम्मान राजकीय प्राथमिक विद्यालय पंथागोठ, मैथ्स विजार्ड में जिला स्तर में चयनित शिखा राना, एकलव्य में चयनित हरिप्रिया राना और आशा कोहली, नुक्कड़ नाटक और टीएलएम प्रतियोगिता में बिसौटा नौगवांनाथ के प्रधानाध्यापक कैलाश चंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय पटिया, पचौरिया, पंथागोठ, नदन्ना, उमरूकलां, गौहर पटिया आदि की प्रबंधन समिति ने प्रतिभाग किया।

पांच लाख की लागत से बनेगा टिनशेड

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः विधायक अरविंद पांडेय ने जिला पंचायत निधि से पांच लाख रुपये की लागत से चंदननगर श्मशान घाट पर टिनशेड निर्माण का फीता काटकर शिलान्यास किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक अरविंद पांडेय व जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू का स्वागत किया।

शुक्रवार को ग्राम पंचायत चंदननगर में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक अरविंद पांडेय ने कहा कि जिला पंचायत सदस्य भावना कोरंगा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में किए विकास के वादे को पूरा किया है। जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा उर्फ नम्मू ने कहा कि ग्रामीणों की चंदननगर में श्मशान घाट पर लंबे समय से टिन शेड की मांग की जा रही थी। ग्रामीणों की मांग पर जिला पंचायत निधि से लगभग पांच लाख रुपये की लागत से टिनशेड निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर भाजपा युवा नेता योगेश पानू, पूर्व प्रधान विकास सरकार, प्रकाश राय, परिमल विश्वास, सपन मंडल, विकास बैरागी, शंकर मंडल, अजीत सरकार, अर्जुन मंडल आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

टिनशेड का शिलान्यास करते विधायक अरविंद पांडेय व जिपंस प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह कोरंगा।

किसानों की जरूरत के अनुसार शोध करें

पंतनगर : कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग में 'जलवायु परिवर्तन से फसलों में स्वास्थ्य समस्याएं एवं प्रबंधन' विषय पर 21-दिवसीय उच्च संकाय प्रशिक्षण शुरू हुआ। उद्घाटन करते हुए कुलसचिव डॉ. दीपा विनय ने कहा कि कृषि को अब उद्योग का दर्जा देना होगा और वैज्ञानिकों को किसानों की जरूरत के अनुसार शोध कर आधुनिक मशीनरी का प्रयोग बढ़ाना चाहिए। कृषि अधिष्ठाता डॉ. सुभाष चंद्रा ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से फसलों में रोगों के कारण 25-30% तक नुकसान हो रहा है। खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए 'जैव सघन रोग प्रबंधन' और 'रिमोट सेंसिंग' जैसी नवीन तकनीकों का उपयोग अनिवार्य है।

जेजेएम की पेयजल टंकी बनी शोपीस

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः विधानसभा रुद्रपुर के आनंदखेड़ा नंबर–2 गांव में जल जीवन मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी बीते चार वर्षों से शोपीस बनी हुई है।

हैरानी की बात यह है कि टंकी से घर-घर जल आपूर्ति शुरू नहीं हुई, लेकिन प्रतिदिन लाखों लीटर पेयजल बहकर बर्बाद हो रहा है। टंकी के आर्टिजन का बहता पानी खेतों में घुसने से गेहूं व सरसों की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। वहीं टंकी के आसपास बने गड्ढों में गांव के बच्चों के गिरने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। इस संबंध में उपजिलाधिकारी ने बताया कि मामला संज्ञान में है। संबंधित विभाग को जल्द सुधार के निर्देश दिए जाएंगे। फिलहाल आनंदखेड़ा गांव की पानी की टंकी जल संरक्षण और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत बयां कर रही है। इस मौके पर रोष प्रकट करने वाले किसानों में मनप्रीत सिंह, बलजीत सिंह, गोलक ढाली, जीत सिंह, दलबीर सिंह, लखवीर सिंह, टहल सिंह, निर्मल सिंह, अरुण विश्वास, सरबजीत सिंह, अरुण राय, मोनी व्यापारी आदि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन के तहत बनी पेयजल टंकी के आर्टिजन का बहता पानी।

आपसी रंजिश के चलते की मारपीट

सितारगंज : आपसी रंजिश के चलते दो लोगों में मारपीट हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अमरिया, पीलीभीत निवासी हरप्रीत सिंह ने बताया कि एक साल पहले गांव दड़हा निवासी अमनदीप सिंह से उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बाद में दोनों ने आपसी राजीनामा कर लिया। लेकिन, उसका साथी मनप्रकाश (सोनी कलेर) फिर भी उससे रंजिश रखता था। आरोप लगाया कि 5 फरवरी को वह अपने दोस्त अयान के साथ रामलीला मैदान में कपड़े खरीदने के लिए गया था। तभी मनप्रकाश, उसका भाई गुरजीत सिंह व उसके अन्य साथियों ने उसे रामलीला मैदान में घेर लिया और मारपीट की।

आक्रोश

क्षेत्र के किसानों ने आयोजित की महापंचायत, सीएम पुष्कर सिंह धामी के समक्ष रखेंगे यह गंभीर मामला

खेत में खड़ी फसल रौंदने को किसानों ने माना भ्रूण हत्या

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः नेपाल से लगी सीमा दमगड़ा मेलाघाट के अशोक फॉर्म निवासी किरन तलवार की 125 एकड़ भूमि पर खड़ी हरी भरी लहलहाती फसल रौंदने के विरोध में महापंचायत आयोजित की गई। क्षेत्र के किसानों की महापंचायत को तराई के किसानों की सुरक्षा के लहजे से देखते हुए किसानों ने प्रशासन की देखरेख में हुई कार्रवाई को असंवैधानिक बताया। उन्होंने इस गैर कानूनी कार्रवाई के विरोध में सात जनवरी को यहां पहुंचने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष उठाने व पीड़ित किसान को न्याय दिलाने की मांग का निर्णय लिया है।

पीड़ित किसान किरन तलवार के फार्म हाउस पर एकत्रित भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा संयोजक मनोज शाही की मौजूदगी में बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसानों ने प्रतिभाग किया। किसानों ने एक स्वर में 125 एकड़ में खड़ी मटर, गेहूं, लाई तथा गन्ने की फसल को भारी पुलिस बल और प्रशासन की मौजूदगी में दर्जनों ट्रैक्टरों से रौंदने के मामले की घोर निंदा की। उन्होंने इस मामले को भ्रूण हत्या मानते हुए भ्रूण हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। वक्ताओं ने बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टरों से फसल रौंदने के मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। महापंचायत में वक्ताओं ने कहा कि यदि भूमि विवाद था तो उस मामले को न्यायालय के आदेश के बाद निपटाया जाना था लेकिन फसल का नुकसान गैर कानूनी है। महापंचायत में किसानों ने एक मत होकर इस मामले को प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह के यहां आगमन पर उनके समक्ष रखने व अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करने का निर्णय लिया है।

इस अवसर पर युवराज सिंह, महेंद्र सिंह, दीपक कुमार, मनोज शाही, दीपू मेहरा, रामाधार, सत्यनारायण मौर्य, सुंदर सिंह अन्ना, दया किशन, मलकीत सिंह, गोपाल बोरा, विजय यादव, अमरीक सिंह, चरणजीत सिंह, वचन गुप्ता, सुरजीत सिंह मल्ली, दीपक विश्वास, सुंदर सिंह, सतनाम मल्ली, राम भरोसे, प्रेम प्रकाश, खेम सिंह, विजय सिंह, मदन खड़ायत आदि सम्मिलित थे।

खड़ी फसल जोतने का खटीमा के दमगड़ा में हुई महापंचायत के बाद विरोध जताते किसान। ● अमृत विचार

सौम्य बने मिस्टर, ईशा मिस फेयरवेल

- सिटी कॉन्वेंट में 'सायोनारा' थीम पर दी सीनियर्स को विदाई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः सिटी कॉन्वेंट स्कूल में शुक्रवार को 12वीं के विद्यार्थियों के लिए 'सायोनारा' थीम पर भव्य एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में सौम्य पांडे मिस्टर फेयरवेल और ईशा मनोला मिस फेयरवेल चुने गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय, प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना, एडमिन ऑफिसर राजेश जोशी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों का पारंपरिक एवं स्नेह पूर्ण स्वागत करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और 12वीं के विद्यार्थियों का रैंप वॉक आकर्षक रहा। संस्थापक उपाध्याय ने मोहन चंद्र उपाध्याय ने कहा कि विद्यालय से प्राप्त संस्कार और शिक्षा उनके जीवन में सदैव मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। समारोह में सौम्य पांडे को मिस्टर फेयरवेल और ईशा मनोला को मिस फेयरवेल चुना गया। वहीं धीरज राणा को मिस्टर सीसीएस और विनीता गिरी को मिस सीसीएस चुना गया। अंत में प्रबंधक उपाध्याय ने विजेता विद्यार्थियों को सेश पहनाकर और स्मृति-चिह्न भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खटीमा के सिटी कान्वेंट स्कूल में फेयरवेल समारोह में चयनित बच्चों के साथ प्रबंधक।

सिटी ब्रीफ

असम से टैंकर लेकर पहुंचे चालक की ढाबे पर अचानक मौत

काशीपुर : मेरठ निवासी टैंकर चालक सुभाष चंद्र चौहान (46) की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सुभाष असम से केमिकल लेकर सुल्तानपुर पट्टी स्थित एक फैक्ट्री जा रहे थे। रास्ते में हाईवे पर एक ढाबे पर चाय पीते समय वह अचानक अचेत होकर गिर पड़े। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे नवनीत ने बताया कि सुबह 7 बजे ही उनकी मां से बात हुई थी, तब सुभाष ने काशीपुर पहुंचने की जानकारी दी थी। वह पिछले 15 वर्षों से टैंकर चला रहे थे। अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए इस चालक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुभाष (फाइल)।

डंपर के खुले डाले की चपेट में आने से किसान की मौत

काशीपुर : कुंडेश्वरी क्षेत्र के ग्राम ढकिया नंबर-1 निवासी तोतेंद्र सिंह (52) की शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में मौत हो गई। तोतेंद्र लक्ष्मीपुर स्थित अपने खेत से स्कूटी द्वारा घर लौट रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार डंपर का खुला डाला उनके सिर पर जा लगा। गंभीर रूप से घायल तोतेंद्र को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह पूरी घटना पास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो नाबालिग बच्चों को छोड़ गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्यापार मंडल ने कोतवाली को भेंट कीं कुर्सियां

जसपुर : स्थानीय व्यापार मंडल ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए गुरुवार को कोतवाली परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन को दस कुर्सियां भेंट कीं। व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिओम सिंह ने कहा कि कोतवाली में आने वाले फरियादियों और आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुर्सियां दी गई हैं। कहा कि अब इन कुर्सियों के लगने से बुजुर्गों और महिलाओं को बैठने में सुविधा होगी। व्यापार मंडल के इस सहयोग का एएसपी स्वप्न किशोर सहित पुलिस पुलिस कर्मियों ने स्वागत किया। कहा कि जन-सहयोग से ही व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। इस दौरान व्यापार मंडल महामंत्री विमल अग्रवाल, हरीश ग्रोवर, सतीश अरोरा, विनोद अरोरा, एसएसआई जावेद मलिक, संतोष देवरानी, रुचिका चौहान आदि मौजूद रहे।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

बाजपुर : पुलिस ने चोरी की बाइक समेत एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजय उर्फ हरीश, निवासी पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, के कब्जे से 4 फरवरी को डॉ. पी. कौर अस्पताल के सामने से चोरी हुई बाइक बरामद की गई। प्रभारी निरीक्षक नरेश चौहान ने बताया कि आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास है और उस पर लूट व चोरी के चार मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

इंसानियत और भाईचारे को बताया सर्वोपरि

बाजपुर : ग्राम टांडा आजम निवासी सलीम अहमद ने तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति को पत्र भेजकर देश में आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। पत्र में उन्होंने धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों पर चिंता जताते हुए कश्मीर के आदिल और कोटद्वार के दीपक जैसे युवाओं के उदाहरण दिए हैं।

महापौर ने गिनाईं नगर निगम की उपलब्धियां

मेयर के रूप में दीपक बाली का एक वर्ष का कार्यकाल हुआ पूरा

नगर निगम मेयर का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर दीपक बाली को प्रशस्ति पत्र देते विधायक त्रिलोक सिंह चीमा।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः नगर निगम महापौर के रूप में अपना एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शुक्रवार को नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर दीपक बाली ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन, सहयोग और आशीर्वाद से काशीपुर नगर निगम ने बीते एक वर्ष में विकास की नई इबारत लिखी है।

महापौर दीपक बाली ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तार से लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 7 फरवरी 2025 से 7 फरवरी 2026 के बीच नगर निगम ने सेवा, विकास और विश्वास के मंत्र के साथ शहर को आधुनिक, स्वच्छ और नागरिक-अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस और परिणामकारी कदम उठाए हैं। उन्होंने आईजीएल और नैनी पेपर मिल सहित जिन औद्योगिक इकाइयों ने शहर के विकास में आर्थिक मदद दी उनका भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि नगर निगम काशीपुर ने 1 वर्ष में 792 सड़कों को धरातल पर उतारने का काम किया है और इस 1 वर्ष की अवधि में 121 करोड रुपए के विकास कार्य हुए हैं साथ ही करोड़ों रुपये की बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1139 पात्र परिवारों को आवास का लाभ दिया गया है, जबकि पीएमएवाई शहरी 2.0 में आवेदनों की संख्या में 78 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यापारियों को ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया। इस दौरान नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने उन्हें प्रशस्त्रि पत्र देकर सम्मानित किया।

दहेज की भेंट चढ़े जुड़वा मासूम, गर्भवती बहू के पेट में मारी लात

जसपुरः कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कासमपुर में दहेज के लालच में ससुरालियों ने मानवता की सारी हदें पार कर दीं। कार की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने गर्भवती बहू के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिसके कारण उसके गर्भ में पल रहे जुड़वा बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने पीड़िता के पति समेत चार ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। लक्ष्मीपुरा खेड़ा निवासी ग्रंथ सिंह ने पुलिस को बताया कि दो वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह कासमपुर निवासी अंकित कुमार के साथ किया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति अंकित, ससुर भूपेंद्र, सास सुषमा और ननद नेहा कार की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप है कि उत्पीड़न के दौरान दामाद ने गर्भवती पुत्री के पेट में लात मार दी, जिससे उसकी स्थिति बिगड़ गई। अस्पताल में भर्ती कराने पर पीड़िता ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया, जिनमें से पुत्री मृत पैदा हुई और कुछ दिनों बाद पुत्र ने भी दम तोड़ दिया।

अस्पताल से बाइक चोरी

जसपुर : अस्पताल से दवाई लेने गए एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। ग्राम शिवलालपुर अमर झण्डा निवासी मो आशिफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्प्लेंडर बाइक से दवाई लेने गया था। जब वह दवाई लेकर लौटा तो पार्किंग से उसकी बाइक गायब थी।

साहिल बने मिस्टर व ईशप्रीत मिस नोजगे

नोज़गे पब्लिक स्कूल में फेयरवेल समारोह में चुने गए बच्चों के साथ शिक्षक।

संवाददाता, खटीमा

- सीनियर्स को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विदाई दी

अमृत विचारः नोज़गे पब्लिक स्कूल में आयोजित फेयरवेल कार्यक्रम में 11वीं के बच्चों ने अपने सीनियर्स को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विदाई दी। फेयरवेल में साहिल राणा मिस्टर नोजगे और ईश प्रीत कौर मिस नोज़गे चुने गए।

समारोह का शुभारंभ विधायक भुवन कापड़ी, प्रबंधिका ट्विंकल दत्ता, उप प्रधानाचार्य शैफाली अग्रवाल, डॉ विनय पांडे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक कापड़ी ने 10वीं और 12वीं के मेधावी बच्चों के साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। 11वीं के बच्चों ने अपने सीनियर्स का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा। फेयरवेल में गुरप्रीत सिंह मिस्टर फेयरवेल और अंशिका भट्ट मिस फेयरवेल, साहिल राणा मिस्टर नोजगे और ईश प्रीत कौर मिस नोज़गे और गौरव पांडे को मिस्टर हैंडसम चुना गया। समारोह में जसविंदर पल कौर, गायत्री जोशी, विमला जोशी, सुनीता वर्मा, अनिल सिंह, श्वेता बत्रा, रमेश रौतेला आदि मौजूद रहे।

परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में छात्रों में दिखा उत्साह

काशीपुरः उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के टीवी पर लाइव प्रसारण में प्रधानमंत्री तथा छात्र-छात्राओं के प्रश्न उत्तरों तथा बातचीत को लेकर छात्रों में अच्छा खासा उत्साह दिखाई दिया। चर्चा के दौरान तनाव मुक्त होकर, एकाग्रता, आत्म विश्वास के साथ समयबद्ध तरीके से परीक्षा की तैयारी करने पर जोर दिया गया। वहीं परीक्षा के दिनों में माता-पिता, अभिभावकों के साथ भी परीक्षा पर चर्चा करने को भी आवश्यक बताया गया। बातचीत के दौरान कहा गया कि पढ़ने वाले छात्रों के लिए छोटे घर, साधन संपन्नता मायने नहीं रखती है। चर्चा के दौरान जीवन में कर्म को प्रधानता देने के साथ-साथ लक्ष्य प्राप्ति और सपनों को पूरा करने के लिए सफल व्यक्ति की बायोग्राफी पढ़कर अपना रास्ता प्रशस्त करने पर भी जोर दिया गया।

इस दौरान प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ प्रवक्ता महेश चंद्र आर्या, मनोज शर्मा, सुनील कुमार उपाध्याय, रणधीर सिंह, राजेंद्र सिंह, जयदीप सिंह, दिनेशचंद्र गोस्वामी, कौशलेश गुप्ता, कपिल भारद्वाज, मुकेश पाल, चौधरी नवनीत सिंह, मनोज विश्नोई, कल्पना नौडियाल, मनीषा चौहान आदि मौजूद रहे।

चार श्रम संहिताओं के विरोध को लेकर चर्चा

संवाददाता, रुद्रपुर

- 12 फरवरी को होनी है हड़ताल
- श्रमिक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों ने की चर्चा

अमृत विचारः 4 श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) के विरोध में 12 फरवरी की राष्ट्रीय आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए श्रमिक संयुक्त मोर्चा की बैठक आयोजित हुई। इसमें हड़ताल की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

शुक्रवार को आयोजित बैठक में संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि 12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल को लेकर व्यापक समर्थन मिल रहा है। श्रमिक वर्ग मजदूरों पर हो रहे शोषण से परेशान है। ऊपर से केंद्र सरकार ने मजदूर को बंधुआ गुलाम बनाने के लिए पुराने श्रम कानूनों को खत्म कर पूंजीपतियों के पक्ष में 4 श्रम कोड लागू कर दिए हैं।

मोर्चा महामंत्री चंद्रमोहन लखेड़ा ने बताया कि 12 फरवरी की इंडस्ट्रियल एरिया में प्रभावशाली बनाने के लिए लगातार प्रचार प्रचार व तैयारियां जोरों पर हैं। कई यूनियन अपने प्रबंधन को हड़ताल का नोटिस दे चुकी हैं। पर्चे के माध्यम से प्रचार जारी है। 12 फरवरी को काम से हड़ताल के बाद श्रमिक संगठन व श्रमिक रुद्रपुर के गांधी पार्क में एकत्र होकर विशाल जनसभा करेंगे।

ग्रामीणों को सुरक्षा के प्रति किया सतर्क

बाजपुरः कोतवाली बाजपुर पुलिस ने मोहल्ला मजरा प्रभु में जन जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक कुसुम रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस ने साइबर अपराध से बचाव, नशा मुक्ति, घरेलू हिंसा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। साथ ही, गौरा शक्ति ऐप के महत्व और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों (112, 1090, 1930) के उपयोग के बारे में बताया गया। पुलिस टीम ने अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इस मौके पर महिला कांस्टेबल अदिति गोस्वामी मौजूद रहीं।

बीपीएल क्रिकेट ट्रॉफी पर बैकुंठपुर ए का कब्जा

- प्रशांत मजूमदार मैन आफ द सीरीज बने

संवाददाता शक्तिफार्म

विजेता टीम को ट्रॉफी देते कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बैकुंठपुर में आयोजित बीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में मेजबान बैकुंठपुर ए ने बैकुंठपुर बी टीम को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रशांत मजूमदार मैन आफ द सीरीज और संदीप मैन आफ द मैच रहे।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बैकुंठपुर बी ने निर्धारित 16 ओवरों में 134 रन बनाए। देवा ने 33 और सुशांत ने 31 रनों का योगदान किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बैकुंठपुर ए ने एक विकेट खोकर जीत हासिल की। संदीप ने 86 और जगदीश ने 49 रन बनाए।

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने विजेताओं को नगद धनराशि और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। मैच में कुणाल और प्रभात अंपायर, सूरज मंडल कमेंट्रेटर, देवव्रत और राजीव स्कोरर रहे। इस मौके पर गोविंद तालुकदार, ब्रिंची बाइन, परेश मंडल, सुमित, दीपांकर, पंचानन मंडल, विजय, जीवन विश्वास, सुभाष, निखिल मंडल आदि मौजूद रहे।

गदरपुर सीट पर सपा को मजबूत किया जा रहा

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में सपा के कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष महंत शुभम गिरी का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः समाजवादी पार्टी के कार्यवाहक प्रदेशाध्यक्ष महंत शुभम गिरी के बाजपुर पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

मुलायम यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव के आवास पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए महंत शुभम गिरी ने कहा कि पार्टी उत्तराखंड में मजबूती के साथ परिवर्तन की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ऊधम सिंह नगर की गदरपुर विधानसभा सीट पर पिछले छह माह से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और जनता से सीधा संवाद स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी संगठन विस्तार का कार्य जिला अध्यक्ष रवि छाबड़ा के नेतृत्व में तेजी से चल रहा है। प्रत्येक विधानसभा में बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया जा रहा है, ताकि आगामी चुनावों में पार्टी पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतर सके। महंत शुभम गिरी ने कहा कि आने वाले समय में उत्तराखंड में सत्ता परिवर्तन तय है और इसमें पार्टी की अहम व निर्णायक भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है, जहां सभी धर्मों व समुदायों के लोग मिल-जुलकर प्रदेश की संस्कृति और एकता को मजबूत करते आए हैं। पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी प्रदेश को विकास, रोजगार और सामाजिक सौहार्द की दिशा में आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रवि छाबड़ा, निवर्तमान प्रदेश सचिव राम सिंह सागर, अमित कुमार, इमरान खान, रमेश यादव, शिव अवतार शर्मा, निशा खान, उज्जवल सिंह, दीपक कुमार, योगेश कुमार, रूबी खान, शेर सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

हड़ताल में शामिल होंगी आशा कार्यकर्ता

जसपुरः आगामी 12 फरवरी को ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत अखिल भारतीय आम हड़ताल में स्थानीय आशा कार्यकर्ता भी शामिल होंगी।

अस्पताल परिसर में हुई बैठक के दौरान यूनियन की जिला उपसचिव अनीता अन्ना ने कहा कि चार श्रम कोड वापस लेने, आशाओं को न्यूनतम वेतन 35 हजार करने, आशा वर्कर्स को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, न्यनूतम वेतन देने, रिटायरमेंट के समय पेंशन, अस्पताल में सम्मानजनक व्यवहार, ट्रेनिंग स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराने, एनजीओ का हस्तक्षेप बंद करने। ट्रेनिंग का प्रतिदिन न्यूनतम पांच सौ रुपये भुगतान करने समेत सभी बकाया राशि का भुगतान करने, माहवार रकम खाते में डालने सहित आशा वर्कर्स रुद्रपुर में प्रदर्शन करेंगी।

मंगल कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा शुरू

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः नैनीताल स्टेट हाईवे किनारे स्थित प्राचीन वनखंडी महादेव मंदिर बरहैनी में गुरुवार को 11 दिवसीय श्रीशिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ।

मंगल कलश शोभायात्रा सती माता मंदिर बरहैनी से प्रारंभ हुई, जो गांव की विभिन्न गलियों व मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। वहां कथा व्यास गद्दी के मंच के समीप वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिविधान से कलशों की स्थापना की गई। आयोजकों के अनुसार प्रतिदिन प्रातः आठ से 11 बजे तक नित्य पूजन किया जाएगा। दोपहर एक बजे से सायं साढ़े चार बजे तक पं. भास्कर पांडे कोटाबाग द्वारा शिव महापुराण कथा का प्रवचन होगा। 15 फरवरी की सायं सात बजे सामूहिक महादीपदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं 16 फरवरी को हवन-यज्ञ में पूर्णाहुति के पश्चात दोपहर में विशाल भंडारे का आयोजन होगा। मंगल कलश यात्रा में महंत श्याम गिरी, महंत भगवान गिरी, सावनपुरी, कथावाचक भास्कर पांडेय, यजमान पूरन बिष्ट, विशन दत्त पांडेय, गीता बिष्ट, देवकी देवी, नीमा जोशी, हीरा जोशी, ममता कांडपाल, रजनी चंद्रा, पार्वती देवी, पूनम कांडपाल, चंद्रा कांडपाल, रीना, पूजा, सरिता, कला देवी, दीपिका रौतेला शामिल रहीं।

जागरुकता

महुवाडाबरा इंटर कॉलेज में शिक्षकों व विद्यार्थियों को यातायात नियमों की दी जानकारी

सड़क पर यातायात के नियम मानने की शपथ दिलाई गई

संवाददाता, जसपुर

जसपुर में शपथ दिलाते एआरटीओ। ● अमृत विचार

केलाखेड़ा में बाइक रैली निकालते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को सड़क यातायात के नियमों एवं सड़क चिन्हों की जानकारी दी गई। साथ ही शिक्षकों व विद्यार्थियों को सड़क यातायात के नियमों की शपथ दिलाई गई।

शुक्रवार को महुवाडाबरा स्थित पीएम श्री नेहरू राजकीय इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे काशीपुर के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रमोद कर्नाटक ने छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी। बताया कि निर्धारित गति सीमा से अधिक गति में वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, नशे में एवं नींद आने पर वाहन न चलाएं, वाहन में ओवरलोडिंग न करें, वाहन की यांत्रिक स्थिति सही रखें, वाहन चलाते सीट बेल्ट, दोपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग करें, नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। कहा कि नियमों का पालन न करने पर पच्चीस हजार रुपए का जुर्माना व तीन साल की सजा हो सकती है। बताया कि दुर्घटना होने पर चोटिल व्यक्ति को शीघ्र अस्पताल पहुंचाएं पुलिस कार्रवाई से न डरें। इस मौके पर राजेश चौधरी, योगेश पंत, महेंद्र सिंह, हरीश शर्मा, सरीस आलम, उपेंद्र सिंह, डॉक्टर तजम्मुल हसन, अरुण कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

बाइक रैली निकालकर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

बाजपुर : सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को केलाखेड़ा थाना पुलिस द्वारा नगर में बाइक रैली निकालकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। रैली का नेतृत्व थाना अध्यक्ष धर्मवीर सोलंकी ने किया। रैली के माध्यम से पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने आमजन से हेलमेट पहनने, तेज गति से वाहन न चलाने, नशे में वाहन न चलाने तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। थाना अध्यक्ष धर्मवीर सोलंकी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इस मौके पर एसएसआई विनोद फर्त्याल, एसआई सुशील कुमार, हरीश मेहर आदि मौजूद रहे।

भक्ति व प्रेम के मार्ग पर चलने का संदेश

संवाददाता, बाजपुर

केलाखेड़ा में सत्संग को संबोधित करते संत दयाल वैरागानंद महाराज।

अमृत विचारः नगर के समीप स्थित गणेशपुर की पुलिया पर कांता यादव व राजू छाबड़ा के आवास पर आयोजित सत्संग कार्यक्रम में संत दयाल वैरागानंद महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्ति, प्रेम और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

श्री नंगली दरबार मेरठ स्थित दयाल आश्रम से पधारे संत दयाल वैरागानंद महाराज ने सत्संग को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु की भक्ति और साधना से ही मानव जीवन सार्थक बनता है। उन्होंने कहा कि चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्ति पाने के लिए गुरु भक्ति में ध्यान लगाना आवश्यक है। भक्ति और प्रेम के माध्यम से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है। उन्होंने कहा कि जब मन में ईश्वर को पाने की सच्ची लगन उत्पन्न होती है, तभी भगवान की अनुभूति होती है। संत ने बताया कि इस संसार में शरीर नश्वर है, केवल आत्मा ही अजर-अमर है। इसलिए मानव को अपने जीवन के उद्देश्य को समझते हुए परम पिता परमेश्वर की पहचान करनी चाहिए। संत दयाल वैरागानंद ने अहंकार त्यागने पर जोर देते हुए कहा कि 'मैं' और 'मेरा' की भावना से मुक्त होकर ही मानव अपने कर्तव्यों का सही निर्वहन कर सकता है। उन्होंने माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि इसका फल स्वयं भगवान प्रदान करते हैं। साथ ही उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित भजन-सिमरन करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान धर्मपाल ठुकराल द्वारा प्रस्तुत भजन "मतलब की इस दुनिया से नफरत है ओ सांवरे, मुझे तुमसे मोहब्बत है" पर श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

ब्रीफ न्यूज

सीएम धामी आज करेंगे शारदा कॉरिडोर का शिलान्यास

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज शनिवार को जनपद चम्पावत के भ्रमण पर रहेंगे। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री टनकपुर में 'शारदा कॉरिडोर' योजना का शिलान्यास करेंगे। डीएम ने बताया कि शारदा कॉरिडोर के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री प्रातः 10 :50 बजे शारदा घाट, टनकपुर पहुंचेंगे। यहां वे बहुप्रतीक्षित शारदा कॉरिडोर का शिलान्यास करेंगे और माघ खिचड़ी कार्यक्रम में जनता के साथ सम्मिलित होंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री बनबसा स्थित एनएचपीसी विश्राम गृह में दोपहर 12 बजे से 1 :45 बजे तक आगामी बजट के संबंध में 'बजट पूर्व संवाद' कार्यक्रम शिरकत करें। जिसमें वे विभिन्न हितधारकों से सुझाव लेंगे।

बागेश्वर में महसूस हुए भूकंप के झटके

बागेश्वर : जनपद के विभिन्न स्थानों में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिन लोगों ने झटके महसूस किए गए वे अपने घरों से बाहर निकल गए। जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आज सुबह 7 .48 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय ने भूकंप के झटके के संबंध में बताया कि इसका क्षेत्र बागेश्वर था तथा इसकी तीव्रता 3 .4 मैग्नीटयूड थी। जनपद में भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है।

जन समस्याओं की अनदेखी पर होगी कार्रवाई

ग्वालाकोट में आयोजित शिविर में कैबिनेट मंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनीं, अफसरों को चेताया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को ताकुला विकासखंड के न्याय पंचायत ग्वालाकोट में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में 95 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। शिविर में अधिकांश शिकायतें पेयजल और सड़क से संबंधित रही।

न्याय पंचायत में आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या मौजूद रही। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई अधिकारी जन समस्याओं की अनदेखी करेगा तो उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। कहा कि हमारी सरकार हर नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। डीएम अंशुल सिंह ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री को आश्वस्त किया कि शिविर में प्राप्त सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता से कराया जाएगा। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, एसडीएम सदर संजय कुमार, ब्लॉक प्रमुख हवालबाग हिमानी कूंडू, मंडल अध्यक्ष स्याही देवी गणेश जलाल, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, मनोहर सिंह, जानकी, देवेंद्र सिंह नयाल, वीरेंद्र, आनंद डंगवाल, चंदन प्रकाश, देवेंद्र मेहरा, प्रदीप नगरकोटी समेत क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और लोग मौजूद रहे।

412 लोग योजनाओं से हुए लाभान्वित: शिविर के माध्यम से 412 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। वहीं लाभार्थियों को योजनाओं से संबंधित विविध सामग्री का वितरण भी किया गया। इसके अलावा 420 आवेदन विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मौके पर ही भरवाए गए। साथ ही शिविर में सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की ओर से जनोपयोगी प्रचार सामग्री का भी वितरण किया गया। जिससे अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठा सकें।

ताकुला के ग्वालाकोट में लोगों की समस्याएं सुनतीं कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या।

ताड़ीखेत में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में पहुंचे लोग। ● अमृत विचार

बहुउद्देशीय शिविरों में लोगों की समस्याओं का निस्तारण

रानीखेत : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में आमजन को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखंड ताड़ीखेत एवं विकासखंड सल्ट की न्याय पंचायतों में बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। विकासखंड ताड़ीखेत की न्याय पंचायत बंगोड़ा में आयोजित शिविर के माध्यम से 1141 लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान 256 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 138 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। इसी क्रम में विकासखंड सल्ट की न्याय पंचायत कुनहील में आयोजित शिविर में 384 लोगों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। शिविर में 70 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 47 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। दोनों शिविरों के संयुक्त आंकड़ों के अनुसार कुल 1525 लोगों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही कुल 326 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 185 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया गया। शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के साथ-साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सीधे जनता तक पहुंचाई गई, जिससे शासन की योजनाओं की जन-जन तक पहुंच को मजबूती मिली।

कपकोट में पैराग्लाइडिंग के दौरान दो पायलट हुए घायल

संवाददाता, कपकोट (बागेश्वर)

- घायलों में जिला पंचायत सदस्य नवीन परिहार तथा टिहरी के रणजीत सिंह चौहान शामिल

अमृत विचार: कपकोट में आयोजित राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग एक्यूरेसी प्रतियोगिता के दूसरे दिन दो पायलट लैंडिंग के दौरान घायल हो गए। प्रतियोगिता के रोमांच के बीच हुए इस हादसे से आयोजक और दर्शकों को भी भयभीत कर दिया।

पहला हादसा टिहरी के पायलट रणजीत सिंह चौहान (30) का हुआ। वह जालेख से उड़ान भरकर केदारेश्वर मैदान में उतर रहे थे। मैदान से लगभग 30 मीटर की ऊंचाई पर उनका पैराग्लाइडर अनियंत्रित हो गया और वह तेजी से हेलीपैड की ओर गिर पड़े। उन्हें तुरंत सीएचसी कपकोट पहुंचाया गया और बाद में जिला अस्पताल रेफर किया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. गिरिजा शंकर जोशी ने बताया कि उनकी कमर में चोट लगी है और उन्हें कंपलीट बेड रेस्ट की सलाह दी गई है। कुछ ही मिनटों बाद जिला पंचायत सदस्य नवीन परिहार भी लैंडिंग के दौरान चोटिल हो गए। उनका घुटना मुड़ गया। उन्हें भी तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

एसडीएम अनिल चन्याल ने बताया कि चोटें गंभीर नहीं हैं और प्रतियोगिता में सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए हैं। कहा कि प्रतियोगिता जारी है और पायलटों का उत्साह कायम है। उधर क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया ने अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना।

पैराग्लाइडिंग का दृश्य (प्रतीकात्मक)। ● अमृत विचार

अतिक्रमण से निजात दिलाने की मांग

- पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक आयोजित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की मासिक बैठक शुक्रवार को अल्मोड़ा के नंदादेवी मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ नगर की विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक में नगर की मुख्य बाजार में बढ़ते अतिक्रमण तथा बंदरों के बढ़ते आतंक पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। परिषद के सदस्यों ने बंदरों को पकड़कर उनका बंध्याकरण किए जाने, नगर के विभिन्न क्षेत्रों में टैम्पो संचालन की व्यवस्था करने, पर्वतीय क्षेत्रों में लघु उद्योगों की स्थापना, सरकारी विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि इन मांगों को लेकर परिषद द्वारा पूर्व में कई बार शासन-प्रशासन से अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। शासन-प्रशासन की उदासीनता के चलते पूर्व सैनिकों में रोष व्याप्त है। बैठक में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष कैप्टन केशव दत्त पांडे, संरक्षक पी.जी. गोस्वामी सहित मोहन चंद्र जोशी, विनोद गिरी, सुरेंद्र लाल टम्टा, नरेंद्र वर्मा, नंदन सिंह सिंगवाल, रनवीर सिंह सांगा, हरीश सिंह बिष्ट, पान सिंह बिरौड़िया, सुरेश सिंह असवाल आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्य। ● अमृत विचार

भावना ने नेट जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की

लोहाघाट: नगर निवासी भावना मुरारी ने यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में 99.83 पर्सेंटाइल प्राप्त की है। छात्रा की उपलब्धि पर नगर के लोगों ने खुशी जताई। व्यापारी सतीश मुरारी और रेखा मुरारी की पुत्री भावना ने प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय लोहाघाट से प्राप्त की। बीएससी पंतनगर विश्वविद्यालय से प्राप्त की और एमएससी चंद्रशेखर आजाद एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कानपुर से प्राप्त की। इसके बाद छात्रा ने दिल्ली के नामी अस्पताल में डायटिशियन की नौकरी करते हुए नेट जेआरएफ की तैयारी भी की। छात्रा भावना ने पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण की।

भावना मुरारी।

बागेश्वर के भवान व प्रेमा को नंदा शिखर सम्मान

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जनपद बागेश्वर के लिए गौरव का क्षण रहा, जब जिले की दो प्रतिभाओं—कीवी मैन के नाम से प्रसिद्ध भवान सिंह कोरंगा और महिला क्रिकेटर प्रेमा रावत—को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) द्वारा नंदा शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान देहरादून में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया, जिसे दोनों सम्मानितों के परिजनों ने प्राप्त किया।

पूर्व प्रधानाचार्य भवान सिंह कोरंगा ने सेवानिवृत्ति के बाद अपने पैतृक गांव शामा में कीवी की खेती का सफल प्रयोग किया। आज उनकी प्रेरणा से बागेश्वर जनपद कीवी उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। श्री कोरंगा प्रतिमाह लगभग 200 कुंतल से अधिक कीवी का उत्पादन कर रहे हैं तथा उनकी नर्सरी में प्रतिवर्ष लगभग 10 हजार पौध तैयार की जाती हैं। उनकी पहल से कई लोगों ने कीवी की खेती अपनाकर रिवर्स पलायन किया है और लाखों रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। इसके लिए उन्हें पूर्व में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। कपकोट क्षेत्र के दूरस्थ गांव सुमटी निवासी महिला क्रिकेटर प्रेमा रावत ने गांव के मैदान से क्रिकेट की शुरुआत कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। वह वर्तमान में महिला आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की खिलाड़ी हैं और एक कुशल लेग स्पिनर व ऑलराउंडर के रूप में जानी जाती हैं। प्रेमा का पुरस्कार उनके चाचा जौहार सिंह रावत ने प्राप्त किया। जनपद की दोनों प्रतिभाओं को सम्मान मिलने पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

राज्यपाल से पुरस्कार प्राप्त करते भवान सिंह कोरंगा। ● अमृत विचार

सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित

टनकपुर : टनकपुर स्थित सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज में डीएम मनीष कुमार के निर्देश पर स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में एनडीआरएफ की टीम ने प्रतिभागियों को विभिन्न आपदाओं से निपटने के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में सीपीआर, प्राथमिक उपचार, जीवन रक्षक तकनीक, अस्थायी स्ट्रेचर और तैरने वाले उपकरण, आग और भूकंप सुरक्षा, सर्पदंश से बचाव जैसे विषय शामिल थे। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। डीएम मनीष कुमार ने कहा कि सभी स्कूलों में इस प्रकार के सुरक्षा कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि छात्र और शिक्षक आपदा की स्थिति में सही तरीके से प्रतिक्रिया दे सकें।

भाजयुमो नगर अध्यक्ष का स्वागत

- नीरज सांगा के अध्यक्ष बनने पर आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा भाजपा से नीरज सांगा को युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। शुक्रवार को चौघानपाटा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मिष्ठान वितरण कर जमकर आतिशबाजी की।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने नगर के सिकुड़ा बैंड से दुगालखोला होते हुए मालरोड स्थित चौघानपाटा तक स्वागत रैली निकाली। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी बहुमत के पार पहुंचेगी। इधर, पार्टी ने उन्हें भाजयुमो नगर अध्यक्ष मनोनित करने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। यहां भाजपा जिला महामंत्री दर्शन रावत, महानगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, पार्षद अमित साह मोनू, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, कमल बिष्ट, कृष्ण बहादुर, भानू बिष्ट, मनोज जोशी, संजय सिजवाली, पंकज रौतेला, कुंदन बिष्ट, करन सांगा, मुकुल सांगा, कमल सांगा, संकेत सुप्याल, हरीश बिष्ट, मनोज तिवारी, अक्षित पांडे, आशीष जोशी, रवि चौहान, जगत तिवारी, रिकी भट्ट, भगवान भोजक, नवीन रावत, जगदीश तिवारी, कमल मेहता, शुभम बिष्ट, मनोज समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में नवनियुक्त भाजयुमो नगर अध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता।

महिला सुरक्षा व पॉक्सो एक्ट पर दी जानकारी

बागेश्वर : डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल द्वारा विकास भवन सभागार में आयोजित तीन दिवसीय आउटरीच प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस का शुभारंभ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समान कार्य वातावरण सुनिश्चित करने तथा पॉक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने और स्वयं को निरंतर अद्यतन रखने का आह्वान किया। उन्होंने आयोग एवं हाईकोर्ट के निर्णयों के प्रति भी जागरूक रहने के निर्देश दिए। कहा कि अद्यतन जानकारी के माध्यम से ही आमजन की समस्याओं का बेहतर समाधान कर उन्हें संतुष्ट किया जा सकता है।

वनाग्नि की रोकथाम के तरीके बताए

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: वन विभाग की ओर से शुक्रवार को वन पंचायतों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में वन पंचायत सरपंचों को वन पंचायत नियमावली-2024 की जानकारी दी गई, साथ ही उन्हें वनाग्नि रोकथाम एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

नगर के वन चेतना केंद्र, एनटीडी में आयोजित सम्मेलन में डीएफओ सिविल सोयम प्रदीप धौलाखंडी ने बताया कि अधिनियम के तहत वन पंचायत सरपंचों को वन अपराधों से संबंधित मामलों में सीधे हस्तक्षेप करने की शक्ति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि वन प्रबंधन में अब जैव विविधता प्रबंधन समिति को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि फायर सीजन के दौरान वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए सरपंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में सम्मेलन में वनाग्नि रोकथाम, वनीकरण, जलाऊ लकड़ी एवं चारा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारियां दी गईं, ताकि समय रहते आग की घटनाओं को रोका जा सके। इसके अलावा वन उपजों के प्रबंधन तथा उनसे प्राप्त होने वाले फंड के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर डीएफओ रानीखेत संतोष पंत, प्रभारी मानसखंड विज्ञान केंद्र डॉ. नवीन जोशी, जीसीएम नेगी (उत्तराखंड), डॉ. हर्षित पंत, डॉ. डीके जोशी सहित विभिन्न डिवीजनों के रेंज अधिकारी, वन पंचायत सरपंच एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा वन चेतना केंद्र में आयोजित वन पंचायत सम्मेलन में मौजूद प्रतिभागी।

शिविर में पशु के स्वास्थ्य को जांचते एसएसबी के पशु चिकित्सक। ● अमृत विचार

एसएसबी ने लगाया पशु चिकित्सा शिविर

बनबसा : 57 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सितारगंज ने नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत बैलबंधगोठ में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। कार्यवाहक कमान्डेंट दीपक सिंह जायडा के निर्देश पर भारत-नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र के ग्राम बैलबंधगोठ समवाय बनबसा में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन कमान्डेंट डॉक्टर गुरविंदरजीत सिंह कमान्डेंट के नेतृत्व में किया गया। शिविर में 18 ग्रामीणों के 74 पशुओं का इलाज किया गया। शिविर में डॉक्टरों ने पशुपालकों को पशुओं होने वाली बीमारी, खुरपका, मुहपका, गलघोटू, डिवॉर्मिंग, प्रजनन संबंधी, मिल्क फीवर, कीटोसिस जैसी गंभीर बीमारी तथा उसके बचाव के उपाय, रख रखाव, खान पान आदि की जानकारी दी| नाबार्ड से पशुओं हेतु लोन, डेयरी उद्योग पर जोर दिया ताकि ग्रामीणों को रोजगार मिल सके| शिविर में सहायक कमांडेंट सुरेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी हरमुख सिंह,आरक्षी भूपेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

विश्रामगृह में किए पेंट के रंग पर आपत्ति

- धर्म जागरण समन्वय ने एसएसपी को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की
- विश्राम गृह के आसपास भूमि पर अतिक्रमण का लगाया आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे स्थित स्वामी विवेकानंद विश्राम गृह में विशेष रंग का पेंट करने का मामला गरमा गया है। शुक्रवार को धर्म जागरण समन्वय कुमाऊं संभाग संगठन ने एसएसपी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मामले में कार्रवाई की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा कि स्वामी विवेकानंद विश्राम गृह में बीते दिनों दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने विशेष पेंट कर दिया। जिससे लोगों में भारी नाराजगी है। कहा कि उनकी आस्था को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से पेंट किया गया है। उन्होंने विश्राम गृह के आसपास भूमि पर अतिक्रमण का भी आरोप लगाया। धर्म जागरण समन्वय कुमाऊं संभाग संगठन से जुड़े लोगों ने एसएसपी से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई है। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में कुमाऊं संयोजक मनोज सिंह पवार, जिला संयोजक कमल बिष्ट, जिला सह संयोजक अनिल वर्मा, नगर संयोजक दीप जोशी, प्रांत संस्कृति प्रमुख अरविंद चंद्र जोशी, विभाग संयोजक हिमांशु साह, विभाग संयोजक नीरज थापा, अनिल मेहरा, पार्षद अमित साह मोनू, अर्जुन बिष्ट, अभिषेक जोशी, सूरज वाणी, आशीष भारती, राहुल बिष्ट समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धर्म जागरण समन्वय कुमाऊं सम्भाग संगठन ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपा।

पूर्णागिरि धाम के पुजारी महेश तिवारी का निधन

टनकपुर : पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी के बड़े भाई 60 वर्षीय पंडित महेश चंद्र तिवारी का निधन हो गया। रात में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को बूम स्थित कांकर घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र संजय तिवारी ने दी। उनके निधन पर मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष भुवन पांडे, शंकर तिवारी, पंकज तिवारी, महेश पांडे, मोहन पांडे, रमेश तिवारी, भैरव पांडे, हरीश भट्ट ने शोक जताया है।

महेश तिवारी (फाइल)।

महिलाओं के विकास सरकार गंभीर: पार्वती

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: बागेश्वर की विधायक पार्वती दास ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। सरकार की योजनाओं से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाल में प्रस्तुत बजट में भी महिलाओं के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट के मार्गदर्शन में महिला मोर्चा द्वारा विवेकानंद विद्या मंदिर, मंडलसेरा में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विधायक पार्वती दास ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम की संयोजिका रेखा गोस्वामी एवं सह-संयोजिका आशा फुलारा तथा भावना गढ़िया ने बजट में महिलाओं के हित में किए गए प्रावधानों की जानकारी दी। चौपाल में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या,बसंती देव, सुनीता टम्टा, नगर पंचायत कपकोट की अध्यक्ष गीता ऐठानी, लीला आर्या, ज्योति एवं मंजू आदि रहे।

संघर्ष के बिना सफलता नहीं मिलती।
–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

असहज करते आंकड़े

लोकसभा में पेश देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के सरकारी आंकड़े भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर किंचित असहज करने वाले हैं। पिछले 13 महीनों में 377 विमानों में बार-बार आने वाली तकनीकी खराबियां तथा ऑडिट किए गए लगभग आधे विमानों में दोहराई जाने वाली गड़बड़ियां मिलना चिंता का सबब है। सवाल स्वाभाविक है कि क्या भारतीय विमान यात्रियों की यात्रा असुरक्षित हो चुकी है, इसके पीछे निजी विमानन की होड़ तथा नियामक एजेंसियों की विफलता कितनी जिम्मेदार है?

विमानन उद्योग में छोटी-मोटी तकनीकी खामियां सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानी जाती हैं। 'रिकरिंग डिफेक्ट' का अर्थ यह नहीं कि हर उड़ान दुर्घटना के कगार पर है। परंतु जब वही गड़बड़ी बार-बार सामने आए, तो यह रख-रखाव, निरीक्षण या प्रणालीगत खामी का संकेत हो सकता है, यही चिंताजनक है। भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। सस्ती हवाई यात्रा और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने यात्री संख्या में भारी वृद्धि की, पर रखरखाव, अवसंरचना और नियामकीय निगरानी उसी अनुपात में मजबूत नहीं हुई। डीजीसीए जैसी नियामक संस्था को विमानों की नियमित जांच, ऑडिट और अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, क्योंकि एक ही प्रकार की खराबियों का दुहराव केवल एयरलाइंस की समस्या नहीं, बल्कि निगरानी तंत्र की भी परीक्षा है। देखना होगा कि लगातार खराबी के कारण क्या हैं, विमानों का पुराना होना, जिनमें तकनीकी समस्याओं की आशंका अधिक होती है, या फिर प्रतिस्पर्धा की होड़ में लागत घटाने का दबाव अक्सर मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता को प्रभावित करने के साथ रखरखाव की गुणवत्ता पर असर डाल रहा है। इसके अलावा मानव संसाधन और प्रशिक्षण, तकनीकी कर्मियों की कमी या उनकी थकान भी इसकी वजह हो सकती है। हम विमान को जमीन पर रख कर राजस्व नुकसान के भय से सामान्य गड़बड़ी के बावजूद सीमित उड़ान की अनुमति दे देते हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप में नियामक एजेंसियां काफी कठोर ऑडिट और दंडात्मक प्रावधान लागू करती हैं। उदाहरण के तौर पर, बोइंग 737 मैक्स संकट के बाद अमेरिकी नियामक ने पूरे बेड़े को ग्राउंड कर दिया था। यूरोप में भी गंभीर तकनीकी गड़बड़ी पर तत्काल उड़ान रोकने का प्रावधान है। भारत में भी ऐसी शक्तियां मौजूद हैं, परंतु उनका प्रयोग कितनी दृढ़ता से होता है, यही मूल प्रश्न है, हालांकि यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि भारत में हवाई यात्रा व्यापक रूप से असुरक्षित हो चुकी है। परंतु चेतावनी संकेत साफ हैं।

सरकार को डीजीसीए की क्षमता, तकनीकी स्टाफ और ऑडिट प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना होगा। एयरलाइंस को लाभ से पहले सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। बेड़े का आधुनिकीकरण, पारदर्शी रख-रखाव रिपोर्टिंग और तकनीकी कर्मियों में निवेश अनिवार्य है। यात्रियों की भी भूमिका है। तकनीकी गड़बड़ी के कारण देरी पर असंतोष स्वाभाविक है, पर सुरक्षा जांच में समय लगना बेहतर है, बनिस्बत जोखिम उठाने के। शिकायत तंत्र का उपयोग, पारदर्शिता की मांग और जागरूकता, ये सब दबाव बनाते हैं कि प्रणाली बेहतर हो।

प्रसंगवश

बदले में हम पहाड़ों को क्या दे रहे हैं!

पहाड़ और समुद्र दो ऐसी चीजें हैं, जिनका आकर्षण कभी खत्म नहीं होता। मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों को पहाड़ हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। आदमी के मन को बरबस अपनी ओर खींच लेने वाले पहाड़ सैलानियों को वर्षों से ठंडी हवाओं, एकांत शांति और सुकून का आश्वासन देते रहे हैं। आज भी पहाड़ का यह आश्वासन आदमी को अपनी ओर खींच कर मंत्र मुग्ध, चकित कर देता है, पर इन सबके बीच सवाल यह है कि हम पहाड़ को क्या दे रहे हैं? बीते वर्षों में पहाड़ पर जाने वालों का एक ऐसा तबका उभरा है, जो स्वयं पहाड़ की शांति में खलल डालने लगा है।

पुरानी अवधारणा के अनुसार पर्यटन और तीर्थाटन में ज्यादा अंतर नहीं था। सही मायने में तीर्थाटन के मतलब को समझा जाए, तो उसमें काफी दिक्कतें हैं, शारीरिक कष्ट शामिल हैं। उत्तराखंड के संदर्भ में तीर्थ यात्रा का मतलब यही दुख और कष्ट था। कल के हिसाब से पर्यटन का अर्थ था, एक लंबी यात्रा, जिसे गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ लोग कष्टदायक नहीं मानते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज पर्यटन और तीर्थाटन दोनों के मतलब बदल गए है।

दीपक नौगांई
लेखक

गर्मियों में पहाड़ की ओर प्रस्थान करने का प्रबंध अंग्रेजों ने किया था। वे गर्मियों में अपनी राजधानी को दिल्ली से उठाकर नैनीताल या शिमला ले जाते थे। तब कई जगहों पर तो भारतीयों का प्रवेश एक तरह से वर्जित ही था, लेकिन आजादी की बाद पहाड़ अंग्रेजी साहबों के कब्जे से आजाद होकर हिंदुस्तानी साहबों के कब्जे में आ गए। बीते 10-15 सालों में पहाड़ पर जाने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एक नए धनाढ्य वर्ग का जन्म हुआ है, जो वीकेंड पर सारे तामझाम के साथ अपने वैभव का प्रदर्शन करने हिल स्टेशन पहुंच जाता है।

पहाड़ तो हमेशा चुप रहते हैं। पता नहीं पहाड़ ऐसे सैलानियों को किसी विस्मय से देखते हैं या नहीं पर वे पहाड़ को किसी विस्मय से नहीं देखते। अगर झील नगरी नैनीताल की बात करें, तो अब यह एक कंक्रीट जंगल में बदल गया है। पहले जाड़ों में यहां बहुत कम पर्यटक आते थे, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांति नहीं है। सीजन के समय मल्लीताल बाजार से नीचे उतरें, तो फ्लैट कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर नाज-नखरे सहने को बाध्य हैं। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर कोई पहाड़ से पूछे कि उसके क्या हालात हैं। क्या पर्यटकों की भीड़ से पहाड़ खुश हैं। इस तरह का पर्यटन पहाड़ विरोधी सभ्यता को जन्म देता है, जो किसी न किसी रूप में पहाड़ के गरिमामय जीवन के मूल्यों पर एक तरह से कुठाराघात ही करता है। क्या नैनीताल, मसूरी, शिमला या कुल्लू मनाली इस तरह के पर्यटन और पर्यटकों की भीड़ को सहने का सामर्थ्य रखते हैं।

नए सैलानी आज अपनी चीजों और पैसों का प्रदर्शन करने ही पहाड़ जाते हैं। पहाड़ क्या चाहता है, उन्हें इससे कोई मतलब नहीं। देखा जाए तो आज पहाड़ों में बचा ही क्या है? पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं, ताकि लोग आराम से अपनी महंगी गाड़ियों में बैठकर पहाड़ को रौंद सके। अब इससे पहाड़ धंस जाए और भूस्खलन ज्यादा होने लगे, तो इससे किसी को क्या मतलब। कल क्या होगा इसकी चिंता आज क्यों करे आदमी?

प्रधानमंत्री का मलेशिया दौरा और उम्मीदें

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया दौरे पर जा रहे हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा। यह यात्रा भविष्य की वैश्विक रणनीति की दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

जब एशिया की जियोपॉलिटिक्स अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा की तेज लहरों से घिरी हुई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 7-8 फरवरी का मलेशिया दौरा दूरदर्शी कदम के रूप में उभरता है। अगस्त 2024 में संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने के बाद यह पहला बड़ा अवसर है, जब दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा और चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन का स्पष्ट, सशक्त और आत्मविश्वासी संदेश भी प्रस्तुत करेगा।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब औपचारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यही सशक्त डायस्पोरा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर की मुलाकात में व्यापार, निवेश, डिफेंस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरगामी निर्णय होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णायक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पाम ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स और तेल-गैस संसाधन भारत की बढ़ती आवश्यकताओं को मजबूती देंगे, जबकि भारतीय आईटी, फार्मा और स्टार्टअप सेक्टर मलेशियाई बाजार में नए अवसरों की खोज करेंगे। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था सुधारने और सप्लाई चेन को सशक्त बनाने पर ठोस सहमति बना सकते हैं। इंडो-पैसिफिक व्यापार गलियारों को गति देकर चीन पर निर्भरता घटाने का प्रयास भी इस एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

ऊर्जा क्षेत्र में यह दौरा भविष्य की हरित क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने की पूरी क्षमता रखता है। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ऊर्जा संक्रमण पर सहयोग के नए द्वार खुलने की प्रबल संभावना है। मलेशिया के तेल और गैस संसाधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे, जबकि भारत की उन्नत सोलर और विंड तकनीक मलेशिया को नेट-जीरो लक्ष्य के और अधिक निकट पहुंचाएगी। ऊर्जा संक्रमण से जुड़े संभावित समझौते दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक साझा और प्रभावी मोर्चे पर खड़ा करेंगे। यह साझेदारी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

मैरिटाइम सिक्योरिटी इस यात्रा का सबसे संवेदनशील, रणनीतिक और महत्वपूर्ण पक्ष है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुका है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता होगी। मलक्का जलडमरू मध्य की सुरक्षा वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा है, जिसकी स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है। यह सहयोग समुद्री सुरक्षा को नई दिशा देगा, जहां साझेदारी टकराव पर भारी पड़ेगी।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की नेतृत्व भूमिका इस दौरे के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावशाली होगी। एक्ट ईस्ट नीति और मलेशिया की लुक ईस्ट रणनीति का संगम एक मजबूत और संतुलित क्षेत्रीय ढांचा तैयार करेगा। इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर होने वाली चर्चा सुरक्षित, पारदर्शी और स्थिर व्यापार मार्गों के विकास में सहायक होगी। क्वाड, आसियान और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के साथ समन्वय बढ़ने से क्षेत्र में संतुलित शक्ति व्यवस्था स्थापित होगी। निवेश के क्षेत्र में यह यात्रा अवसरों के नए द्वार खोलने वाली सिद्ध होगी।

मलेशियाई कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। सीईओ फोरम में होने वाले समझौते रोजगार सृजन, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय निवेशकों और सरकारों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएगा। मोदी की उद्योगपतियों से मुलाकात एफडीआई को विशेष रूप से ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करेगी। यह निवेश साझेदारी आपसी विश्वास, स्थायित्व और दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार बनेगी।

सॉफ्ट पावर के क्षेत्र में भी यह दौरा गहरा और दूरगामी प्रभाव डालेगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और हेल्थ टेक में बढ़ता सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मानवीय और संवेदनशील आधार प्रदान करेगा। महामारी के बाद हेल्थ टेक और वैक्सीन सहयोग की बढ़ती अहमियत इस साझेदारी को और सुदृढ़ बनाएगी। छात्र विनिमय कार्यक्रम और शोध साझेदारियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन-संपर्क से दोनों समाजों के बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। यह यात्रा प्रमाणित करेगी कि कूटनीति केवल समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली निरंतर प्रक्रिया भी है।

यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

आमने सामने

उत्तर के लोग तमिलनाडु में टेबल साफ करने आ रहे हैं। वे यहां मजदूरी, पानी पूरी बेचने आते हैं, क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है। इसके उलट हमारे बच्चे विदेश जाते हैं, क्योंकि हम दो-भाषा नीति का पालन करते हैं और हमने अंग्रेजी अच्छी तरह सीखी है।

–एमआरके पनीरसेल्वम
कृषि मंत्री, तमिलनाडु सरकार

आपकी कुंठा का इलाज तो नहीं है पन्नीरसेल्वम जी, लेकिन आपकी भ्रांतियां अवश्य दूर कर सकता हूं। यहां के बच्चे UPSC, IAS, IPS जैसी परीक्षाओं में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। IIT, AIIMS और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में बिहार के युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

–अशोक चौधरी
मंत्री, बिहार सरकार

एआई किसानों के लिए क्रांति या संकट!

जयदेव राठी
अधिवक्ता

एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कृषि क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक गेम चेंजर के रूप में पेश किया है। अपने बजट भाषण में उन्होंने रिकॉर्ड 11 बार एआई का जिक्र किया और 'भारत विस्तार' नामक एक बहुभाषी एआई प्लेटफॉर्म की घोषणा की। सवाल यह है कि क्या यह तकनीकी हस्तक्षेप वाकई भारत के लगभग 14 करोड़ किसानों की तस्वीर बदल सकेगा, या यह महज एक और सरकारी घोषणा बनकर रह जाएगी?

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से लगभग 7% अधिक है। इसमें सबसे उल्लेखनीय है 'भारत विस्तार' प्लेटफॉर्म की स्थापना। यह एक बहुभाषी एआई टूल है, जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की सत्यापित कृषि पद्धतियों को एआई सिस्टम के साथ एकीकृत करेगा।

इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को कई सुविधाएं मिलेंगी। मिट्टी की गुणवत्ता, जलवायु परिस्थितियों और फसल के आधार पर विशिष्ट सुझाव। सटीक और स्थानीय मौसम की जानकारी, जो सिंचाई और बुआई के फैसलों में मदद करेगी। फसलों में लगने वाली बीमारियों की शीघ्र पहचान और समाधान। फसलों के सही दाम और बाजार की मांग की जानकारी। किसानों को उनकी अपनी भाषा में सलाह, जिससे डिजिटल विभाजन कम होगा। इसके अतिरिक्त, बजट में 'कृषि साथी' नामक एआई चैटबॉट की भी घोषणा की गई है, जो वॉयस और वीडियो के माध्यम से किसानों के सवालों का जवाब देगा। पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम, नारियल प्रोत्साहन योजना जो एक करोड़ किसानों समेत तीन करोड़ लोगों को लाभान्वित करेगी और 500 जलाशयों के एकीकृत विकास की भी योजना है।

आधुनिक तकनीक और एआई के सही इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव संभव हैं। सबसे पहले, प्रिसिजन फार्मिंग के माध्यम से संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग किया जा सकता है। एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए, जिससे लागत में 20-30% तक की कमी आ सकती है।

दूसरा, समय पर सही जानकारी मिलने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। मौसम का सटीक पूर्वानुमान, बीमारियों की शीघ्र पहचान और बाजार की सही जानकारी से किसान बेहतर फैसले ले सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे उपज में 15-25% तक की वृद्धि संभव है। तीसरा, जोखिम प्रबंधन में सुधार होगा। एआई सिस्टम ऐतिहासिक डेटा और वर्तमान परिस्थितियों के विश्लेषण से फसल विफलता के जोखिम को पहले से भांप सकता है और निवारक उपाय सुझा सकता है। यह खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो एक ही फसल पर निर्भर रहते हैं।

चौथा, बाजार से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को सीधे खरीदारों से जोड़ सकते हैं, बिचौलियों की भूमिका कम कर सकते हैं और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिला सकते हैं। कई किसान संगठन और कृषि स्टार्टअप इस दिशा में पहले से काम कर रहे हैं।

एआई की इन संभावनाओं के बावजूद, भारतीय कृषि क्षेत्र में इसके व्यापक कार्यान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर छोटे और सीमांत किसानों में डिजिटल साक्षरता की गंभीर कमी है। जो किसान 85% कृषक समुदाय का हिस्सा हैं, उनमें से अधिकांश स्मार्टफोन का बुनियादी उपयोग तो कर लेते हैं, लेकिन एआई-आधारित जटिल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। एक औसत भारतीय किसान की उम्र 50 वर्ष से अधिक है और उनमें से कई अनपढ़ या अर्ध-साक्षर हैं।

यदि 'भारत विस्तार' जैसे प्लेटफॉर्म को सफल बनाना है, तो सिर्फ बहुभाषी इंटरफेस काफी नहीं है। किसानों को इन तकनीकों के उपयोग का व्यापक प्रशिक्षण देना होगा, जिसके लिए जमीनी स्तर पर कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में आवश्यकता होगी। भारत के लगभग 6.44 लाख गांवों में से 6.13 लाख से अधिक गांवों में 3G/4G इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं। बाकि गांवों में अभी भी मोबाइल कनेक्टिविटी और इंटरनेट की सुविधा नहीं है, जहां इंटरनेट उपलब्ध है, वहां भी कनेक्टिविटी अस्थिर और धीमी है।

एआई-आधारित प्लेटफॉर्म को काम करने के लिए स्थिर और तेज इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत होती है। बिना मजबूत डिजिटल अवसंरचना के, ये सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) और भारतनेट परियोजना के माध्यम से ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका कार्यान्वयन अभी भी अपर्याप्त है।

सोशल फोरम

पीर डोले शाह के 'चूहे'

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरात जिले में पीर डोले शाह की मज़ार है। पीर साहब का दावा था कि वो बांझ औरतों को औलाद दे सकते हैं, परंतु उनकी शर्त ये थी कि औरतें अपना पहला बच्चा उनकी दरगाह पर पीर की सेवा के लिए छोड़ जाएंगी। ये परंपरा आज तक चली आ रही है। एक अनुमान के मुताबिक़ पिछले तीन सौ साल में एक लाख से ज़्यादा बच्चे दरगाह की नज़र किए गए।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

ये बच्चे जो दरगाह पर पल कर बड़े होते थे, इनकी खासियत ये थी की ये अपनी उम्र के हिसाब से शारीरिक तौर पर तो लम्बे-चौड़े, हष्ट-पुष्ट हो जाते थे, परंतु इनका सर एक-दो साल के बच्चे जितना बड़ा ही रहता था। साथ में ये मंदबुद्धि भी होते थे। दरगाह इनसे भीख मंगवा कर अपनी कमाई करती थी।

इसका कारण यह था कि यहां छोड़े गए साल-दो-साल के मासूम बच्चों को इसी उम्र से सर पर एक लोहे का हेलमेट पहना कर कस दिया जाता था। ये लोहे की टोपी सालों तक बंधी रहती थी। इससे इन बच्चों के सर के बनावट उतनी ही रह जाती थी और साथ में इनका मानसिक विकास भी रुक जाता था। इनको 'चूहों' का नाम दिया जाता था और इन्हे भीख मांगने के लिए दूर-दूर तक भेजा जाता था।

दरगाह पर हो रही इस अमानवीय हरकत की ख़बर अंग्रेज़ी हुक़ूमत तक पहुंची तो उसने इसकी जांच कराई, परंतु सबूतों और गवाहों के अभाव में ये साबित नहीं हो सका कि यहां पर रह रहे बच्चों की शारीरिक और मानसिक अपंगता का कारण क्या है?

हुक़ूमत की दख़ल के चलते दरगाह के स्थानीय अक़ीदतमंदों (श्रद्धालुओं) में नाराज़गी भी पनपने लगी। अतः अंग्रेज़ अधिकारियों ने इसे 'माइक्रोसेफली' नामक बीमारी का नाम देकर पल्ला झाड़ लिया। परंतु वो ये नहीं समझा पाए कि ये बीमारी सिर्फ दरगाह विशेष के बच्चों तक ही क्यों सीमित है?

आज़ादी के बाद भी इस मज़ार पर 'चूहों' की संख्या बेरोक-टोक बढ़ती गई। 1969 में तत्कालीन फौज़ी तानाशाह जनरल अयूब खान के आदेश पर पाकिस्तान के वक़्फ़ विभाग ने मज़ार का अधिग्रहण कर लिया। इसके चलते नए 'चूहों' की संख्या में कुछ अंतर आया, परन्तु 1977 में पाकिस्तान के तीसरे फौज़ी तानाशाह जनरल ज़िया उल हक़ की हुक़ूमत के दौरान मौलवियों की मनमानी फ़िर से शुरू हो गई। नतीजतन आज भी गुजरात शहर में दस हज़ार से ज़्यादा 'चूहे' भीख मांग कर दरगाह का खज़ाना भर रहे हैं और एक नारकीय ज़िन्दगी जीने के लिए अभिशप्त हैं। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महिला हिंसा सिर्फ घर का मामला नहीं होता

'हम औरतों की बहुत इज्जत करते हैं।' गांवों में यह वाक्य कई बार सुनने को मिलता है। पुरुषों के लिए यह एक सामान्य वाक्य था, लेकिन महिलाओं की खामोशी इसके बिल्कुल उलट कहानी कहती है। बातचीत के दौरान जैसे ही शारीरिक हिंसा का विषय आता है, महिलाओं के शब्द रुक जाते हैं और आवाज़ धीमी हो जाती है। जैसे वह इस शब्द का अर्थ अच्छे से समझ रही हों, लेकिन समाज का डर उन्हें इस पर बात करने से रोक रहा था।

गांवों में जब महिलाओं से लैंगिक हिंसा पर बात की जाती है तो शुरुआत में उनका जवाब होता है, 'थोड़ी-बहुत होती है', लेकिन उनके चेहरे और हावभाव बता देते हैं कि सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा गहरी है। वे खुलकर बात करने से डरती हैं। वहीं जब पुरुषों से इस विषय पर सवाल किया जाता है, तो उनका जवाब लगभग एक-जैसा होता है, 'हम अपनी औरतों की बहुत इज़्ज़त करते हैं, उन्हें पूरी आज़ादी दी है।'

जिया कर्मियाल
एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से घिरे गांव जखेड़ा की आबादी लगभग 600 के करीब है। आर्थिक रूप से कमजोर यह गांव शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत अधिक समृद्ध नहीं है। गांव की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है। सरकारी सेवा में उपस्थिति लगभग नगण्य है। किसानी के अलावा अधिकतर युवा सेना में कार्यरत हैं। वहीं 12वीं के बाद ज़्यादातर लड़कियों की शादी कर दी जाती है। ऐसे में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस गांव की बहुत कम लड़कियां पहुंच पाती हैं। बालिका शिक्षा का कम दर ही लैंगिक हिंसा को उभरने का मौका देता है।

गांव में बातचीत से यह भी महसूस हुआ कि सामान्य समस्याओं पर तो लोग खुलकर बातचीत करते हैं, समाधान खोजने का प्रयास करते हैं, लेकिन जैसे ही बात महिलाओं पर होने वाली हिंसा की आती है, या तो खामोशी छा जाती है या फिर इसे स्वीकार करने से ही इंकार कर देते हैं। जाहिर है कि यह इंकार पुरुषों की तरफ से आया था, लेकिन महिलाओं की खामोशी सच को बयां करने के लिए काफी था। शायद उनकी इस चुप्पी के पीछे जागरूकता की कमी, सामाजिक दबाव और बदनामी का डर होगा।

अगर हम इन अनुभवों को व्यापक संदर्भ में देखें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल घरेलू हिंसा के हजारों केस दर्ज होते हैं। देशभर में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों की संख्या चार लाख से अधिक है। यह वह आंकड़े हैं जो रिपोर्टों में दर्ज होते हैं, जबकि अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को घर का मामला बता कर दर्ज किया ही नहीं जाता है।

उत्तराखंड जैसे शांत और पहाड़ी राज्य की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। यहां दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और यौन अपराधों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में हर साल सैकड़ों ऐसे मामले सामने आते हैं, जो बताते हैं कि प्राकृतिक सुंदरता के बीच भी महिलाओं की ज़िंदगी सुरक्षित नहीं कही जा सकती है। इन आंकड़ों और जमीनी अनुभवों को जोड़कर देखें, तो यह साफ हो जाता है कि समस्या कानून की कमी की नहीं, बल्कि कार्यान्वयन, सामाजिक सोच और चुप्पी की संस्कृति की है। जब तक हिंसा को 'घर का मामला' कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक महिलाएं न्याय और सुरक्षा से दूर ही रहेंगी।

सवाल उठता है कि क्या महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए, अपने सम्मान के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए खुद खड़े होने का पूरा मौका मिलता है? और सबसे अहम सवाल क्या हमारे समाज में महिलाएं कभी सच में हिंसा मुक्त जीवन जी पाएंगी?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

काकतीय विरासत की यात्रा वारंगल और कोटा गुल्लू

राजीव सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार, नोएडा

हैदराबाद घूमने के बाद हमारा अगला पड़ाव तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर वारंगल था। सड़क मार्ग से लगभग 170 किलोमीटर की दूरी हमने रास्ते में एक जगह रुकते हुए चार घंटे में तय कर ली। वारंगल एक ऐतिहासिक शहर होने के साथ मंदिरों और स्मारकों की भूमि है। इसे किंवदंतियों का शहर भी कहा जाता है। 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच यह काकतीय राजवंश की राजधानी था। वारंगल का गौरवशाली अतीत यहां के स्मारकों में देखा जा सकता है। वारंगल किला, हजार स्तंभों वाला मंदिर, वीरनारायण मंदिर, काकातिया रॉक गार्डन आदि की सैर के बाद हमने घनपुर जाकर कोटा गुल्लू मंदिरों को देखने का निर्णय लिया। यह स्थान वारंगल से करीब 55 किमी दूर स्थित है। स्थानीय भाषा में कोटा गुल्लू का अर्थ ‘किले के अंदर मंदिर’ बताया गया।

उत्कृष्ट वास्तुकला

घनपुर गांव उत्कृष्ट काकतीय वास्तुकला वाले कोटा गुल्लू मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां इन मंदिरों का निर्माण 13 वीं शताब्दी के आरंभ में काकतीय वंश के राजा गणपति देव के शासनकाल में हुआ था। प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर से 12 किमी दूरी पर स्थित ये मंदिर चालुक्य और काकतीय शैलियों के मिश्रण हैं। 14 वीं और 16 वीं शताब्दी के बीच मुस्लिम सेनाओं के हमलों तथा 17 वीं शताब्दी में इस इलाके में आए बड़े भूकंप में इन मंदिरों को काफी नुकसान पहुंचा था। यहां जटिल नक्काशीदार लाल बलुआ पत्थर के मंदिर, किलेबंद परिसर और खूबसूरती से डिजाइन किए गए स्तंभों वाले हॉल मध्यकालीन तेलंगाना के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक जीवन की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसी कारण यह परिसर इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों के साथ आध्यात्मिक यात्रियों के लिए दर्शनीय स्थल है।

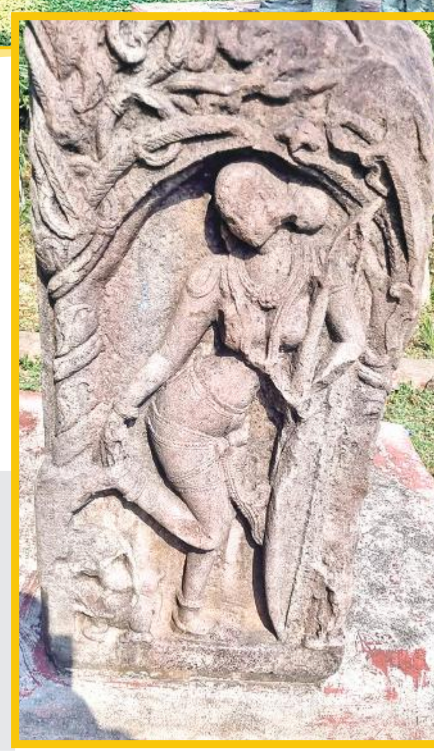

यात्रा का जीवंत केंद्र

मंदिर के लगभग 200 मीटर आगे चबूतरों पर शिलालेख वाले पत्थर और मूर्तियां स्थापित हैं। इनमें भगवान शिव और विष्णु के खड़ी मुद्रा में विभिन्न रूप दर्शाए गए हैं। यहां सबसे खास सभा मंडप के बरामदे हैं। बरामदे के उत्तरी हिस्से में दो मदनिकाएं दिखाई देती हैं। पूर्वी और दक्षिणी बरामदे गज केसरी की कई पौराणिक आकृतियों से सुशोभित हैं, जो हाथी पर सवार आधे मानव-आधे शेर की आकृति हैं और हाथी पर घोड़े के सिर वाले शेर की पीठ है। कोटा गुल्लू वास्तव में स्थापत्य चमत्कार के साथ पूजा और तीर्थयात्रा का जीवंत केंद्र है। आसपास के जिलों से श्रद्धालु नियमित रूप से मंदिरों में प्रार्थना करने और स्थानीय अनुष्ठानों में भाग लेने आते हैं।

60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम

कोटा गुल्लू में 22 मंदिर हैं, जो आकार और डिजाइन में अलग-अलग होने के साथ काकतीय लोगों का अद्भुत वास्तुशिल्प प्रदर्शित करते हैं। मुख्य मंदिर, गणपेश्वरलयम , भगवान शिव को समर्पित है और काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की पूजा की जाती है। गर्भगृह के सामने 60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम है, जिसमें तीन तरफ से प्रवेश द्वार और एक बरामदा है। गर्भगृह के द्वार के चौखटों पर द्वारपालों और उनके सेवकों की मूर्तियां बनी हुई हैं। मंडपम में दो सिर कटे ऋषियों की मूर्तियां हैं। मंदिर की वास्तुकला में जटिल नक्काशी और टिकाऊ लाल बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। मुख्य मंदिर के चारों ओर पंक्तियों में व्यवस्थित 19 सहायक मंदिर हैं, साथ ही उत्तर दिशा में एक और शिव मंदिर है। मंडपम के स्तंभ काकतीय वास्तुकला के अनुसार तराशे गए हैं और इनमें छत के बिना बीम लगे हैं। सामने की दीवारों पर देवी-देवताओं, नर्तकियों, संगीतकारों, मदनिकियों, शेरों की सुंदर मूर्तियां बनी हुई हैं।

कहां गए शांत और सुंदर पहाड़

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

पहाड़ पहले कितना शांत, सुंदर और आत्मिक सुख देने वाला हुआ करता थे। हर सुबह पक्षियों की चहचहाहट से खुलती थी, ठंडी हवा की सरसराहट से शरीर में नया जीवन भर जाता था और हर दिशा में हरियाली ऐसे लहराती थी मानो कुदरत खुद हमें आशीर्वाद दे रही हो। तब का जीवन कठिन जरूर था, पर उसमें एक मिठास थी, एक अपनापन था और सबसे बड़ी बात, एक सुरक्षित भविष्य का आभास था। बारिश तब भी होती थी। हम उसे सतझड़ कहते थे।

गांव के चारों ओर बहने वाले गधेरे (छोटे बरसाती नाले) गुस्से से सरसराते हुए बहते थे, जैसे कोई नागिन अपनी पूरी ताकत से अपनी राह बना रही हो। दूर तक फैली पहाड़ियों पर पानी ऐसे गिरता था मानो सैकड़ों झरने एक साथ फूट पड़े हों। पानी, हरियाली और प्रकृति की लयबद्ध ध्वनि यही था मेरा पहाड़, लेकिन पर आज अब तो हर दिशा में बस त्रासदी है। अब गधेरे जीवन के संकेत नहीं, बल्कि तबाही की आहट है। पानी अब जीवन नहीं, मृत्यु का संदेश लेकर आता है।

अब जब बारिश होती है, तो मन में सुकून नहीं डर पैदा होता है, कहीं भूस्खलन न हो जाए, कहीं किसी का घर जमींदोज न हो जाए। कभी प्रकृति की गोद में लोरी सुनता मेरा पहाड़ आज कराह रहा है। किसकी नजर लग गई मेरे पहाड़ को?

अब समझ आता है, यह प्राकृतिक नहीं, मानवीय त्रासदी है। आज मेरे पहाड़ की रगों में बहते पानी पर खनन माफियाओं की नजर है। जिन खेतों में हम फसलें उगाते थे, उन पर अब भू-माफियाओं की कुदृष्टि है, जो जंगल कभी हमें

जीवन देते थे, उन्हें वन माफिया बेरहमी से काट रहे हैं। यह सब एक संगठित तंत्र के तहत हो रहा है, जिसमें सरकारें भी शामिल हैं। सरकार अब पहाड़ों को बस ‘टूरिज्म जोन’ मानकर देखती है। मंदिरों की भी पवित्रता अब बाजार में तौल दी गई है, जो स्थान कभी साधना और एकांतवास के प्रतीक थे, आज वहां पर्यटकों की भीड़ है। कैमरे, हंसी-ठिठोली, शोर और प्रदूषण। न देवी-देवताओं को एकांत मिल रहा है, न पहाड़ को चैन। ऐसे में अगर शिवजी अपना तीसरा नेत्र खोलें, तो क्या गलत होगा? हमने पहाड़ की आत्मा को छलनी कर दिया है। खनन के लिए पहाड़ों का सीना चीरा जा रहा है, सड़कों के नाम पर पेड़ों की कतारें साफ की जा रही हैं, बड़े-बड़े होटल और अट्टालिकाएं बन रही हैं, जिनका फायदा केवल बाहरी लोगों को है और जब ये पहाड़ टूटते हैं, जब मलबा गांवों को बहा ले जाता है, तो मारे जाते हैं स्थानीय लोग, जिनका कसूर बस इतना है कि वे यहां रहते हैं। किसी को उनके दर्द की परवाह नहीं है। सरकारी फाइलों में बस आंकड़े दर्ज होते हैं, इतने मरे, इतना नुकसान हुआ, लेकिन उन आंकड़ों के पीछे जो जिंदगियां हैं, जो सपने हैं, उनका क्या? और सबसे दुखद बात यह है कि यह सब जानते हुए भी कोई कुछ नहीं करता। बहती गंगा में सभी हाथ धो रहे हैं। पहाड़ की आत्मा हर रोज मरती जा रही है। अब भी वक्त है, अगर अब भी नहीं चेते, तो वह दिन दूर नहीं, जब पहाड़ हमारे बचपन की स्मृति बनकर रह जाएंगे और आज के बच्चों को हम सिर्फ कहानियों में बताएंगे कि कभी यहां शांति हुआ करती थी, कभी यह धरती स्वर्ग से कम नहीं थी। क्या हम ऐसा पहाड़ अपने आने वाली पीढ़ियों को देना चाहते हैं? सोचना होगा, नहीं तो पहाड़ फिर टूटेगा और अगली बार शायद संभलने का मौका भी न मिले।

पहली जिम्मेदारी का एहसास औपचारिकताओं की चुनौती

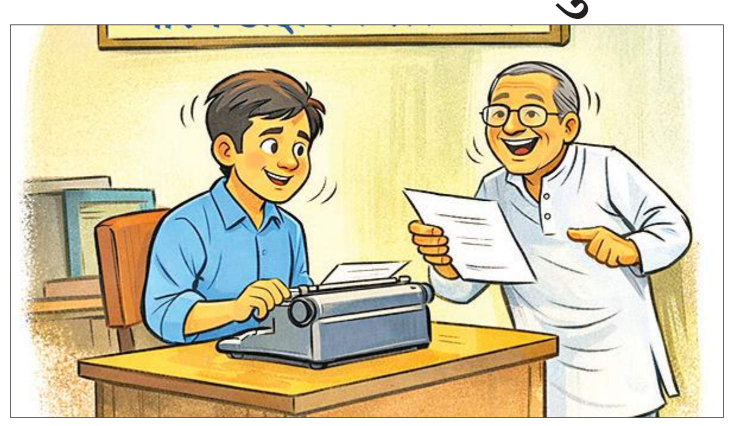

जॉब का पहला दिन

नयन कुमार सोनकर
ओ.एस.डी., जिलाधिकारी
कानपुर नगर

वर्ष 2001 को मैं शिक्षण संस्थान (गौरव टाइपिंग इंस्टिट्यूट), ईदगाह कॉलोनी में अपनी टाइपिंग मशीन पर अभ्यास कर रहा था। तभी लगभग सायं 6:00 बजे शिक्षक/मार्गदर्शक बनारसी तिवारी जी ने खुशखबरी दी कि मेरा चयन समूह ‘घ’ भर्ती परीक्षा 2001 के अंतर्गत तहसील कानपुर देहात में आशुलिपिक पद पर हो गया है। उन्होंने बताया कि दिनांक 1 दिसंबर को मूसानगर, कानपुर देहात में मुख्यमंत्री की रैली में नियुक्ति-पत्र प्राप्त होगा। यह समाचार सुनकर हम सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं और रात 9:00 बजे घर लौट आया।

1 दिसंबर की सुबह 6:00 बजे तैयार होकर संस्थान पहुंचा। वहां मेरे साथ उसी संस्थान के अन्य चयनित साथी भी उपस्थित थे। 6:15 बजे सफेद रंग की एम्बेसडर कार आई, जिसमें जिला अधिकारी कार्यालय, कानपुर देहात में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक हमें लेने आए। हम कार से ईदगाह कॉलोनी से निकलकर शहर पार करते हुए घाटमपुर तहसील पहुंचे और वहां से सामान्य लिपिक कलेक्टरेट को साथ लेकर मूसानगर के लिए रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि रैली में उच्च अधिकारी उपस्थित रहेंगे, इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है, जैसा बताया जाए, वैसा ही करना है।

कुछ समय बाद मुख्यमंत्री रैली में पहुंचे। जनता का अभिनंदन अत्यंत दर्शनीय और उल्लासपूर्ण था। रैली के दौरान ही नियुक्ति-पत्र वितरण आरंभ हुआ। पहले मेरे एक साथी का नाम पुकारा गया, फिर मुझे मंच पर बुलाया गया। जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों से मुझे नियुक्ति-पत्र प्रदान किया, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय था। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए परिश्रम और लगन से कार्य करने की सीख दी।

रैली समाप्त होने के बाद हम उसी मार्ग से लौट आए। 2 दिसंबर को रविवार होने के कारण विश्राम किया। अगले दिन ज्वाइनिंग के लिए आवश्यक कागज तैयार कराए। निर्देश मिला कि मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र बनवाकर, आवश्यक अभिलेखों सहित उप जिलाधिकारी, रसूलाबाद कार्यालय में योगदान प्रस्तुत करना है। एक मोटरसाइकिल सवार की सहायता से मैं सायं 5:40 बजे उप जिलाधिकारी महोदय के आवास पहुंचा और नियुक्ति-पत्र व अभिलेख प्रस्तुत किए। अनुमति मिलने पर जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप कराने का निर्देश मिला।

कार्यालय में जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप की। समय 6:00 बजे के आसपास हो गया, इसलिए अंतिम बस पकड़ने की सलाह दी गई। मैं रोडवेज बस से कानपुर लौटा। थकान के कारण रास्ते में नींद आ गई और रात 9:30 बजे कानपुर पहुंचकर घर पहुंचा। यह मेरी नौकरी की पहली यात्रा थी बिना किसी परिजन या मित्र के। आज नौकरी करते हुए 24 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, पर वह पहला दिन और उसकी संघर्षपूर्ण यात्रा आज भी स्मृतियों में जीवित है।

मीर तकी मीर : दर्द को शायरी बनाने वाला शायर

मीर तकी मीर सिर्फ गजल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज थे। मीर उर्दू गजल को शिखर तक पहुंचाने वाले बड़े कवि थे। उन्हें ‘खुदा-ए-सुखन’ यानी कि शायरी का खुदा कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती हैं। उर्दू ही नहीं फारसी भाषा पर भी उनकी मजबूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है, जिसमें फारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामंजस्य हो। मीर तकी मीर को उर्दू में शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया।

सुनील कुमार महला
लेखक

मीर तकी मीर का मूल नाम मोहम्मद तकी था। उनकी प्रमुख कृतियां जिक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दु रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फारसी (फारसी रचनाओं का संग्रह), फैज-ए-मीर (पांच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फारसी जुबान में लिखी तत्कालीन उर्दु रचनाकारों की जीवनियां) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे, वे ‘दर्द के शायर’ कहलाते हैं। दरअसल, मीर की जिंदगी मुफलिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में ‘हूक’ और ‘टीस’ महसूस होती है। उन्होंने खुद एकबार यह कहा था-‘मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने गम जमा किए तो दीवान किया।’

दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियां हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-‘पत्थर की भीत क्या करूं, आंसू जो ढल गए।’ नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी

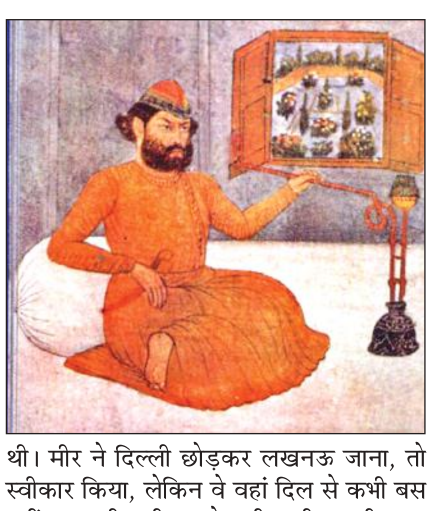

थी। मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना, तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहां दिल से कभी बस नहीं पाए। मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में ‘सहल-ए-मुमतना’ कहा जाता है-यानी ऐसी चीज, जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो।

शायर मिर्जा गालिब भी उनके कायल थे। सच तो यह है कि गालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना। गालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा-‘रेख्ते के तुम ही उस्ताद नहीं हो गालिब,कहते हैं अगले जमाने में कोई मीर भी था।’ वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-‘इब्तिदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या।’ ‘हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।’,‘नाजुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।’,‘मीर उन नीम-बाज आंखों में, सारी मस्ती शराब की सी है।’ उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्मस्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -‘शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुकाबला कौन करे।’

मीर सिर्फ उर्दू गजल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज हैं। उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे जख्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुंचाया और गजल को आत्मा की आवाज बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, प्रति किलो : लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10000, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1500, बासमती- 8400-9200, परमल- 2800-3200

दाल दलहन : काला चना- 3000-4200, साबुत चना दाल- 1200 , मूंग साबुत- 5600, राजमा- 9400-11300, दाल उड़द- 7200, साबुत मसूर दाल- 4000, मसूर दाल- 1000, उड़द साबुत- 10200, काबुली चना- 8000-10200, अरहर दाल- 10100 -11000, लोबिया/करमानी- 2900-4200

बड़ा फैसला... 1000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी का पंजीकरण अनिवार्य नहीं

एमपीसी की बैठक के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर ने की घोषणा, सार्वजनिक धन न लगा होने की शर्त लागू

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसमें शर्त लागू की गई है कि एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन न लगा हो।

फैसला- 1

मल्होत्रा ने इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया। 'आकार आधारित नियामकीय मसौदा' उन एनबीएफसी के लिए अलग नियामक व्यवस्था की परिकल्पना करता है जो सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं करती हैं और जिनका आम ग्राहक से सीधा संपर्क नहीं है। इन एनबीएफसी की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए उन पर लागू नियमों की समीक्षा की गई है। मल्होत्रा ने वर्तमान वित्त वर्ष की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि उनके काफी कम प्रणालीगत-जोखिम को देखते हुए, यह प्रस्ताव है कि 1,000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली ऐसी 'टाइप-1' एनबीएफसी को कुछ निर्दिष्ट शर्तों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकरण की जरूरत से छूट दी जा सकती है। इससे इन एनबीएफसी के लिए अनुपालन आवश्यकताओं में कमी आएगी। हितधारकों से प्रतिक्रिया के लिए जल्द मसौदा जारी होगा। मल्होत्रा ने कहा कि कुछ एनबीएफसी के लिए 1,000 से अधिक शाखाएं खोलने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता को खत्म करने का प्रस्ताव है।

एमएसएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की

फैसला- 3

मुंबई। रिजर्व बैंक ने एमएसएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर ने बैठक के बाद वित्तीय समावेशन और ऋण उठाव बढ़ाने के उपायों की घोषणा करते हुए कहा, एमएमएमई के लिए गारंटी मुक्त ऋण की सीमा काफी लंबे समय से 10 लाख रुपये है। कहा, इस पहल का उद्देश्य औपचारिक ऋण तक पहुंच बढ़ाना, उद्यमों को बढ़ावा देना और सूक्ष्म तथा मध्यम उद्यमों का वित्त पोषण है। एमएसएमई बढ़ी हुई ऋण सीमा का लाभ एक अप्रैल 2026 से प्राप्त कर सकेंगे।

बैंकों को दी जा सकती है रीट को ऋण देने की अनुमति

फैसला- 2

- कॉमर्शियल बैंकों को अब तक नहीं थी ऋण देने की अनुमति

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण के स्रोत को व्यापक बनाने के उद्देश्य से बैंकों को कुछ विवेकपूर्ण रक्षोपायों के साथ 'रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया।

रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं, जिससे निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना उससे होने वाली आय में हिस्सा पाने में सक्षम होते हैं। भारत में रीट और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) की अवधारणा संस्थानों और खुदरा निवेशकों के एकत्रित कोष के माध्यम से निवेश को पुनर्वित्त कर, पूर्ण और परिचालन वाली रियल एस्टेट व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में फंसे बैंकों के कोष को मुक्त करने के लिए की गई थी।

रिजर्व बैंक ने कहा कि इन उद्देश्यों के अनुरूप, वाणिज्यिक बैंकों को शुरुआत से ही इन संस्थाओं को ऋण देने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, बाद में इनविट्स को बैंक ऋण की अनुमति दी गई, लेकिन रीट को ऋण देने की अनुमति नहीं थी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, इनविट्स को ऋण देने के संबंध में मौजूदा दिशानिर्देशों को भी रीट को ऋण देने के लिए प्रस्तावित रक्षोपायों के साथ समानता के लिए सुसंगत बनाया जा रहा है।

सोने-चांदी की मूल्यवृद्धि से मुद्रास्फीति का अनुमान बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोना-चांदी समेत कीमती धातुओं के मूल्य में बढ़ोतरी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर शुक्रवार को 2.1 प्रतिशत कर दिया है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी अनुमान ऊपर की ओर संशोधित किए गए हैं।

केंद्रीय बैंक ने 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति क्रमशः चार प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने दिसंबर में 2025-26 के लिए इसके दो प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए महंगाई दर क्रमशः 3.9 प्रतिशत और चार प्रतिशत आंकी गई थी।

- चालू वित्त वर्ष के लिए 2.1%, अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी वृद्धि का अनुमान

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि 2026-27 की पहली व दूसरी तिमाही के लिए संशोधित सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान क्रमशः 4.0 प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत बना हुआ है। यह अनुकूल होने के साथ ही मुद्रास्फीति लक्ष्य के करीब है। उन्होंने कहा, मुद्रास्फीति अनुमान को मामूली रूप से ऊपर की ओर संशोधन मुख्यतः कीमती धातुओं के मूल्यों में बढ़ोतरी के कारण किया गया। इनका योगदान करीब 0.60 प्रतिशत से 0.70 प्रतिशत है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति अब भी निम्न स्तर पर बनी हुई है।

यूपीआई को टिकाऊ बनाने, बुनियादी ढांचे में सुधार के तरीके खोजे जाएंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक यूपीआई को हितधारकों के लिए टिकाऊ बनाने और इसके बुनियादी ढांचे में सुधार करने के तरीके खोजेगा। इससे ग्राहकों के लिए भुगतान बुनियादी ढांचे से जुड़ी चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी। इस समय यूपीआई सभी उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग मुफ्त है और बैंकों को लेनदेन करने के लिए सरकार द्वारा बजटीय सहायता के माध्यम से मुआवजा दिया जाता है।

नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर रहेंगी, एफडी पर घट जाएगा ब्याज

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा आगे इनमें और कमी भी हो सकती है। मल्होत्रा ने कहा, नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा इनमें आगे और गिरावट भी आ सकती है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि ब्याज दरों पर अंतिम फैसला एमपीसी लेगी।

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से नीतिगत ब्याज दरों को स्थिर रखने और 'रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की मंजूरी के प्रस्ताव के बाद घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 266 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 51 अंक की तेजी में रहा।

कारोबारी सत्र के अंतिम चरण में हुई लिवाली से बीएसई का 30 शेयर वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 266.47 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 83,580.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में दिन के निचले स्तर 82,925.35 से 655.05 अंक का तेज उछाल देखने को मिली। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 50.90 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,693.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बाजार में काफी उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार 723.77 अरब डॉलर पर

सर्वकालिक उच्चस्तर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इससे भी पहले सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचा था। आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं।

चांदी में 13,000 रुपये की टूट सोने 3,400 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों के लगातार दूसरे दिन मुनाफावसूली जारी रखने से चांदी लगभग पांच प्रतिशत टूटकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जबकि सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी 13,000 रुपये यानी 4.85 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। यह बृहस्पतिवार को 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपये यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसका पिछला बंद भाव 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

- निवेशकों के मुनाफा वसूली करने से आई गिरावट

गर्भ रखने को मजबूर नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ऐतिहासिक फैसला, नाबालिग को 30 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एक नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला और विशेष रूप से एक नाबालिग लड़की को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जोर देकर कहा कि गर्भवती लड़की को बच्चे को जन्म देने या नहीं देने के उसके अधिकार को उचित महत्व दिया जाना चाहिए, खासकर तब जब उसका बच्चे को जन्म देने का मन न हो और ऐसी इच्छा उसने साफ साफ शब्दों में बार बार जाहिर भी की हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुद्दा यह था कि क्या एक नाबालिग को ऐसी गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जा सकता है जो उसकी मर्जी के बिना है। न्यायालय ने माना कि यह मामला इस पर निर्भर नहीं करता कि गर्भधारण सहमति से बने संबंधों के कारण हुआ था या दुष्कर्म से। वास्तव में फैसला इस बात से तय होगा कि नाबालिग की वह स्पष्ट इच्छा क्या है और उसका मन यही है कि वह बच्चे को जन्म न दे।

हालांकि सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि एक बच्चे का जन्म अंततः एक जिंदगी को दुनिया में लाना है, लेकिन इस मामले में नाबालिग की स्पष्ट अनिच्छा सबसे महत्वपूर्ण कारक है। दोनों न्यायमूर्ति की पीठ ने मुंबई के जेजे अस्पताल को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपायों का पालन करते हुए नाबालिग लड़की के गर्भावस्था के चिकित्सकीय समापन की प्रक्रिया शुरू करें।

नाबालिग बच्चे की तो बात ही छोड़िए, अदालत किसी भी महिला को अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, अगर उसका ऐसा करने का इरादा ही नहीं हो। - **सुप्रीम कोर्ट**

प्रजनन स्वायत्तता पर मील का पत्थर : 24 सप्ताह की कानूनी सीमा पर लड़की की इच्छा को वरीयता

यह फैसला भारत में गर्भपात कानून के तहत प्रजनन अधिकारों की व्याख्या में मील का पत्थर माना जा रहा है। क्योंकि 24 सप्ताह की कानूनी सीमा के बाद भी अदालत ने लड़की की इच्छा को प्राथमिकता दी है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार गर्भपात की समय सीमा को विभिन्न श्रेणियों में निर्धारित किया गया है। सामान्य परिस्थितियों में डॉक्टर की सलाह से 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति है, विशेष श्रेणी जैसे दुष्कर्म का शिकार बनी लड़कियां, नाबालिग, विधवाओं, दिव्यांगों या गंभीर बीमार महिलाओं के लिए यह सीमा 24 सप्ताह की है। इसके लिए दो डॉक्टरों की इजाजत अनिवार्य है। यदि गर्भस्थ शिशु को गंभीर बीमारी है तो राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड की अनुमति से 24 सप्ताह बाद भी गर्भपात कराया जा सकता है। अगर गर्भवती महिला के जीवन को तत्काल कोई गंभीर खतरा हो तो कोई कानूनी समय सीमा नहीं लागू होती।

किसी व्यक्ति को सिर्फ पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को महज पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस अधिकारी की ओर से की जाने वाली गिरफ्तारी केवल एक वैधानिक विवेकाधिकार है, जिसे अनिवार्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तारी की शक्ति की व्याख्या एक सख्त वस्तुनिष्ठ आवश्यकता के रूप में की जानी चाहिए, न कि पुलिस अधिकारी की सुविधा के रूप में। इसका यह मतलब नहीं है कि पुलिस अधिकारी महज पूछताछ करने के लिए किसी को गिरफ्तार कर सकता है। इसका अर्थ यह है कि पुलिस अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि सात वर्ष तक की कारावास की सजा वाले अपराध के संबंध में जांच संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिए बिना प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ सकती। इसके विपरीत कोई भी व्याख्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(1)(ख) और धारा 35(3) से 35(6) के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से विफल कर देगी। पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत इस प्रश्न पर विचार कर रही थी कि क्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(3) के तहत नोटिस उन सभी मामलों में अनिवार्य रूप से जारी किए जाने हैं जो सात साल तक के कारावास के अपराध से संबंधित हैं।

जनता के नकारने पर कोर्ट चले आते हैं सियासी दल... जनसुराज की याचिका को किया खारिज

- प्रशांत किशोर की पार्टी ने दायर की थी बिहार चुनाव को रद्द करके दोबारा कराने के लिए याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा चुनाव निरस्त किए जाने संबंधी पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की याचिका पर शुक्रवार को खारिज कर दी।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने को कहा। पीठ ने चुनाव हारने के बाद लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करने की कोशिश को लेकर नाराजगी भी जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवालिया लहजे में कहा, आपको कितने वोट मिले, उन्होंने कहा- जब लोग आपको नकार देते हैं तो आप राहत के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं। किसी को तो उसी समय योजना को चुनौती देनी चाहिए थी। आप तो पूरे राज्य के चुनाव को अमान्य घोषित करने के लिए निर्देश चाहते हैं। पीठ ने कहा कि चूंकि यह मामला सिर्फ एक राज्य से संबंधित है, इसलिए कृपया उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं।

मुफ्त योजनाओं का मुद्दा गंभीर, पड़ताल करेंगे

न्यायालय ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं का गंभीर मुद्दा है, जिसकी वह गंभीरता से पड़ताल करेगा। दरअसल जन सुराज पार्टी ने याचिका में बिहार चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला दिया था। कहा गया था कि कर्ज में डूबी राज्य सरकार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर चुनाव से ठीक पहले 15,600 करोड़ रुपये बांट दिए, जिससे अन्य दलों को समान अवसर नहीं मिल पाया। वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि जिस योजना के तहत भुगतान किया गया था, उसकी घोषणा चुनाव से ठीक पहले की गई थी और भुगतान तब किया गया जब चुनाव आचार संहिता लागू थी।

दल बदल मामले पर तीन सप्ताह में फैसला करें तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष वर्ना अवमानना कार्यवाही

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अंतिम चेतावनी देते हुए निर्देश दिया है कि वे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने संबंधी शेष अयोग्यता याचिकाओं पर तीन सप्ताह के भीतर सकारात्मक रूप से निर्णय लें वर्ना उनके विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ शुक्रवार को 31 जुलाई 2025 के अपने उस आदेश के अनुपालन की समीक्षा कर रही थी, जिसके तहत अध्यक्ष को कांग्रेस में शामिल होने वाले बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि दिसंबर 2025 में सात याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था, जबकि तीन अभी भी लंबित हैं। तेलंगाना राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ को सूचित किया कि लंबित तीन मामलों में से एक पर निर्णय ले लिया गया है और शेष दो पर प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

लोकसभा में गतिरोध बरकरार, हंगामे के बीच कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर शुक्रवार को भी गतिरोध बरकरार रहा और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन में सोमवार से गतिरोध बना हुआ है और कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देते हुए चीन से टकराव का मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं मिलने, विपक्ष के आठ सदस्यों को आसन की अवमानना के मामले में निलंबित करने समेत कई मुद्दों पर हंगामा कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री के जवाब के बिना पारित कर दिया गया था। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को जब एक बार के स्थगन के बाद शुरू हुई तो स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। विपक्षी सदस्यों ने आसन के समीप 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'जो उचित समझो, वो करो' (नरवड़े के संस्मरण का एक वाक्य) के नारे लगाए।

विपक्ष ने लगाए 'जो उचित समझो, वो करो' के नारे

संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के सांसदों ने प्रदर्शन किया।

विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने अमेरिका के साथ देश के व्यापार समझौते, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विवाद और लोकसभा से आठ सदस्यों के निलंबन को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। लोकसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित होने के बाद विपक्षी सांसद संसद के मकर द्वार के निकट एकत्र हुए और उन्होंने 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' जैसे नारे लगाए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नरवणे के संस्मरण में उद्धृत एक अंश का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष कटाक्ष किया, जो उचित समझो, वो करो। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संसद के वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि से निलंबित किए गए सांसद और कई अन्य सांसद इसमें शामिल हुए। उन्होंने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का हवाला देते हुए 'ट्रैप डी' लिखा हुआ था।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का शुक्रवार को सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रक्षेपण के दौरान सभी संचालन एवं तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

हिमंत के सांप्रदायिक बयानों का संज्ञान ले असम हाईकोर्ट

गुवाहाटी, एजेंसी

- शिक्षाविदों, चिकित्सकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों समेत 40 प्रमुख नागरिकों ने की अपील

शिक्षाविदों, चिकित्सकों, लेखकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों समेत 40 से ज्यादा जाने-माने नागरिकों ने पत्र लिखकर गुवाहाटी हाईकोर्ट से अपील की है कि वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के एक खास समुदाय के खिलाफ हाल ही में दिए गए बयानों पर स्वतः संज्ञान ले। इन लोगों ने कहा है कि संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ चुप्पी या निष्क्रियता संविधान की नैतिक शक्ति को कमजोर कर सकती है।

मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार को बृहस्पतिवार को लिखे एक पत्र में नागरिकों ने हाईकोर्ट का ध्यान हिमंत विश्व शर्मा के उन सार्वजनिक बयानों की ओर आकृष्ट किया है उच्च जो प्रथमदृष्टया नफरती भाषण, सरकारी धमकी और एक खास समुदाय को खुलेआम बदनाम करने जैसे हैं। पत्र में मुख्यमंत्री की 'मियां' (बांग्ला भाषी मुसलमानों) के खिलाफ टिप्पणियों का जिक्र किया गया है।

सरकार गठन में कुकी विधायकों की भागीदारी का विरोध, रैली निकाली

- मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में विरोध प्रदर्शन में हजारों शामिल

इंफाल/चूराचांदपुर, एजेंसी

मणिपुर में सरकार गठन में कुकी समुदाय के तीन विधायकों की भागीदारी के खिलाफ राज्य के तीन पहाड़ी जिलों में हजारों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित विधायकों पर समुदाय के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

चूराचांदपुर में प्रदर्शनकारियों ने कुकी विधायक नेमचा किपगेन, जो समुदाय से आने वाले एलएम खौते और हमार जनजाति से ताल्लुक रखने वाले एन सनाते के पुतले जलाए। ये तीनों ही विधायक सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े हुए हैं। किपगेन ने राज्य की नवगठित सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। कांगपोकपी और तेंगनुपाल जिलों में भी विरोध रैलियां निकाली गईं। चूड़ाचांदपुर में कुकी महिला मानवाधिकार संगठन (केडब्ल्यूओएचआर) और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच की महिला शाखा ने सरकार गठन में किपगेन की भागीदारी के विरोध में संयुक्त रूप से रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने कोइटे मैदान से स्मृति दीवार तक लगभग तीन किलोमीटर मार्च किया।

विधायकों के घर की बढ़ाई गई सुरक्षा

विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर चूराचांदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल जिलों में तीनों विधायकों के आवासों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। इस बीच, नवगठित सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले गोविंदास कोंथौजम ने कहा कि चूड़ाचांदपुर में थोड़ी अशांति है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारी अपना गुस्सा और असंतोष जाहिर कर रहे हैं। कुछ नहीं होगा। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

आसमान में तैरती मौत की डोर

चाइनीज मांझा

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाल ही में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एक युवा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव मोहम्मद शोएब अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी हवा में लहराते हुए चाइनीज मांझे ने उनकी गर्दन को रेत दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है; पिछले कुछ महीनों में जौनपुर, मेरठ और शाहजहांपुर जैसे शहरों से भी ऐसी ही रूह कंपा देने वाली खबरें आई हैं। जिसे हम चाइनीज मांझा कहते हैं, वह अब केवल पतंगबाजी का शौक नहीं, बल्कि सड़कों पर मौत का जाल बन चुका है। चाइनीज मांझा पर कानूनी रोक के बावजूद इसकी बिक्री जारी है, जो प्रशासन की विफलता और समाज की लापरवाही का परिणाम है। यह समझना जरूरी है कि चंद रुपयों का मजबूत मांझा किसी के घर का चिराग बुझा सकता है।

क्या है चाइनीज मांझा

- आम धारणा के विपरीत, अधिकांश चाइनीज मांझा चीन से नहीं आता, बल्कि इसका नाम इसकी मजबूती और सिंथेटिक बनावट के कारण पड़ा है।
- बनावट : यह पारंपरिक सूती धागे के बजाय नायलॉन या प्लास्टिक (सिंथेटिक) जैसे मोनोफिलामेंट धागे से बना होता है।
- घातक कोटिंग : इस धागे पर पिसे हुए कांच, लोहे के चूरे, टंगस्टन कार्बाइड और औद्योगिक गोंद की परत चढ़ाई जाती है।
- क्यों है जानलेवा : नायलान का बना यह धागा इतना मजबूत होता है कि त्वचा, नसें और पतली हड्डी को भी आरी की तरह काट सकता है।

सरकारों का कदम और अदालती आदेश

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) : 2017 में ही एनजीटी ने पूरे देश में नायलॉन या किसी भी सिंथेटिक मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।
- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट : विभिन्न अदालतों ने सरकारों को फटकार लगाते हुए इस पर प्रभावी रोक लगाने और पीड़ितों को मुआवजा देने की नीति बनाने के निर्देश दिए हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार की सख्ती : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हालिया मौतों के बाद कड़े आदेश दिए हैं। अब यूपी में चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को 'हत्या' की श्रेणी में रखकर मुकदमा चलाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे राज्य में छापेमारी और अवैध बिक्री करने वालों पर रासुका जैसी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 : इसके तहत दोषी पाए जाने पर 5 साल की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

डराता हुआ सच

- उत्तर प्रदेश के आंकड़े : अकेले पिछले एक साल में यूपी में कम से कम 6 लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। जौनपुर में एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक प्रोफेसर की मौत हुई, जबकि मेरठ और अलीगढ़ में भी युवाओं ने अपनी जान गंवाई।
- राष्ट्रीय स्थिति : दिल्ली, राजस्थान (जयपुर/कोटा) और तेलंगाना (हैदराबाद) में मकर संक्रांति और स्वतंत्रता दिवस के आसपास मौतों का ग्राफ तेजी से बढ़ता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि पिछले दो वर्षों में दिल्ली, यूपी और राजस्थान में कम से कम 15 मौतें दर्ज की गई हैं।

सुरक्षा के उपाय

- बाइक चलाते समय फुल-फेस हेलमेट पहनें और उसका वाइजर नीचे रखें। गले में मफलर या कोई मोटा कपड़ा लपेटें। फ्लाईओवर्स और ब्रिज पर बाइक की रफ्तार धीमी रखें। बाइक के हैंडलबार पर यू-गार्ड लगवाएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जब्त किए दो विदेशी तेल टैंकर

मस्कट। ईरान ने फारस की खाड़ी में ईंधन की कथित तस्करी कर रहे दो विदेशी तेल टैंकर को जब्त किया है। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट में इन टैंकर की राष्ट्रीयता का उल्लेख नहीं किया गया और न ही यह बताया गया कि उन पर किस देश का झंडा था। रेवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के क्षेत्रीय कमांडर जनरल हैदर होनारियन मोजर्रद ने कहा कि टैंकर डीजल समेत लगभग 10 लाख लीटर ईंधन (लगभग 6,300 बैरल) ले जा रहे थे और उन्हें फारसी द्वीप के पास जब्त कर लिया गया तथा बुशहर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों टैंकर पर सवार चालक दल के 15 सदस्य न्यायिक निकायों की हिरासत में हैं लेकिन उन्होंने उनकी राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं दी।

जिमी लाई को सोमवार को सुनाई जाएगी सजा

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराए जाने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। अब बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है।

नेपाल में बस दुर्घटना में 13 लोगों की गई जान

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को ले जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। इलाज के दौरान पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। यह हादसा गुरुवार को नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश में हुआ था। आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

तुर्की में मोसाद के लिए जासूसी में दो गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्की के अधिकारियों ने इजराइल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के लिए जासूसी करने के संदेह में इस्तांबुल में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। संदिग्धों को मोनिटम नामक एक जासूसी अभियान के तहत हिरासत में लिया गया। यह अभियान अभियोजक कार्यालय और इस्तांबुल पुलिस विभाग की आतंकवाद विरोधी शाखा के समन्वय में तुर्की के राष्ट्रीय खुफिया संगठन द्वारा चलाया गया था। दोनों संदिग्धों ने मुख्य रूप से इजराइली नीतियों का विरोध करने वाले फिलिस्तीनियों से संपर्क कर खुफिया जानकारियां एकत्र की।

अमेरिका ने दी अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की चेतावनी

ईरान में वर्चुअल यूएस एंबेसी ने कहा-खुद निकलें, मदद का इंतजार न करें

- दोनों देशों के बीच बढ़ते हुए तनाव को देखते हुए जारी किया परामर्श

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में में रह रहे अपने नागरिकों को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर चेतावनी जारी की है और उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी है। ईरान में वर्चुअल यूएस एम्बेसी की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक ईरान से प्रस्थान की ऐसी योजना बनाएं जो अमेरिकी सरकार की सहायता पर निर्भर न हो, क्योंकि सुरक्षा जोखिम, अशांति और अचानक यात्रा बाधित होने की आशंका बढ़ गई है।

यह चेतावनी ओमान में शुक्रवार को अमेरिका-ईरान वार्ता से ठीक पहले जारी की गई है। दूतावास ने सड़क बंदी, सार्वजनिक परिवहन में व्यवधान, व्यापक इंटरनेट प्रतिबंध और उड़ानों के रद्द होने का उल्लेख किया है। हाल के सप्ताहों में तनाव और बढ़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खाड़ी क्षेत्र में जहाजों का बेड़ा तैनात करने की घोषणा की थी, जिसमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके एस्कॉर्ट जहाज शामिल हैं। परामर्श में कहा गया है कि इंटरनेट व्यवधान जारी रह सकते हैं, इसलिए वैकल्पिक संचार व्यवस्था अपनायें। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर नागरिकों को आर्मेनिया या तुर्किये के रास्ते जमीनी मार्ग से निकलने पर विचार करने की सलाह दी गई है। उड़ानें थोड़ी सूचना पर रद्द या बाधित हो सकती हैं, इसलिए एयरलाइंस से सीधे पुष्टि करने को कहा गया है। जो लोग तुरंत नहीं निकल सकते, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रहने, भोजन-पानी-दवाइयों का पर्याप्त भंडार रखने, प्रदर्शनों से दूर रहने और लो-प्रोफाइल बने रहने की सलाह दी गई है। स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, फोन चार्ज रखने, परिजनों से नियमित संपर्क बनाए रखने और रीयल-टाइम सुरक्षा अपडेट के लिए स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम में पंजीकरण कराने को कहा गया है।

ईरान ने सैन्य बेस पर तैनात की बैलिस्टिक मिसाइल

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी नवीनतम लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खोर्रमशहर-4 को एक सैन्य अड्डे पर तैनात कर दिया है। यह मिसाइल आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स द्वारा संचालित एक नए सैन्य स्थल के उद्घाटन के दौरान प्रदर्शित की गई। खोर्रमशहर-4 की मारक क्षमता 2,000 किलोमीटर है और यह 1,500 किलोग्राम तक का वारहेड ले जाने में सक्षम है। आईआरजीसी के राजनीतिक मामलों के उप कमांडर ब्रिगेडियर जनरल यदोल्लाह जावानी ने कहा कि मिसाइल का प्रदर्शन अमेरिका को यह संदेश देने के लिए था कि ईरान अपनी रक्षा क्षमताओं से पीछे हटने का इरादा नहीं रखता।

दोनों देशों में दूसरे दौर की वार्ता शुरू

तेहरान। ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का दूसरा चरण ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो गया है। ईरान की आधिकारिक संवाद समिति इरना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पहले चरण में विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नेतृत्व वाले ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी योजना ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद बिन हमूद अल्बुसैदी को दी। इसके बाद ओमानी विदेश मंत्री ने इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के नेतृत्व वाली अमेरिकी वार्ता टीम तक पहुंचाया। दूसरे चरण में ईरान के प्रस्ताव पर अमेरिकी दल की प्रतिक्रिया ईरानी पक्ष को भेजी जाएगी।

बांग्लादेश से भारत के संबंध अन्य देशों के रिश्तों से अलग

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ उसके संबंधों से अलग हैं और नई दिल्ली की नजर राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर बनी रहती है तथा उनकी रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाते हैं। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन के बारे में अंतरिम सरकार को सभी संबंधित वार्ताओं में जानकारी दी गई है। एक और प्रश्न के लिखित उत्तर में, मंत्री ने कहा कि वह पड़ोस में होने वाले घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखती है। सिंह ने कहा, सरकार पड़ोसियों के साथ उसके संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो बहुआयामी हैं और आपसी हितों, संवेदनशीलता और मौजूदा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार विकसित होते हैं। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं और क्या पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, जो देश के लिए हानिकारक हो सकता है।

रूस में सेना के खुफिया उपप्रमुख को मारी गोली

- अस्पताल में भर्ती, किसी ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस की राजधानी मॉस्को में एक अज्ञात हमलावर ने सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेव को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव (64) पर हमले की यह घटना रूस के कई वरिष्ठ सैन्य एवं खुफिया अधिकारियों की हत्या के बाद सामने आई है, जिनके लिए मॉस्को ने यूक्रेन को दोषी ठहराया है।

जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक अपार्टमेंट में एक अज्ञात हमलावर ने लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव को कई गोलियां लगी हैं और उनका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पेत्रेंको ने यह नहीं बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर हमले के पीछे किसका हाथ हो सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव साल 2011 से रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रथम उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस पदक से सम्मानित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की यह घटना यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी, यूक्रेनी और अमेरिकी वार्ताकारों के बीच अबू धाबी में संपन्न दो दिवसीय वार्ता के एक दिन बाद हुई है।

पहले भी हुए हैं सैन्य अफसरों पर हमले

रूसी अधिकारियों ने रूस में कई सैन्य अधिकारियों और सार्वजनिक हस्तियों की हत्याओं के लिए कीव को दोषी ठहराया है। यूक्रेन ने इनमें से कुछ हत्याओं की जिम्मेदारी भी ली है। पिछले साल दिसंबर में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवरोव की एक कार बम हमले में मौत हो गई थी। इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव और इगोर किरिलोव की कार बम हमले में मौत हो गई थी।

अमेरिका ने पोलैंड संसद अध्यक्ष से तोड़े सभी संबंध

वारसॉ। पोलैंड में अमेरिका के राजदूत ने गुरुवार को घोषणा की कि अमेरिका इस यूरोपीय देश की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष व्लोदिमीएर्ज चेर्जेस्टी के साथ अब आगे कोई लेन-देन, संपर्क या संवाद नहीं करेगा। राजदूत टॉम रोज ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अकारण दिए गए अपमानजनक बयान को लेकर उठाया है। हालांकि रोज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कथित अपमानजनक टिप्पणियां क्या थीं लेकिन चेर्जेस्टी ने सोमवार को एक सार्वजनिक बयान में कहा था कि वह इजराइल और अमेरिका के नेताओं की उस पहल का समर्थन नहीं करेंगे जिसमें ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात थी।

कामरा ने सहयोग पोर्टल के खिलाफ दायर की याचिका

- कॉमेडियन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया

मुंबई, एजेंसी

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने सरकार के सहयोग पोर्टल के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय का रुख कर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक और अनुचित हमला बताया है, क्योंकि यह अधिकारियों को सोशल मीडिया सामग्री हटाने की अनुमति देता है। कॉमेडियन ने बुधवार को दायर अपनी याचिका में मुख्य रूप से आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) नियमों और सहयोग पोर्टल को चुनौती दी है। आईटी नियमों में अक्टूबर 2025 में संशोधन किया गया था।

उन्होंने दावा किया था कि पोर्टल केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किये बिना, मनमाने ढंग से (सामग्री) हटाने या अवरुद्ध करने के आदेश जारी करने का गैरकानूनी रूप से अधिकार देता है। सरकार के अनुसार सहयोग को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत उपयुक्त सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा मध्यस्थों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया था, ताकि किसी भी गैरकानूनी कार्य को करने के लिए उपयोग की जा रही जानकारी, डेटा या संचार लिंक तक पहुंच को रोकने की सुविधा हो। पोर्टल का उद्देश्य सभी अधिकृत एजेंसियों और मध्यस्थों को एक मंच पर लाना है।

मोदी के स्वागत पर नृत्य में रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

कुआलालंपुर। मलेशिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भव्य स्वागत कार्यक्रम के दौरान एक बड़े नृत्य प्रदर्शन के जरिए मलेशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 750 से ज्यादा कलाकार एक साथ नृत्य करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, इसमें एक ही नृत्य प्रस्तुति में सबसे ज्यादा नर्तक होंगे, जो भारतीय समुदाय द्वारा किए जाने वाले भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य रूपों की एक भव्य प्रस्तुति को दिखाएंगे। यह प्रस्तुति सेलामत दतांग मोदी जी कार्यक्रम में होगी, जहां प्रधानमंत्री मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भारतीय मूल के समुदाय को संबोधित करेंगे।

शाह ने कठुआ सीमा पर सुरक्षा का लिया जायजा

- बीएसएफ के जवानों से बातचीत कर बढ़ाया उनका हौसला

जम्मू, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कठुआ में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की।

शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गई चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब 12 मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला रखी। शाह जम्मू के लोक भवन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

केस स्थगन की नीरव मोदी की याचिका खारिज

लंदन। लंदन उच्च न्यायालय ने बैंक ऑफ इंडिया के बकाया ऋण मामले में भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दृष्टिहीनता, अवसाद और जेल की बाध्यताओं के कारण अपने मुकदमे को स्थगित करने का अनुरोध किया।

नीरव (54) पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर के धोखाधड़ी और धन शोधन मामले में भारत प्रत्यर्पित किए जाने का विरोध कर रहा है। वह उत्तरी लंदन की एचएमपी पेंटनविले जेल से वीडियोलिंक के माध्यम से 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बैंक ऑफ इंडिया के अलग मामले में मुकदमा पूर्व समीक्षा के लिए पेश हुआ।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 7 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 8 फरवरी 02.54 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

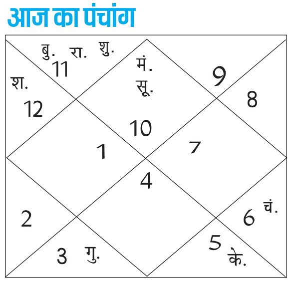

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 8 फरवरी 02.28 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष - आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। नए संपर्कों से आपको लाभ प्राप्त होगा। व्यवसाय में नए अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। आपके विरोधी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे। व्यस्तता के बावजूद कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

वृष - आज प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को चिंता रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। गुप्त शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिये। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन - आज अधीनस्थ कर्मचारियों का काफी अच्छा सहयोग मिलेगा। मौसम में बदलाव के कारण परेशानी हो सकती है। क्रोध को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपने काम की गुणवत्ता में कमी न आने दें। प्रशासन के लोगों से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क - आज कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके संबंध बनेंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। कोई बड़ी डील आपको मिल सकती है।

सिंह - आज व्यापार में आपको कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। मानसिक शांति में कमी रहेगी। बातचीत के दौरान शब्दों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें।

कन्या - आज राजनीति से जुड़े लोगों की छवि बहुत अच्छी होगी। आप व्यवसाय के लिए लोन ले सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बच्चों और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

तुला - आज आपके काम अंतिम समय में खराब हो सकते हैं। भ्रमित करने वाले समाचारों से दूरी बनाकर रखें। अनावश्यक यात्रा हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर अचानक काफी दबाव बढ़ने वाला है। माता-पिता से बहसबाजी न करें।

वृश्चिक - आज बड़े भाई-बहनों से मनमुटाव हो सकता है। लोग आपके प्रति काफी अच्छा भाव रखेंगे। कारोबार में अचानक धन लाभ हो सकता है। सभी कार्य उत्साह से करेंगे। सुख के साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं।

धनु - आज विनिर्माण के कार्यों से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपकी विचारधारा से अनेक लोग प्रभावित रहेंगे। कारोबार में बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं। भाइयों के साथ संपत्ति विवाद हल होंगे।

मकर - आज आप रिश्तों को अच्छी तरह से निभाएंगे, लेकिन आपको दूसरी ओर से वैसा सहयोग पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलेगा। व्यापार में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। खर्च बढ़ने से आपके कुछ काम प्रभावित होंगे।

कुंभ - आज पुराने रोग उभर सकते हैं। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। पुरुष जातकों को महिलाओं के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिये। अपने पद का दुरुपयोग न करें।

मीन - आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। अति उत्साह में काम बिगड़ सकते हैं। भूमि-संपत्ति को लेकर होने वाले विवादों का निपटारा होगा। मित्रों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी।

सुडोकू -54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

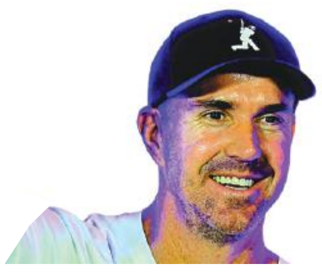

भारत निश्चित तौर पर प्रबल टी-20 विश्व कप का दावेदार है और हर कोई इसे मानेगा। लेकिन टी20 क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। किसी भी दिन विपक्षी टीम के दो सुपरस्टार खिलाड़ी आपको हरा सकते हैं।
-केविन पीटरसन

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हल्द्वानी, शनिवार, 7 फरवरी 2026

वैभव सूर्यवंशी।

वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में रचा इतिहास

अंडर-19 विश्व कप : सिर्फ 55 गेंदों पर ठोका सैकड़ा, 175 रनों के साथ सर्वोच्च स्कोरर भी बने

हरारे, एजेंसी

चौदह साल के सूर्यवंशी ने महज 55 गेंद में तीन अंक का आंकड़ा छूकर इस टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल में किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है और टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में यह टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी है।

सूर्यवंशी ने यह पारी तब खेली जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने सिर्फ 32 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और इसी अंदाज में खेलते हुए दूसरा अर्धशतक सिर्फ 23 गेंद में बना लिया। उनकी 175 रन की पारी में से 150 रन सिर्फ बाउंड्री से ही आए जिसमें 15 छक्के और इतने ही चौके शामिल थे। इस पारी के दौरान उन्होंने विपक्षी टीम के गेंदबाजों की पूरी तरह से धज्जियां उड़ा दी। अब उनके नाम युवा वनडे पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने दिसंबर में दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अपने ही 14 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी के नाम अब अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन (71 गेंद में) बनाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने टूर्नामेंट में पहले इसी मैदान पर इंग्लैंड के बेन मेयेस के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया जिन्होंने 98 गेंद में 150 रन बनाए थे। सूर्यवंशी के दबदबे का अंदाजा इससे ही लग जाता है कि उनके 100 से 150 रन तक पहुंचने के दौरान दूसरे छोर पर खड़े वेदांत त्रिवेदी ने सिर्फ चार गेंदों का सामना किया। सूर्यवंशी की बल्लेबाजी इतनी जबरदस्त थी कि आधे मैच तक भारत का रन रेट लगभग 10 था और उस चरण पर टीम का अनुमानित स्कोर 500 था।

बिहार के समस्तीपुर का यह खिलाड़ी दो घंटे से भी कम समय में क्रिकेट की दुनिया को हैरान करने के बाद 26वें ओवर में मैनी लम्सडेन की शॉर्ट गेंद को स्कूप करने की कोशिश में आउट हो गया। विकेटकीपर थॉमस रियू ने उनका कैच लपका। इंग्लैंड के खिलाड़ी सूर्यवंशी को ऐसी पारी पर बधाई देने के लिए उनकी ओर दौड़े जो विश्व कप फाइनल में अक्सर देखने को नहीं मिलती। सूर्यवंशी ने अपने कप्तान आयुष म्हात्रे (51 गेंद में 53 रन) के साथ सिर्फ 19 ओवर में 142 रन बनाए। म्हात्रे अपना अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद आउट हो गए। सूर्यवंशी ने अकेले इसी चरण में 22 छक्के लगा दिए और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2022 में 18 छक्कों का रिकॉर्ड बनाया था।

सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी अल्बर्ट और ऑफ-स्पिनर फरहाद अहमद पर क्रमशः 27 और 22 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद अभिज्ञान कुंडू (31 गेंद में 40 रन), वेदांत त्रिवेदी (36 गेंद में 32 रन), विहान मल्होत्रा (36 गेंद में 30 रन) और कनिष्क चौहान (20 गेंद में नाबाद 37 रन) ने योगदान दिया। भारत 400 रन के पार पहुंचकर जीत का प्रबल दावेदार बन गया था और उनके गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कुछ हद तक यह उपलब्धि अतीत की विश्व स्तरीय भारतीय अंडर-19 टीम के कारनामों से मिलती-जुलती थी जिसमें कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

जीत का जश्न मनाती भारतीय टीम। एजेंसी

भारत

411/9 (50 ओवर)

आरोन जॉर्ज का मेयेस बो ग्रीन	09
सूर्यवंशी का रियू बो लम्सडेन	175
आयुष म्हात्रे का मेयेस बो ग्रीन	53
वेदांत त्रिवेदी का मेयेस बो मिंटो	32
विहान का डॉकिन्स बो मिंटो	30
कुंडू का अलबर्ट बो मोर्गन	40
आरएस अंबरीश बो मिंटो	18
कनिष्क चौहान नाबाद	37
खिलन पटेल का मूर्स बो मोर्गन	03
हेनिल पटेल रन आउट	05
दीपेश देवेंद्रन नाबाद	00

गेंदबाजी : सेबेस्टियन मोर्गन 9-0-74-2, एलेक्स ग्रीन 5-0-49-2, मैनी लम्सडेन 8-0-81-1, जेम्स मिंटो 8-0-63-3, फरहान अहमद 10-0-77-0, राल्फी अलबर्ट 10-0-66-0

सूर्यवंशी ने 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' स्टाफ को समर्पित किया

युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप फाइनल में शानदार पारी खेलने के बाद मिला 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' पुरस्कार भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ को समर्पित किया। सूर्यवंशी अंडर-19 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' दोनों पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने 80 गेंद में 175 रन की तूफानी पारी खेलकर बड़े मंच पर धमाल मचाया और भारत को इंग्लैंड पर 100 रन की जीत के साथ रिकॉर्ड छठा खिताब दिलाया। पुरस्कार वितरण समारोह में सहयोगी स्टाफ के योगदान को सराहा।

हाईलाइट

रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का तरीका हो सकता है : नेत्रवलकर

मुंबई। पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के नायक और भारत के खिलाफ दो अहम विकेट चटकाने वाले अमेरिका की टीम के खिलाड़ी सौरव नेत्रवलकर का मानना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में खेलते समय रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। अमेरिका की टीम शनिवार से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। नेत्रवलकर मुंबई के उन तीन खिलाड़ियों में से एक होंगे जो भारत के खिलाफ अमेरिका के लिए मैदान पर उतर सकते हैं। नेत्रवलकर वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय सरजमीं पर अपने पहले मैच के लिए तैयार हैं, लेकिन चुनौतियों से भी वाकिफ हैं।

अभ्यास मैच में इटली ने यूएई को हराया

चेन्नई। एंथनी मोस्का (56) और जस्टिन मोस्का (48) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इटली ने शुक्रवार को विश्वकप से पहले खेले गये अभ्यास मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 112 रनों से शिकस्त दी। आज यहां टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इटली ने 20 ओवर में सात विकेट पर 193 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने के बाद यूएई को सिर्फ 81 रन पर समेट कर 112 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

मुंबई पर कर्नाटक ने बनाया दबदबा

मुंबई। प्रसिद्ध कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा और श्रेयस गोपाल की शानदार गेंदबाजी के बाद मयंक अग्रवाल की नाबाद अर्धशतकीय पारी से कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन मुंबई के खिलाफ अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। मुंबई का पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय उल्टा पड़ गया क्योंकि कर्नाटक के गेंदबाजों ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध (21 रन पर तीन विकेट) और कावेरप्पा (38 रन पर तीन विकेट) तथा लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल (चार रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट लेकर मुंबई को 48.1 ओवर में 120 रन पर आउट कर दिया। दिन का खेल खत्म होते समय कर्नाटक ने दो विकेट पर 110 रन बना लिए। वह मुंबई से अब सिर्फ 10 रन पीछे हैं और उसके आठ विकेट बचे है। अन्य मध्यप्रदेश ने जम्मू-कश्मीर को 194 रनों पर समेट दिया। कुलदीप सेन ने पांच विकेट लिए।

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का प्रबलतम दावेदार

टी-20 विश्व कप आज से

- भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से हो रहा आयोजन
- पहली बार टी-20 विश्व कप में भाग ले रहीं 20 टीमें
- फुटबॉल प्रेम के लिए मशहूर इटली भी पेश करेगा चुनौती
- अमेरिकी टीम में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान के कई खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के सबसे बड़े टूर्नामेंट से पहले चर्चा खिलाड़ियों या खेल की नहीं बल्कि मैदान से बाहर की गतिविधियों की ही रही है और शायद राजनीति का इतना असर किसी विश्व कप पर पहले देखने में आया हो। भारत और श्रीलंका में शनिवार से टी-20 विश्व कप शुरू हो रहा है। जिसमें सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम खिताब की सबसे प्रबल दावेदार है। लेकिन चर्चा खिलाड़ियों या प्रबल दावेदारों पर हो कहां रही है।

खेल की राजनीति या राजनीति में खेल का ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला है। भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से इनकार पर बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वहीं, अपने पड़ोसी के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। दोनों देशों ने इस संकट के लिए भारत को कसूरवार ठहराया, जिसकी शुरुआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर हुई।

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) व अर्शदीप सिंह। एजेंसी

नजरें अमेरिका पर शानदार जीत के साथ आगाज पर

मुंबई। सितारों से सजी भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शनिवार को आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी, तो खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनने का इरादा होगा। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के दो मजबूत स्तंभ विराट कोहली और रोहित शर्मा भले ही इस प्रारूप से विदा ले चुके हों लेकिन भारतीय टीम बहुत मजबूत है।

टीम : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान), आंद्रिस गौस, साइतेजा एम, शायन जहांगीर, हरमीत सिंह, शेहान जयसूर्या, संजय कृष्णमूर्ति, मिलिंद कुमार, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने, शाडले वान शाकविक, अली खान, जसदीप सिंह, नोस्तुश केनिजे, सौरभ नेत्रवलकर।

आज के मैच

टीम	समय
नीदरलैंड्स-पाकिस्तान	सुबह 11 बजे
स्काटलैंड-वेस्टइंडीज	दोपहर 3 बजे
भारत-अमेरिका	शाम 7 बजे

राणा चोट के कारण बाहर, मो. सिराज को मिली जगह

मुंबई। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और सूत्रों के मुताबिक उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार राणा की जगह टीम में साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है। सूर्यकुमार की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है। सूर्यकुमार ने शुक्रवार को मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा राणा का हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।

कोलकाता में स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच की तैयारी करते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

बांग्लादेश से सहानुभूति, पर स्कॉटलैंड खेलने का हकदार

- स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने कहा- हमारी टीम ने विश्व कप के लिए की है बहुत मेहनत

कोलकाता, एजेंसी

स्कॉटलैंड के स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने शुक्रवार को कहा कि वह बांग्लादेश खिलाड़ियों के लिए सहानुभूति रखते हैं लेकिन आखिरी समय में टूर्नामेंट में शामिल की गई स्कॉटलैंड टीम अपनी जगह की पूरी हकदार थी।

बांग्लादेश की टीम भारत में नहीं खेलने के अपने सरकार के रुख के कारण टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकी। वाट ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, लेकिन स्कॉटलैंड ने कड़ी मेहनत की है और उसे वैश्विक प्रतियोगिता में खेलने का पूरा अधिकार मिला है। स्कॉटलैंड शनिवार को ईडन गार्डन्स में ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। टीम की कोशिश जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने की होगी। आईसीसी द्वारा बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद स्कॉटलैंड को अंतिम समय में प्रतियोगिता में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत दुख है पर हमें पूरा विश्वास है कि हमें यहां होना चाहिए।

महिला टीम खिताब बचाने में रही नाकाम

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

- पुरुष टीम को कोरिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा

किंगदाओ, एजेंसी

भारत की महिला टीम का खिताब बचाने का सफर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीन की दूसरे दर्जे की टीम से मिली 0-3 की हार के बाद निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया जबकि पुरुष टीम को कोरिया से 1-3 से हार मिली।

भारतीय महिला टीम ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9 . 21, 9 . 21 से हार गई ।

विश्व जूनियर चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता 17 वर्ष की तन्वी चीनी खिलाड़ी की रफ्तार का सामना नहीं कर सकी । गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22 . 24, 18 . 21 से पराजय का सामना करना पड़ा ।

पहले गेम में 10 . 16 से पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करके बराबरी की लेकिन करीबी मुकाबले में पहला गेम गंवा दिया । दूसरे गेम में एक समय भारतीय जोड़ी के पास 13 . 10 की बढत थी लेकिन फिर लगातार अंक गंवाकर चीनी जोड़ी को जीत सौंप दी ।

रुद्रांक्ष पाटिल ने एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि ओलंपियन अर्जुन बबूता ने दूसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और गगन नारंग के बाद देश से उभरते हुए बेहतरीन राइफल निशानेबाजों में से एक रुद्रांक्ष ने फाइनल में शानदार 251.9 का स्कोर किया और हमवतन बबूता (250.7) की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए दबदबा बनाया। इस जोड़ी ने विशाल सिंह के साथ मिलकर भारत को इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक भी दिलाया। बाईस साल के रुद्रांक्ष को देश के लिए कोटा स्थान हासिल करने के बावजूद पेरिस ओलंपिक से चूकने की निराशा झेलनी पड़ी थी।

डेविस कप क्वालीफायर | पहले दौर में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला आज से

दक्षिणेश्वर सुरेश को रास आएगा तेज कोर्ट

बेंगलुरु, एजेंसी

मेजबान भारत डेविस कप क्वालीफायर पहले दौर के मुकाबले में शनिवार को नीदरलैंड्स से खेलेगा तो बेंगलुरु के तेज कोर्ट भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की बजाय दक्षिणेश्वर सुरेश को अधिक रास आएंगे। नागल कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं जिसके कारण भारत की उम्मीदें दक्षिणेश्वर की टिकी है। इस कोर्ट पर आक्रामक शॉट्स खेलने वाले खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे और दक्षिणेश्वर को इसमें महारत हासिल है।

नागल तेजी से ठीक हो रहे हैं और अभ्यास के दौरान सहज दिखे लेकिन उनकी मैच फिटनेस के बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। तेज रफ्तार वाले कोर्ट पर अगर मैच लंबी रेलियों में जाता है तो नागल की मूवमेंट और दमखम की परीक्षा हो सकती है। वैसे वह यहां बेंगलुरू ओपन और डब्ल्यूटीएल खेल चुके हैं लिहाजा हालात से वाकिफ हैं। दक्षिणेश्वर पिछले साल स्विटजरलैंड में अहम एकल मुकाबला जीते थे जिससे भारत ने विदेशी धरती पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उन्होंने पहला मुकाबला जीतकर लय बनाई थी जिसके बाद नागल ने दूसरा मैच जीता । नीदरलैंड के खिलाड़ियों को भी तेज कोर्ट रास आते हैं और उसके खिलाड़ी इस तरह के हालात में खेलने के अभ्यस्त हैं। शीर्ष एकल खिलाड़ी टालोन ग्रीकस्पूर (विश्व रैंकिंग 29) और बोटिच वान डे जैंडशल्प (67) की कमी हालांकि उसे खलेगी । ऐसे में भारत के लिये बराबरी का मौका रहेगा।

बाएं से, नीदरलैंड्स के सैंडर एरेंड्स, डेविड पेल, मैक्स हाउकेस, गाइ डेन ओडेन, जेस्पर डे जोंग और पॉल हारहुइस, भारत के कप्तान रोहित राजपाल, सुमित नागल, करण सिंह, दक्षिणेश्वर सुरेश, युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी। एजेंसी

नीदरलैंड्स की अगुआई कर रहे जोंग

नीदरलैंड्स टीम की अगुवाई 88वीं रैंकिंग वाले जेस्पर डे जोंग कर रहे हैं जिन्होंने शीर्ष 30 में शामिल खिलाड़ियों को हराया है। वहीं 162वीं रैंकिंग वाले गाय डेन ओडेन डेविस कप में पदार्पण कर रहे हैं जिन्हें इस स्तर पर खेलने का अनुभव नहीं है। युगल में युकी भांबरी की वापसी से भारतीय टीम मजबूत हुई है चूंकि उनके पास गहराई और अनुभव है। भांबरी युगल में एन श्रीराम बालाजी के साथ खेलेंगे जो रित्विक बोल्लिपल्ली की जगह खेल रहे हैं। उनका सामना सांड्रे एरेंड्स और डेविड पेल से होगा। इसमें हारने वाली टीम सितंबर में विश्व ग्रुप वन में लौटेगी जबकि विजेता टीम क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में पहुंचेगी ।